

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)
PART II —Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 263] No. 263] मई दिल्ली, शुक्रवार, ग्रगस्त 17, 1979/आवण 26, 1901 NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 17, 1979/SRAVANA 26, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि पह अलग संकलन के रूप में पद्धा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

र्मावहन और परिवहन मंत्रालय

(पचिहन पक्ष)

ग्रसिस्चन।

न**ई दि**ल्ली, 10 ग्रगस्त, 1979

सा० का० नि० 493 (ग्रं) :—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन स्थास प्रिक्षित्यम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के साथ पठिन घारा 126 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए निम्नलिखित प्रथम विनियम बनाती है, ग्रर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम तूती, कोरिन पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, ज्येष्ठना और प्रोन्नित) विनियम, 1979 है।
 - (2) में राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. लागू होंगा :- ये बोर्ड के प्रधीन सभी पदों को, प्रधिसियम की घारा 24 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के धन्तर्गत प्राप्ते वाले पदों को छोड़कर, लागू होंगे ।
- 3. परिभाषाएं :--इन विनियमों में, अब नक कि संदर्भ से भ्रन्यथा अपेक्षित न हो,--
 - (क) "ग्रधिनियम" से महापरान न्याम ग्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) ग्रभिन्नेत है;
 - (बा) किसी श्रेणी या पद के संबंध में "नियुक्ति प्राधिकारी" में एसा प्राधिकारी प्रभिन्नेत है जिसे उस श्रेणी में या पद पर नियुक्ति करने के लिए तूतीकोरिन पसन त्यास कर्मजारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और धणील) विनियम, 1978 के श्रधीन सशक्त किया गया है;

- (ग) "बोर्ड", "ग्रध्यक्ष", "उपाध्यक्ष" और "विभाग का प्रधान" का वही ग्रर्थ है जो उनका ग्राधिनियम में हैं;
- (ण) "काडर" से, किसी पृथक इकाई के रूप में मंजूर की गई सेका या सेवा के किसी भाग की सवस्य संख्या, श्रीभप्रेत हैं। इसमें वे पद या किन्हों प्रवर्गों के पद हैं जिनकी धारण करने वाले व्यक्तियों को, उसी सेवा या सेवा के भाग में उच्चतर पद रिक्त होने पर, भ्रन्तरित किए जाने या ज्येष्ठता तथा उपयुक्तता प्रयवा ज्येष्ठता तथा संग्यना के शाधार पर प्रोस्नन किए जाने का पाझ समझा जाता है;
- (क) "वर्ग I पद", "वर्ग II पद", "वर्ग III पव" और "वर्ग IV पद", का वहीं धर्थ होगा जो तूतीकोरिन पत्तन स्थास कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और ध्रपील) विनियम, 1978 में उनका है;
- (च) "बिभागीय प्रोन्नित समिति" से ऐसी कोई समिति प्रभिप्रेत है जो किसी श्रेणी या पद या प्रोन्नित या पुष्टि के लिए सिफा-रिण करने के प्रयोजन के लिए विनियम 29 के श्रधीन समय-समय पर गठिन की जाती है;
- (छ) "मीधी मर्ती किया गया व्यक्ति" से ऐशा कोई व्यक्ति प्रभिन्नेत है जिसे सेवा चयन ममिति द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा या माक्षातकार या दोनों के भाधार पर मर्ती किया गया है ;
- (ज) "इ्यूटी पद" से किसी विशेष प्रकार का कोई भी पद ग्राभि-प्रेत है, बाहु वह स्थायी है या प्रस्थायी ;
- (झ) "कर्मचारी" से बोर्ड का कोई कर्मचारी प्रमिन्नेत है ;
- (ज्ञ) "श्रेणी" से प्रधिनियम की धारा 23 के घड़ीन तैयार की गई और मंजूर की गई बोर्ड कर्मचारीकृत्य प्रनुसूची में विनिर्विष्ट कोई श्रणी ग्रिभिप्रेत हैं ;

- (ट) किसी अणी या पद के संबंध में "स्थायी कर्मचारी" से ऐसा कोई कर्मचारी ध्रभिप्रेत हैं जिसे उस श्रेणी या पव में किसी स्थायी रिक्ति पर घ्रधिष्ठायी रूप में नियुक्त किया गया है;
- (ठ) "मनुसूची" से इन विनियमों से उपात्रक अनुसूची प्रभिन्नेत हैं;
- (क) "भनुसूचित जातियां" और "प्रनुसूचित जनजातियां" का वही प्रार्थ है जो उनका भारत के संविधान के प्रनुच्छेद 366 के खण्ड 24 भीर 25 में है;
- (क) किसी श्रेणी या पक्ष के संबंध में "क्यन सूची" से उस श्रेणी या पक्ष के लिए विनियम 30 के खण्ड (क) के अनुसार सैयार की गई चयन सूची ग्राभिप्रेस है;
- (ण) "जयन पव" से ऐसा कोई पव श्रमिन्नेत है जो इन विनियमों के विनियम 7 के श्रमीन ऐसे पव के रूप में घोषित किया गया है;
- (त) "सेवा चयन समिति" से ऐसी समिति प्रभिन्नेत है जो सीधी भर्ती के लिए धारक्षित पदों पर नियुक्ति के लिए प्रनियोधिका परीक्षा या साक्षारकार या दोनों के माध्यम से प्रभ्यवियों के चयन के लिए नियम 16 के ध्रधीन गठित की गई है;
- (ण) किसी श्रेणी या पद के संबंध में "ग्रस्थायी कर्मेचारी" से ऐसा कोई कर्मेचारी श्रमित्रते हैं जो उस श्रेणी या पद में ग्रस्थायी या स्थानापन्न रूप में नियुक्त हैं।
- 4. कर्मचारियों की श्रेणीकरण सूची :--कर्मचारियों की परस्पर अयेष्ठता की उपर्वाधत करने वाली श्रेणीकरण सूची प्रत्येक श्रेणी के लिए रखी जाएगी। सूची में स्थामी और भ्रस्थामी कर्मचारियों की पृथक-पृथक विश्वत किया जाएगा।
- 5. प्राधिकृत स्थायी और ग्रस्थायी सदस्य संख्या—विभिन्त श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी और ग्रस्थायी सदस्य संख्या वह होगी जो ग्रिधिनियम की धारा 23 के प्रधीन समय-समय पर तैयार और मंजूर की गई कर्म-वारिषृत्व ग्रनुसूची में हैं।
- 6. नियुक्तियां :—सभी पदो पर, जिन्हों ये विनियम लागू होते हैं, नियुक्तियां इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार की जायेंगी। नियुक्तियां या तो कर्मचारियों की प्रोप्तिया स्थानान्तरण द्वारा की जायेंगी, या सीधी, भर्ती द्वारा।
- 7. भर्ती की पद्धित :---भर्ती की पद्धित, प्रायु-शिवा, प्रणिक्षण से संबंधित प्रहेतायें, न्यूनतम अनुभव संबंधी अपेक्षाएं, धावश्यक ग्रीर/या बांछनीय योग्यतायें, चयन पदों या अचयन पदों के रूप में पदों का धर्मीकरण ग्रीर विभिन्न पदों पर नियुक्ति से संबंधिन ग्रन्य विभिन्न एदों पर नियुक्ति से संबंधिन ग्रन्य विभिन्न एदों पर नियुक्ति से संबंधिन ग्रन्य विभिन्न एदों पर नियुक्ति से संबंधिन ग्रन्य विभिन्न एते विभिन्न पदों पर नियुक्ति से संबंधिन ग्रन्य विभिन्न से उपाद्या सन्ति ।

परन्तु विहित मधिकतम श्रायु-सीमा निम्नलिखित रूप में गिथिल की जा सकेगी, श्रयांत् :---

- (1) यदि न्यूनतम विहित अनुभव 10 वर्ष या अधिक है तो 5 वर्ष नक और यदि न्यूनतम विहित अनुभव 5 से 9 वर्ष तक हैतो 3 वर्ष तक अध्यक्ष द्वारा शिथिल की जा सकेगी;
- (2) ऐसे अध्यर्थी की वधा में, जो भूतपूर्व सैनिक है, अर्थात्, भारतीय रक्षा सेवा का भूतपूर्व कर्मचारी है, और जिसने रक्षा बलों में कम से कम छह मास निरस्तर सेवा की है, उतनी अवधि के जिये शिथिल की जा सकेग़ी जितनी अवधि तक उराने रक्षा बलों में सेवा की है तथा 3 वर्ष, किन्तु यह तब जब भरी जाने बाली रिक्ति ऐसे भूतपूर्व सैनिकों और युद्ध में मारे गये व्यक्तियों के साथितों के लिये आरक्षित है और यह सीमा रक्षा बलों में उसके द्वारा की गई सेवा की कुल प्रविध तक के लिये उस दशा में शिथिल की जा मकेगी जब कि भरी जाने वाली रिक्ति अनारिकृत रिक्ति है; और

(3) अनुपूषित जाति और अनुमूचित जनजाति के अभ्यथीं की दश्यु में ऐसे आवेणों के अनुसार गिथिल की जा सकेगी जो अर्जु-सूषित जातियों और अनुमूचित जनजातियों के पक्ष में ऐसी सवाधों या उसके अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये समय-समय पर केन्द्रीय गुरुकार जारी करे:

परन्तु यह थौर कि विहित न्यूननम प्रायु-मीमा भौर णैक्षिक सथा भ्रत्य श्रह्तायों, भ्रज्ये श्रीर पर्याप्त कारणों के होने पर, जो लेखनक किये जायेंगे, श्रद्धक कारा उस वशा में शिक्षित की जा सकेंगी जब श्रम्यथीं को श्रन्थया उपयुक्त या सुभीहत पाया जाता है :

परन्तु यह भी कि भनुभव संबंधी धर्हनाये प्रध्यक्ष के विवेकानुसार प्रमुमूचिन जानियों प्रयवा भनुसूचिन जनजानियों के प्रश्यियों के मामलों में उस दशा में शिथिल की जा सकती है, जब कि चयन के किसी प्रकम पर प्रध्यक्ष की यह राथ हो कि इनके लिये प्रारक्षित पदों पर भर्ती के लिये प्रपेक्षित प्रमुभव रखने वाले इन समुदायों के प्रभ्यवी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

8. परिविक्षा:—(1) प्रत्येक व्यक्ति, जिसे प्रतुसूची के स्तम्भ 2 में विनिदिष्ट किसी पद पर, चाहे सीधी भनी द्वारा या प्रोफ्तित या स्थान नान्तरण द्वारा नियुक्त किया जाता है, उत-दिनियम (2) और (3) के उपबन्धों के प्रधीन रहते हुए, प्रतुसूची में उस पद के सामने विनिधिष्ट प्रविध के लिये परिवीक्षा पर रहेगा:

परन्तु जहां स्वयं नियुक्ति , नियुक्ति भावेश में विनिर्दिष्ट किसी भाविध के लिये ही है वहां ऐसी नियुक्ति ऐसी श्रविध की समाप्ति पर स्वतः समाप्त हो जायेगी, जब तक कि ऐसी श्रविध को नियुक्ति प्राधिकारी बढ़ा नहीं देता ।

- (2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी ठ्रीक समझता है सो वह परिवीका की स्रवधि को, एक बार में, किसी विनिर्विष्ट प्रविध के लिये बढ़ा सकेगा किन्तु ऐसे बढ़ाये जाने की कुल प्रविध, उस दणा को छोड़कर जब कि ऐसे कर्मचारी के विरुद्ध किसी विभागीय या विधिक कार्रवाई के लिखन होने के कारण ऐसी वृद्धि भावव्यक है, विहित प्रारम्भिक परिवीका की सबिध से प्रधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।
- (3) यवि नियुक्ति प्राधिकारी ठीक समझता है तो उपसुक्त मामलों में परिवीक्षा की अवधि को कम किया जा सकेगा।
- (4) कर्नचारी से, उसकी परिवीक्षा की श्रवधि के बौरान ऐसा विभागीय प्रशिक्षण लेने और ऐसी विभागीय परीक्षाएं उसीण करने की श्रोक्षा की जा सकती है जो इस निमित शब्युक्ष समय-समय पर विनिर्विष्ट करें।
- 9. परिविध धीन कर्मचारियों की पृष्टि:—(1) जब किसी कर्मचारी ने, जिसे किसी श्रेणी या पद पर परिवीक्षा गर नियुक्त किया गया है, विनिविष्ट विभागीय परीकाएं उन्तीर्ण कर की हैं और नियुक्त प्राधिकारी के समाधानश्रद रूप में धपनी परिविक्षा पूरी कर ली है तो वह कोई स्पष्ट स्थायी रिकिन उपलब्ध होने पर , उस श्रेणी या पद पर पृष्टि के निये पात होगा।
- (2) जब तक कि परिवीक्षाधीन कर्मचारी इस विनियम के अधीम पुट्ट नहीं कर दिया जाता या विनियम 10 के अधीन सेवोस्पुक्त या प्रत्यावर्तित नहीं कर दिया जाता तब तक वह परिवीक्षाधीन कर्मचारी की प्रास्थिति में बना रहेगा।
- 10. परिवीक्षाधीन कर्मवारियों की सेवोन्मुक्ति या प्रत्यावर्तन:—(1) परिवीक्षाधीन कर्मवारी, जिसका किसी पद पर कीई धारणाधिकार नहीं है, बिना किसी सूचना के किसी भी समय सेवोन्मुक्त किया जा सकेगा,—
 - (क) यदि परिविधा की अवधि के दौरान उसके कार्य करने या आचरण के आक्षार पर उसे सेवा में आगे बनाये रखने के लिये अनुप्युक्त समझा जाता है; या

- (ख) यदि उसकी राष्ट्रिकता, आयु, स्वास्थ्य, शिक्षा भीर अन्य भईताओं या पूर्वेषुल से संबंधित किसी जानकारी की प्राप्ति पर निपुक्ति प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि वह सेवा में अनाए रखे जाने के लिए अपाद या अन्यया अनुपय्क्त है।
- (2) परिविधाधीन कर्मचारी, जिसका किसी पद पर कोई धारणा-धिकार है, उन-विनियम (1) में विनिधिष्ट किसी भी परिस्थिति में, किसी भी समय ऐसे पद को प्रत्यावर्तित किया जा सकेगा।
- (3) परिवोक्षाधीन कर्मचारी, जिसे विनियम 8 में विहित परिवोक्षा को भ्रविध को समाप्ति पर पृष्टि के लिए उपयुक्त नहीं समझा जाता है, यथास्थिति, उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के भ्रनुसार उन्मोक्षित या प्रत्यावर्तित कर दिया जाएगा।
- 11. ज्येष्ठता :---संधायी कर्मजारी--- (1) किसी श्रेणी या पद पर अधिष्ठायी रूप में नियुक्त व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उसी क्रम में विनियमित की जाएगी जिस क्रम में कि वे ऐसे नियुक्त किए जाते हैं।
- (2) अस्पायी कर्मचारी: ---अणी में मीक्षे भर्ती किए गए व्यक्तियों भीर विभागीय प्रोन्नित के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक अ्येष्ठता उसी चक्रानुकम में निधिचत की जाएगी जिसमें कि सीधी भर्ती ग्रीर प्रान्ति के लिए पद रिक्त हुए हों। यह चक्रानुकम उस श्रेणी में सीधी भर्ती ग्रीर प्रोन्नित के लिए आरिअत रिक्तियों के कोट पर ग्राधारित होगा।
- (3) सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक पेक्ति उसी योग्यता-क्रम में निश्चित की जाएगी जिसमें कि उन्हें ऐसी किसी परीक्षा या साक्षारकार के, जिसके ब्राधार पर उनकी भर्ती की गई है, परिणामस्वरूप रखा गया है। किसी पूर्वकर परीक्षा या साक्षात्कार के बाधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति उन व्यक्तियों से ज्येष्ठ पंक्ति में होंगे जो किसी पच्चात्वर्ती परीक्षा या साक्षात्कार के ब्राधार पर नियुक्त किए जाने हैं।
- (4) रिक्तियों के प्रोस्तित कोटे महे तियुक्त व्यक्तियों की पारस्परिक पंक्ति उसी कम में निविचत की जाएगी जिस कम में कि उन्हें विभागीय प्रोन्तित समिति ने प्रोक्तिक लिए अनुमोदित किया है।
- (5) उक्त उप-विनियम (1) से (4) तक में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी इन विनियमों के प्रारम्भ से पूर्व अवधारित की गई ज्योक्ठता अप्रभावित बनी रहेगी।
- 412. रोस्टर का रखा जाना :—विभाग का प्रधान प्रपत्ने विभाग में प्रस्थेक श्रेणी के लिए यह दिणत करने के लिए एक रोस्टर रखेगा कि कोई विशिष्ट रिक्ति सीधी भर्ती द्वारा भरी जानी वाहिए या प्रान्ति द्वारा, किन्तु सामान्य काडरों के संबंध में ऐसा रोस्टर सचिव रखेगा।
- 13. धारक्षण :--(1) ध्रनुसूचित जातियों धौर ध्रनुसूचित जनजातियों के पक्ष में केन्द्रीय सरकार के ध्रधान पदों पर नियुक्तियों के चाहे वे सीधी भर्ती द्वारा की जाएं या प्रोन्नित द्वारा, धारक्षण के लिए समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए धावेश, इन नियमों के ध्रन्तर्गत धाने वाली सभी नियुक्तियों की यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगे।
- (2) भूतपूर्व सैनिकों और युद्ध में मारे गए व्यक्तियों के प्राश्चितों के पक्ष में केन्द्रीय सरकार के अधीन पदां पर नियुक्तियों की बाबत प्रारक्षण के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए प्रावेश, इन विनियमों के प्रन्तर्गत धाने वानी नियुक्तियों को, जिनके लिए सीधी भर्ती की जामी है, भी लागू होंगे।
- 14. नीघी भर्ती के लिए प्रावेदन:——(1) नीघी भर्ती द्वारा नियुक्ति के लिए प्रत्येक प्रभ्यर्थी, ऐसी नारीख से पूर्व ग्रीर ऐसे प्ररूप में तथा ऐसी रीति में भावेदन करेगा, जो भ्रष्टयक्ष समय-समय पर विहिन करे। वह भ्रपनी ग्रायु, महंतामों भीर ग्रनुभव के बारे में ऐसे सबूत प्रस्कुत करेगा, जिनकी मध्यक्ष ग्रपेका करे।

- (2) भायु-सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में, भारत में भ्रावेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई धिन्तम तारीख होगी।
- 15. सीधी भर्ती के लिए पासता और निरहताएं:— (1) कोई ब्यन्ति किसी श्रेणी या पद पर सीधी भर्ती के लिए तभी पात होगा जब कि वह,
 - (क) भारत का नागरिक है; या
 - (सा) नेपाल की प्रजा है ; या
 - (ग) भटान की प्रजा है ; या
 - (घ) निष्यती या भरणाथीं जो भारत में 1 जनवरी, 1962 से पूर्व इस भागय से भाषा है कि वह स्थायी रूप से भारत में बसेगा; या
 - (ङ) भारतीय मूल का ऐसा कीई व्यक्ति है जो भारत में स्थामी रूप से बसने के भाणय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, या केन्या, उगान्डा या तंजानिया, संयुक्त गणराज्य (जो पहले तंगनायिका भौर जंजीबार था) नामक पूर्वी भ्रफीकी देशों से भ्राया है;

परन्तु प्रवर्ग (क) के भ्रभ्यथीं को भ्रपती राष्ट्रिकता के बारे में ऐसा समून प्रस्तुत करना होगा जिसकी भ्रध्यक्ष समय-तमय पर भ्रपेक्षा करें:

परन्तु यह भी कि प्रवर्ग (ख), (ग), (घ), ग्रीर (क) ग्रभ्यर्थी देसा व्यक्ति होगां जिसके पक्ष में भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र जारी किया है:

परन्तु यह धौर भी कि ऐसे धभ्यथीं को, जिसके मामले में राष्ट्रिकता या पालता का प्रमाणपत्न धावश्यक है, तब तक के लिए धनतिम रूप में नियुक्त किया जा सकता है जब तक यह, यथास्थिति, धावश्यक सबूत या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके पक्ष में जारी किया गया धावश्यक प्रमाणपत्न, प्रस्तुत करता है।

- (2) वह व्यक्ति--
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवत है, पत्रवाह किया है, या
- (श्व) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

किसी ऐसी श्रेणी में यापव पर नियुक्ति का पात नहीं होगा जिसको ये विनियम क्षागू होते है:

परन्तु यदि अध्यक्ष का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति भौर विवाह के भन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के भ्रष्ठीन भनुतेय है भौर ऐसा करने के लिये भन्य भाधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस उप-विनियम के प्रवर्तन से छूट वे सकेगी।

- (3) अन्यर्थी को नियुक्ति प्राधिकारी का यह समाधान करना होगा कि उसका शील और पूर्ववृक्त ऐला है कि वह किसी भी श्रेणी या पद पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त है। ऐसा कोई अन्यर्शी जिसे मैतिक अधापतन अन्तर्विलित करने वाले किसी अपराध के लिये न्यायालय द्वारा सिद्धवीय किया गया है या जिसे विवालिया अधिनिणींत किया गया है, बोई की सेवा में नियुक्ति के लिये पाल नहीं होगा।
- (4) यदि यह प्रण्य होता है कि किसी श्रभ्यर्थी ने इन विनियमों की सभी या किसी श्रपेक्षा की पूर्ति की है या नहीं, तो उसका विनिष्चय श्रध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया आयेगा।
- (5) ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय सरकार के पूर्वे अनुमोदन से, उप विनियम (1) की अपेक्षाओं में से किसी को भी उपान्तिरित या उसका अधिस्यजन उस दशा में कर सकेगा जब किसी विशेष प्रकृति के कार्य के लिये नियुक्ति की जानी हो और ऐसा कोई उपयुक्त अभ्यर्थी मिलना सम्भव न हो तो इस विनियमों की अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।
- (6) घभ्यर्थी का स्वस्थ होना :——घभ्यर्थी की मानसिक मौर धारीरिक स्थिति ठीक होनी चाहिये घौर ऐसे सभी धारीरिक दोषों से मुक्त होना चाहिए जिससे कि बोई के कर्मघारी के इत्प में उसके कर्तव्यों के निवेहन

में रूकावट संभाष्य हो। यदि कोई म्रभ्यर्यी ऐसी किसी स्वास्थ्य परीक्षा के पक्ष्याल् जो ग्रध्यक्ष विनिर्विष्ट करे, ग्रमुपयुक्त पाया जाता है तो उसे नियुक्त नहीं किया जायगा।

16. सेवा चयन समिति:—(1) जैसा कि उप-विनियम (2) में उहिल-खित किया गया है, प्रत्येक प्रवर्ग के पदों के लिये एक सेवा चयन समिति होगी भ्रीर ऐसी समिति का यह मुख्य कृत्य होगा कि वह सीधे भर्ती द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्तियां करने के लिए भ्रभ्यियियों का चयन करने के विषय में नियुक्ति प्राधिकारी की मलाह दे और उसकी सहायता करें।

- (2) उप-विनियम (1) में विनिधिष्ट पदों के प्रवर्ग झौर उनके लिये सेवा चयन ममिति निम्निखित होगी, धर्षात्:—
 - (क) वर्ग I ग्रीर वर्ग II पदों के लिए:

ब्राध्यक्षः ब्राध्यक्ष, या उपाध्यक्ष, यदि कोई नियुक्त किया गया है, जैसा ग्रध्यक्ष विनिश्चित करे।

सदस्य : (i) उस विभाग का प्रधान जिस में रिकित निश्चमान है ;

- (ii) सचिव;
- (iii) उस विभाग के प्रधान के जिसमें कि रिक्ति विद्यमान है परामर्श से ग्रध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्टि किसी ग्रन्य विभाग का प्रधान या कोई ज्येष्ठ ग्रधिकारी; और
- (iv) यदि प्रध्यक्ष ऐसा निवंश वे तो, नूतीकोरिन पर्यन न्यास का बाहर का कोई एक व्यक्ति जिसकी, प्रध्यक्ष की राग में, उपयुक्त वृक्तिक या तकनीकी पृष्ठ भूमि है श्रीर जिसे उस क्षेत्र में ग्रमुभव प्राप्त है, जिसके लिए चयन किया जाना है।
 - (सा) बर्ग III भीर अर्ग IV पद :

प्रध्यक्ष: उस विभाग का प्रधान जिसमें रिक्ति विश्वमान है, -सदस्य: (i) सचिव;

- (ii) विभागों के प्रधान के उप प्रधिकारी की पंक्ति से ग्रन्यून पंक्ति का कोई ग्रिधिकारी। इसका नाम निर्वेशन ग्रष्ट्यक्ष उस विभाग के प्रधान के परामर्श से करेगा जिसमें कि रिक्ति विध्यमान है; ग्रीर
- (iii) यदि श्रष्टपक्ष ऐसा निदेण दे तो, तृतीकोरिन पत्तन न्यास के बाहर का कोई एक व्यक्ति जिसकी, श्रध्यक्ष की राय में, उपयुक्त वृत्तिक या तकनीकी पृष्टभूमि है श्रीर जिसे उस क्षेत्र में श्रतुभव प्राप्त है, जिसके लिये चयन किया जाना है।

टिप्पण: यदि किसी एक ही चयन के द्वारा एक से प्रधिक विभाग में हुई रिक्तियों के लिये भर्ती की जानी है हो समिति के गठन की बाबत विनिश्चय प्रध्यक्ष, समय-समय, पर करेगा।

- (3) इस बिनियम में किसी बास के होते हुए भी, सीधी भर्ती द्वारा बिभिन्न पवों पर नियुक्ति के लिए प्रश्यियों का खयन करने से संबंधित बिखयों में नियुक्ति प्राधिकारी को सलाह वेने भीर उसकी सहायता करने के लिये प्रध्यक्ष किसी परामशंवाता को या परामशंवाता-फर्न को नियोजिल कर सकेगा।
- 17. सीधी भर्ती की रीति :---सीधी भर्ती द्वारा सभी नियुक्तियां, नियुक्ति प्राक्षिकारी द्वारा, यथास्थिति, संबंधित सेवा चयन समिति, परामर्शदासा या किसी परामर्शदाना की सिफारिश पर की जायेंगी:

परन्तु ग्राध्यक्ष को ऐसे कारणों से जो लेखवड़ किए जाएंगे, यह हक होगा कि वह किसी विशिष्ट मामले में ऐसी सिफारिश स्वीकार न करे:

परन्तु यह भी कि यदि नियुक्ति प्राधिकारी अध्यक्ष का अधीनस्थ प्राधिकारी है और किसी मामले में वह प्राधिकारी ऐसी सिफारिश से असहमत है तरे वह ऐसी असहमति के लिये कारण अभिलिखित करेगा और मामला अध्यक्ष को अस्तित करेगा और अध्यक्ष ऐसा मामला विनिश्चित करेगा।

परन्तु यह और कि पूर्णतः श्रस्थायी प्रकृति की रिक्तियों भीर छुट्टी-रिक्तियों के मामले में यदि विनियम 24 में निर्विब्द प्रताक्षा सूची में मिमलित किये जाने के लिये संबंधित सेवा चयन मिनित, परामगैदाता या परामगैदाता कम द्वारा मिकारिश किया गया कोई व्यक्ति उपलब्ध नहीं है तो श्रध्यक्ष अपने विवेकानुसार निम्नलिखित गर्ती के अधीन रहते हुए ऐसी रिक्तियों में उपयुक्त व्यक्तियों का ग्रधिक से अधिक छह् मास की श्रथि के लिये नियुक्त कर मकेगा, ग्रथीन :--

- (i) ऐसा प्रथ्यर्थी जिसने छह मास की सेवा पूरी कर ली हैं, पुनः नियुक्त नहीं किया जायेगा या सेवा में नहीं बना रहेगा, जब तक कि उसका चयन यथास्थिति, संबंधित सेवा चयन समिति, परामर्गवाता या परमार्गवाना फर्म द्वारा कर नहीं लिया जाता, और
- (ii) पूर्णतः सस्यायी आधार पर नियुक्त व्यक्ति की स्वायें, यक्षास्थिति, संबंधित सेवा चयत समिति, परामर्णवाता या परामर्णवाता कर्म ग्रारा चयन किये गये अध्यर्थी के उपलब्ध होते हो समाप्त कर दी जाती हैं:

परन्तु यह भी कि तुरन्त भावश्यकता के मामंत्र में और जब प्रतीक्षा मूची समाप्त हो चुकी हो, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, यंबास्थिति, उपयुक्त सेवा चयन समिति, परामर्णवाता या परामर्णवाता फर्म द्वार। चयन होने तक के लिये, पूर्णतः अस्थायी आधार पर नियक्ति कर सकेया ।

18. कुछ मामलों में पदों का विकापित किया जाना :——यदि ऐसा प्रतीत होता है कि स्थाननीय रोजगार कार्यालय उपयुक्त ग्रध्यियों के नाम की सिफारिश करने की स्थित में नहीं है तो सीधा भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद विकापित किये जायेंगे।

टिप्पण:---- प्रक्षिसूचनाओं और विज्ञापनों की प्रनियां उसी समय निम्त-सिखिस की मेजी जावेंगी:----(1) महानिदेशक, नियोजन तथा प्रक्षिक्षण, भूतपूर्व सैनिक सैल, नई विस्ती-1; और

- (2) सेवाओं में विशेष प्रतिनिधित्व के संबंध में केन्द्रीय सरकार, द्वारा जारी किये गये घादेशों के प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा यथास्थिति, धनुसूचित जातियो और धनुसूचित जनजानियों के प्रतिनिधि के रूप में मान्यताप्राप्त संस्थायें घादि।
- 19. कुछ मामलों में उज्बतर प्रारम्भिक बेतन प्रतुष्ट करना या शारीतिक दोप की बाबत छूट देना :—यथास्थिति, सेवा चयत समिति, परामशंदाता या परामशंदाता कर्म, नियुक्ति के लिये प्रभ्यर्थी की बाबत सिफारिश करने के साथ ही उपयुक्त मामलों में, यह निकारिश कर सकेगी कि ऐसे अभ्यर्थी को कोई उच्चतर प्रारम्भिक बेतन अनुदक्त किया आये या उसके शारीरिक दोष की बाबत छूट दी आये।
- 20. समर्थन के लिये संयाचना से निरहेता :— यांद कोई व्यक्ति बोर्ड की सेवा में नियुक्ति के लिये प्रपने प्रावेशन के संबंध में मा किसी उज्जातर पद पर प्रोन्नति के लिये किसी भी रीति में ममर्थन प्राप्त करने के लिये प्रत्यक्षत. या प्रप्रत्यक्षत. स्वयं या प्रपनं संबंधियों या मिल्लों द्वारा संयाजना करने या कराने का प्रयास करेगा तो वह ऐसी नियुक्ति या प्रोन्नति के लिये निरहित हो आयेगा।
- 21. तस्यों को वजाना: यदि किभी प्रध्यर्थी के बारे में यह पाया जाता है कि उसने जानबूम कर ऐसी कोई विणिष्टियां प्रस्तृत की हैं जो मिष्या हैं या ऐसी प्रकृति की कोई जास्विक जानकारी क्रिपाई है जो यदि मालूम हो जाती तो साधारणतया उसे बोर्ड की सेवा में नियुक्ति पाने से त्रिवर्णित कर देती, तो वह निर्दाल होने और यदि नियुक्त कर दिया गया है तो सेवा से पषच्युन किए जाने के लिये वायी होगा।
- 22. सीधी भर्ती के लिये विद्यमान कर्मचारियों का पालता:——अब सीधी भर्ती द्वारा भरें जाने वाले पत्र विज्ञापित किये जाते हैं तो पहले से ही सेवारत कर्मचारी भी भावेदन कर सकते हैं, परन्तु यह तब जब उनके पास विहित महैतायें और मनुभव हों।

23. कुछ मामलों में लिखित और प्रायोगिक परीक्षण लेता:—-वर्ग I पदों के मामले में प्रध्यक्ष और अन्य पदों के मामले में प्रध्यक्ष या यदि नियुक्त किया गया है तो उपाध्यक्ष यह विनिश्चित कर मकेगा कि कोई लिखित या प्रायोगिक परीक्षा या दोनों ली जानी चाहियें या नहीं । वह उस प्रधिकारी को नामित करेगा, जो उक्त परीक्षा लेगा तथा ऐसी परीक्षा भी रीति तथा कर्सबंबी अन्य ब्योरे भी अधिकथित करेगा।

24 निपुष्ति के लिये प्रनुमंदिन प्रध्यिषयों की मूची :—सेवा भयन समिति, परामर्णवाता या परामर्णवाता फर्म योग्यनाक्रम में, जो उसने सय किया हो, उन चयन किये गये प्रध्यियों के नामों की सिफारिश कर होकेगी, जिन्हें सीधी भर्ती के लिये प्रारक्षित पदों पर नियुष्ति के लिये प्रतिक्षा सूची में रखा आयेगा। ऐसी मूची उस तारीख से बारह मास की भवधि के लिये विधिमान्य समझी जायेगी जिसको ऐसी सूची को प्रक्तिम रूप विया जाता है। प्रतीक्षा मूची में के प्रभ्याययों में से ऐसे ग्रध्याययों को जिन्हें कियी प्रस्थापना की जानी संभाव्य है, यह सूचित किया जा सकता है कि उनका नाम ऐसी रिक्तियों के संबंध में जिनका किया जा सकता है कि उनका नाम ऐसी रिक्तियों के संबंध में जिनका किया जा सकता है कि उनका नाम ऐसी रिक्तियों के तिथे प्रतीक्षा सूची में रखा गया है।

25. नियुक्ति प्रावेश रह करना :—यदि कोई प्रध्यवीं, जिसका चयन सीधी भर्ती के लिये रखे गये पद के लिये किया गया है, नियुक्ति ग्रावेश में उल्लिखित नारीख के भीतर और यिष ऐसी कोई नारीख उल्लिखित नहीं की एसे नियुक्ति प्रावेश के जारी किये जाने की नारीख से 30 दिन के भीतर, अथवा ऐसी किसी बढ़ाई गई प्रविध के भीतर, जो प्रध्यक्ष नियन करे, पद्यहण भारने में प्रसक्त होता है तो यह समझा जायेगा कि नियुक्ति-प्रावेश रह कर दिया गया है ।

26. माक्षारकार के लिए उपस्थित होने के लिए यात्रा-भसे का मंदाय:-सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पदों के मामले में, ऐसी सभी यात्रामों का, जो म्राप्यर्थी (जिसकें मन्तर्गन ऐसा व्यक्ति भी हैं जो पहले से ही बोर्ड की सेवा में हैं) को लिखित या प्रायोगिक परीक्षा या माक्षारकार के प्रयोजन के लिए करनी पड़े, खर्च स्वयं उसे उठाना होगा। किन्तु लिखित या प्रायोगिक परीक्षा या साक्षारकार के लिए बुलाए गए अनुसूचिन जाति मौर मनुसूचित जनजाति के म्राप्यर्थियों को, इस निमित्त समय-समय पर बोर्ड द्वारा जारी किए गए भावेगों के मनुसार, यात्रा भता दिया जा सकेगा।

27. ऐसे कर्मचारियों के, जिनकी मृस्यु हो गई है, निकट नानेवारों का नियोजनः—-इन विनियमों में किसी बात के होते हुए भी, प्रध्यक्ष या यदि नियुक्त किया गया है तो उपाध्यक्ष, इन विनियमों में भर्ती के लिए विहिन की गई प्रक्रिया को स्थाग कर बोई के कर्मचारी के, जिसकी मृस्यु सेवा में होते हुए हो जाती है, धर्मज पुत्र या पुत्री या किसी ध्रति निकट नातेदार प्रथवा ऐसे कर्मचारी की/के उत्तरजीवी पति/पत्नी को नियुक्त कर सकेगा किन्तु यह तब जब इस प्रकार नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति के पाम विहित ग्रहेताएं श्रीर मनुभव हो तथा वह ग्रन्थया उपयुक्त पाया आए।

टिप्पण:—इस विनियम के ब्रधीन प्रकित का प्रयोग करते समय, नियुक्ति की सामान्य प्रक्रिया से विज्ञान के कारणों का लेखबद्ध किया जाएगा । इस सम्बन्ध का उद्देण्य दीनहीन परिस्थितियों में कुटुम्ब को सहायता करना है।

28. ग्रंगकालिक नियुक्ति.— ग्राध्यक्ष, किसी व्यक्ति या व्यक्तियों का ऐसी किसी विनिर्विष्ट प्रविध के लिए, जो एक बार में 2 वर्ष से ग्रधिक की नहीं होगी, तथा ऐसे ग्रन्य निबन्धनों पर नियुक्त कर सकेगा जो वह समय-समय पर विनिर्विष्ट करे।

29. विभागीय प्रोन्नति समिति:——(1) बोर्ड के विभिन्न गूनिटों के लिए प्रत्येक प्रवर्ग के पदों की बाबन, उप विनियम (2) में उल्लिखित

रूप में, एक विभागीय प्रोन्नति समिति होगी। ऐसी समिति का मुख्य कृत्य, इन विनियसों के प्रतुसार प्रोन्नति द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्ति करते के लिए लिए प्रस्याययों का चयन करते संबन्धी विषयों में, नियुक्ति-प्राधिकारी को सलाह देना धीर उसकी सहायना करना है।

- (2) पद प्रवर्ग भौर उनके लिए उप विनियम (1) में निर्दिष्ट विभागीय प्रोक्षित समितियों का गठन निस्तलिखित रूप में होंगा, प्रथित्:-
 - (क) वर्ग I ग्रीर वर्ग II पदों के लिए
 - (i) भव्यक्ष ;
 - (ii) उपाष्ट्रयक्ष, यदि नियुक्त किया गया है ;
 - (iii) मचिव या वित्त मलाह्कार मधा मुख्य लेखा प्रश्निकारी (मी० ए.०भ्रो०), जिसे प्रध्यक्ष किसी विनिर्विष्ट प्रवधि के लिए नाम निविष्ट करें;
 - (iv) उस विभाग का प्रधान, जिसमें रिक्ति विश्वमान है।

टिप्पण:—-प्राध्यक्ष, या उसकी धनुपस्थित में, उपाध्यक्ष यदि कोई नियुक्ति किया गया है, इस समिति के प्रधिवेशनों की घष्ट्यक्षता करेगा। यदि प्रपरिहार्य कारणों से, यथास्थिति, सिवव या विक्ष सलाहकार तथा मुख्य लेखा प्रधिकारी धिवेषेशन में उपस्थित होने में श्रसमर्थ है तो उनके संबन्धित विभाग को कोई ज्येष्ठ श्रधिकारी, घष्ट्यभा या उपाध्यक्ष के पूर्व अनुमोदन से, उसमें उपस्थित हो सकता है।

- (खा) वर्ग III श्रीर वर्ग IV पर्दाके लिए:---
- (i) उस विभाग का प्रधान जिसमें रिक्ति विद्यमान है;
- (ii) सचिव ; और
- (iii) दो ग्रधिकारी जो विभाग के प्रधान के उप श्रधिकारी की पंक्ति से नीचे के न हों, जिनका नामनिर्विष्ट श्रध्यक्ष किसी विनिर्विष्ट ग्रविध के लिए करेगा ;

परन्तु यदि एक ही चयन के ग्राधार पर एक से ग्रधिक विभागों में रिक्सियों पर प्रोप्नित की जानी है तो उसके लिए समिति के 'ाठन की बाबन विनिण्वय प्रष्ठयक्ष समय-समय पर करेगा ;

परन्तु यह भी कि यथासंभव संबन्धित विभाग का प्रधान और दो धन्य प्रधिकारी, जिन्हें समिति के सदस्य के रूप में नामनिद्दिष्ट किया जाएगा. व्यक्तिगत रूप से प्रधिवेशन में सम्मिलित होंगे। यदि किन्हीं ध्रपरिहार्य कारणों से वे किसी प्रधिवेशन में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकते हैं तो उनके ध्रपने-ध्रपते विभाग के ठीक ध्रगले ज्येष्ठ प्रधिकारी प्रधिवेशन में उपस्थित होंगे।

टिप्पण:---संबन्धित विभाग का प्रधान, यदि उपस्थित है तो, श्रौर उसकी धनुषस्यिति में, यिचिय समिति के प्रधिवेशनों की ग्रष्ठयक्षता करेगा।

- 30. प्राप्तितयों के लिए जयन-भेतः --- (1) यदि प्रोप्तित किसी ध्रज्यन पद पर की जानी है तो जयन के लिए साधारणनया उस कर्मजारियों पर विचार किया जाएगा जो उस काउर को, जिससे कि प्रोप्तितयां की जानी हैं, श्रेणीकरण सूची में अयेष्ठतम हैं। यदि प्रोप्तित किसी खयन पद पर की जानी है सां विद्यमान रिक्नियां की संख्या से कम से कम तीन गुले कर्मजारियों पर, किन्तु प्रधिक में प्रधिक पांच गुने कर्मजारियों पर, विचार किया जाएगा, किन्तु यह तब जब कि धावय्यक छहेनाएं ग्रीर धनुभव रखने वाले ऐसे कर्मचारी उपलब्ध हो। विभागीय प्रोप्तित समिति स्व- विवेकानुसार ग्रमाधारण परिस्थितयों के ग्रनुसार इस सीमा में परिवर्तन कर सकती है।
- (2) विभागीय प्रोप्तितियां करने के लिए निम्नलिखित सिद्धान्त श्रीर प्रक्रिया का सामान्यतः उपयोग किया जाएगा, श्रथति:---
 - (क) किसी भी कर्मभारी को किसी उच्चतर पद पर नब तक प्रोक्सत नहीं किया जाएगा जब तक उसके प्रभिक्षक से यह दिशित न हो कि उच्चतर पद के लिए उसके पास कावक्यक निश्चित

महंताएं हैं। ऐसी महंतामों के भग्तर्गत, कर्मचारी का व्यक्तिस्व, ग्रैक्षिक महंताएं, पहल, चरित्र बल भ्रौर व्यक्तिगत रूप से दायिस्व संभालने के लिए तत्परता है!

- (का) किसी अवयन पर पर प्रोप्तित के मामले में, किसी भी ऐसे कर्मचारी की, जिसके पास खण्ड (क) में निष्टि निश्चित अर्हुताएं हैं, उससे कनिष्ठ किसी कर्मचारी की तुसना में, उपेक्षा नहीं की जाएगी जब तक कि किन्हीं विशेष कारणों से, जो लेखबढ़ किए जाएंगे, ग्रद्रथक्ष अन्यथा निदिष्ट न करें!
- (ग) किसी खयम पद पर प्रोम्निं के मामले में, विभागीय प्रोम्नित समिति संबंधित कर्मचारियों की योग्यता का निर्धारण करेगी धौर उन्हें वह 'ध्रित उत्तम', 'बहुत ग्रण्छा' धौर 'ध्रष्छा' के घ्राधार पर श्रेणोकृत करेगी धौर उनकी ज्येष्ठता के कम में संबंधित चयन सूची में उनके नाम लिखेगी। 'ध्रित उत्तम' कर्मचारी चयन सूची में उन कर्मचारियों से ज्येष्ठ होंगे जो 'श्रह्ता भ्रम्लगेत धाने वाले कर्मचारी उन कर्मचारियों से ज्येष्ठ होंगे जो 'श्रष्टा' श्रेणी के ध्रन्तगेत धाने वाले कर्मचारी उन कर्मचारियों से ज्येष्ठ होंगे जो 'श्रष्टा' श्रेणी के श्रन्तगेत धाने दही प्रकार ज्येष्ठता भाकी जाएगी!
- (य) खण्ड (क) ग्रीर खण्ड (ग) में प्रधिकथित सिद्धान्तों के प्रयो-जन के लिए तुननात्मक दृष्टि से कर्मचारियों की योग्यता का निर्मारण करने में, संबंधिन कर्मचारियों की योग्यता, उत्साह, पहल, श्रखण्डता, उत्तरवामिश्व निभाने माबि को, जो किसी निश्चित भवधि (यदि सम्भव है तो शीन वर्षे से कम की प्रवधि न हो) में प्रकट हुआ है, विचार में लिया जाएगा ग्रीर यथासंभव तीन भिन्न-भिन्न वरिष्ठ ग्रधिकारियों की रिपोटों पर मानधान पूर्वक विचार करने के पश्चात निर्णय
- (क) विमानीय प्रोन्नति तमिति समय-समय पर ऐसे पदों के संबंध में जो प्रोन्नति क्वारा भरे जाने हैं, उस काडर से जिससे कि प्रोन्नतियां की जानी हैं, पान्न कर्मैचारियों की चयन सूची तैयार करेगी!
- (च) चयन सूची साधारणतया खण्ड (क), (ख), (ग) भौर (घ) के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए, तैयार की आएगी!
- (छ) भ्राकस्मिक भीर प्रप्रत्याणित रिक्तियों के लिए व्यवस्था को ग्रवान में रखते हुए, प्रत्येक जयन सूची में कर्मचारियों की संख्या सामान्यतः उन रिक्तियों की संख्या से थोड़ी मधिक होगी जिनकी भ्रेपेका भागामी बारह मास में उच्चतर पदों के लिए होनी संभाव्य है।
- 31. प्रोक्षति के कुछ मामलों में महंताएं णिथिल करना: --- यवि कोई पद प्रोक्षति छ।रा भरा जाना है तो विभागीय प्रोक्षति समिति, मध्यक्ष के भनुमोदन के प्रधीन रहते हुए, गैक्षणिक महंतामों को उस दणा में णिथिल कर सकेगी जब कि प्रतक्षत किया जाने वाला भ्रभ्यर्थी पर्याप्त मनुभव के कारण भन्यथा उपयुक्त भौर महित है।
- 32. तदथं नियुक्तियां:—प्रोन्नति द्वारा सभी नियुक्तियां नियुक्ति प्राधि-कारी द्वारा उस कम में की आएंगी जिसमें कि वे संबंधित चयन सूची में रखे गए हैं:

परन्तु प्रत्यावण्यक मामलों में तथा उस दशा में जब कि प्रोधित के लिए उपयुक्त कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं, प्रध्यक्ष या शब्यक्ष के पूर्वानुमोदन से नियुक्ति प्राधिकारी एक बार में प्रधिक से प्रधिक छह मास की प्रसिध के लिए पूर्णतः तथ्यं प्राधार पर नियुक्ति कर सकता है किन्तु ऐसी तव्यं नियुक्ति की कुल प्रविध एक वर्ष से प्रधिक की नहीं होगी।

 पर पुष्टि या प्रोद्धमति किसी महंक विभागीय परीक्षा में अल्झेणं होने के आधार पर की जाएगी । अध्यक्ष समय-समय पर ऐसी भहंक विभागीय परीक्षा के ब्यौरों को भी बिनिर्षिष्ट कर सकेगा। इन ब्यौरों के भन्तर्गत होगी, परीक्षा लेने की प्रक्रिया, परीक्षा का पाठ्यक्रम, वे भन्तराल जिनमें ऐसी परीक्षा ली जाएगी, वह मधिकसम भवधि जिसमें शब्दांबयों को ऐसी परीक्षा आवि उत्तीर्ण करनी होगी।

34. विभागीय परीक्षाओं में प्रसफल रहने के कारण प्रत्यावर्तन :—
किसी पद पर प्रोप्तत कर्मेंचारी को ऐसी प्रहंक विभागीय परीक्षा, जो
समय-समय पर प्रध्यक्ष विनिर्विष्ट करे, ग्रौर ऐसी भवधि के भीतर जो
वह विनिर्विष्ट करे, उत्तीर्ण करनी होगी भन्यया कर्मेंचारी को प्रत्यावैतित
कर दिया आएगा। जहां किसी उच्चमेर पव पर प्रोप्तति के लिए किसी
परीक्षा में उत्तीर्ण होना एक पुरोभाव्य गर्त के रूप में विनिर्विष्ट की
जाती है वहां ऐसे किसी पद पर प्रोप्तिति के लिए किसी कर्मचारी पर तब
तक विचार नहीं किया जाएगा। जब तक कि वह विहित परीक्षा उत्तीर्ण
नहीं कर लेता:

परन्तु किसी विशिष्ट मामले में, ऐसे विशेष कारणों से जो लेखनश किए जाएंगे, मध्यक्ष ऐसी किसी परीक्षा में उसीर्ण होने की शर्त शिषिल कर सकेगा।

- 35. प्रत्यायोजन: किसी भी कर्मचारी को, ऐसे निबन्धमों पर जिनके लिए ग्रध्यक्ष समय-समय पर रजामन्य हो, केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार, केसी स्थानीय प्राधिकरण, किसी कामूनी उपक्रम था कर्म्पनी ग्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) में यथा परिभाषित किसी सरकारी कम्पनी या ऐसे किसी संस्थान के, जिसे सरकार से ग्रमुवान प्राप्त होता है, नियन्त्रण के ग्रधीन, प्रतिनियुक्ति पर सेवा या ग्रन्त सेवा की भनुका वी जा सकेगी।
- 37. निरसत भौर व्यावृत्ति.— इन विमियमों के तत्स्थानी निम्निसिसित नियम जो इन विनियमों के प्रारम्भ से ठीक पूर्व प्रवर्तन में थे, निरस्त किए जाते हैं, भ्रमीत् :--
 - (1) मब तूतीकोरिन पशन (सिविल सर्जन श्रेणी का चिकित्सीय मधि-कारी) भर्ती नियम, 1976
 - (2) नव तूनीकोरिन पत्तन (वित्तीम सलाहकार तथा मुख्य लेखा प्रधिकारी, लेखा प्रधिकारी भौर प्रधीनस्थ लेखा सेवा में लेखा पाल) भर्ती नियम, 1976
 - (4) नव तूतीकरण पत्तन (मधीक्षण इंजीवियर (सिक्लि) भर्ती नियम, 1976
 - (4) धूतीकोरित बन्दरगाह परियोजना (वर्ग I भौर वर्ग II इंजीनियरी पद) भर्ती नियम, 1965
 - (5) मंगलौर मौर तूतीकोरिन बन्बरगाह परियोजना (वर्ग I भौर वर्ग II पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1974
 - (6) मंगलौर भौर सूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग I मौर वर्ग II इंजीनियरी पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1966
 - (7) नव सूतीकोरिन पत्तन (उप संरक्षक, बन्बरगाह मास्टर, पायलट ग्रीर यातायात प्रबन्धक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977
 - (8) मंगलीर भ्रौर तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग I मौर वर्ग II) भर्ती (संशोधन) नियम, 1966
 - (9) नव तूनीकोरिन पत्तन (भिन्त तथा सहयक सुरक्षा पिधकारी) भर्ती नियम, 1975
 - (10) तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग III मौर IV पद) भर्ती नियम, 1968

- (11) पुत्तीकोरिन अन्वरपाह परियोजना (वर्ग III और वर्ग IV पद) भनी (संशोधन) नियम, 1973
- (12) नव तूतीकोरिन पत्तन (प्रसूति सह्यक घौर मददगार (प्रकृशल) भर्ती नियम, 1976
- (13) मव तूतीकोरिन परान (पुस्तकालयाध्यक्ष) भर्ती नियम, 1976
- (14) नव तूतीकोरिन पत्तन (केयरटेकर-रसोइया-तथा-वेयरा) भर्ती नियम, 1977
- (15) तूतीकोरिन बन्बरगाह परियोजना (वर्ग III ग्रीर वर्ग IV पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1974
- (16) नव तृतीकोरिन पत्तन (समूह ग भौर समूह व पव स्थापन से कार्मिकों का मन्तरण) भर्ती नियम, 1977
- (17) नष सूतीकोरिन पत्तन (कनिष्ठ समुद्री सर्वेक्षक) भर्ती नियम, 1976
- (18) नव सूतीकोरिन पत्तन (कनिष्ठ समुद्री सर्वेक्षक) भर्ती नियम, 1976
- (18) सब सूतीकोरिन पत्तन (बी. एच. एफ. ग्रापरेटर) भर्ती नियम, 1977
- (19) नव तूतीकोरिन पत्तन (भग्नणी फायरमैन, फायरमैन ग्रौर पम्प ग्रापरेटर तथा मैकेनिक) भर्ती नियम, 1975
- (20) तव सूतीकोरिन पत्तन (पर्यवेक्षक, वहिरंग लिपिक, झाड़कश और संदेश वाहुक) भर्ती नियम, 1977

- (21) नव तूतीकौरित पत्तन (प्वांटसमैन) भर्ती नियम, 1978
- (22) नव तूतीकोरिन पत्तन (चालक, परियोजना बस) भर्ती नियम, 1975
- (23) नव तूतीकोरिन पत्तन (सिविल सहायक सर्जन श्रेणी का चिकि-त्सीय श्रीवकारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976
- (24) नव तूनीकोरिन पत्तन (सिविल सहायक सर्जन श्रेणी का चिकि-स्सीय भविकारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977
- (25) तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग I और वर्ग II) भर्ती (संशोधन) नियम, 1973
- (26) तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग I और वर्ग II) भर्ती (संशोधन) नियम, 1974
- (27) तूतीकौरिन बन्बरगाह परियोजना (वर्ग I और वर्ग II) भर्ती (संशोधन) नियम, 1975
- (28) तूतीकोरिन बन्करगाह परियोजना (वर्गं III धौर वर्गं IV) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971
- (29) तूतीकोरिन बन्दरनाह परियोजना (वर्ग III ग्रौर वर्ग IV) भर्ती (संशोधन) नियम 1974
- (30) तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग III ग्रौर वर्ग IV) भर (संशोधन) नियम, 1975
- (31) नव तूतीकोरिन पत्तन (लागत लेखा श्रधिकारी श्रौर लाग लेखापाल) भर्ती नियम, 1978 ।

			मनुसूची				
हम पदकानाम सं०	संख्या		वर्गीकरण	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ग्रायु-सीमा		सीधीं भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति के लिए गैक्षिक भ्रीर भ्रय्य श्र र्त् साएं	
1 2	3	4.	5	6		7	
1. सहायक सजिव		t0-35-880-)-1040 ४०	वर्ग 🛚	30 वर्ष	्रश्रम स् कोत्तः	ांप्राप्त विश <mark>्वविद्</mark> या	
सीत्रे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के निर्विहित प्रायुपीर शैक्षिक प्रहेंताएं प्रोप्ति की दणा में गौर किसी पत्य विभाग में कोई सद्गापव धारण करने बाले व्यक्तियों तथा प्रतिनियुक्त व्यक्तियों की दणा में लागू होंगी या महीं	भर्ती की पद्धति—प्रोप्तित द्वारा, स्थानान्तरण द्वारा, प्रतिनिथुक्ति द्वारा या नोधी भर्ती द्वारा की जाएगी मीर भर्ती की पिभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	चयन पव है या ध्रचयन पद (केवल प्रोप्ति के लिए)	प्रोमित या स्थानान्तरः वशा में वे प्रवर्गं जिनस् या स्थानास्तरण किया	प्रोग्नति	परिवीक्षा की विहित ग्रवधि	टिप्पण	
8	9	10	11		12	13	
भहेताएं : नहीं भ्रायु : नहीं	प्रोक्षति द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा भीर दोनों के न हो सकने पर सीधी भती द्वारा	चयन	प्रोप्तिः श्रष्ठीक्षक जिन्होंने पर में पांच वर्ष क्षेत्रा व स्थानान्तरणः केन्द्रीय सरकार के महापरानीं के स्र	त्रलीहै। विभागों या	2 वर्ष	কুন্ত নদুটি	

या विनियमों द्वारा भ्रपेक्षित हो, भ्रष्या, यदि उसने उस वेश्र में—कोई व्यावहारिक प्रशिक्षण नहीं लिया है तो, जब तक वि उसने ऐसा व्यावहारिक प्रशिक्षण न लिया हो जो विहित किय

जाए।

. 8	9	10	1 1		1 2	13
नागू मंहीं होना	सीधी भर्ती बारा जिसके न हो सकते पर स्थानान्तरण द्वारा या प्रतिनिधुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	नागृनहीं होता ा	कार के वि सब् <i>ग पदों</i> को उपसूक्त ग्रक्षिय	केन्द्रीय / राज्य सर- भागों के प्रधीन धारण करने वाले कारी । (प्रतिनियुक्ति साधारणसया तीन	2 बर्ष	 कुछ नर्हा
1 2	3		5	6	7	
3. लेखा मधिकारी	1 840-40	——————————————————————————————————	वर्ग II	लागू नहीं हो ला	लागू महीं होता	
4. कृतिष्ठ लेखा श्र	बेकारी 7 500-2-	0-700-द० रोऽ- 900 र०	षर्ग II	लागू न ही हो ता	नाग नहीं होत	<u> </u>
· 						
8	9	10		11	12	13
पायू नही होना	प्रोत्तिति द्वारा जिसके न ही सकने पर प्रतिनिद्विक्त पर स्थानाः- नरण द्वारा ।	च्चा न	जिल्होंने उस प्राधार पर वि पांच वर्ष सेव प्रतिनियुक्ति पर र किसी भी भारपद में (प्रणीत, भ लेखा जिभाग, विभाग; भा तार लेखा व प्रीर भारतीय विभाग) या में लेखाँ घी परीक्षा प्रधिक कारी जिल्हों प्रतिकारी १०० ६०) में पांच वर्ष (प्रतिनियुक्ति	क लेखा प्रक्षिकारी कि पर नहीं हैं) श्रेणी में नियमिन नियुक्ति के पश्चान त कर सी है। बानान्तरण नाप्राप्त लेखा विभाग तप्रतीय लेखा परीक्षा स्भाग, भारतीय रक्षा स्भाग, भारतीय रक्षा स्भाग विक्त विभाग तिया विक्त विभाग महापक्तम न्यामों धिकारी या लेखा तरीया ऐसे प्रधि-	2 বর্ণ	कुछ ्मही
जागू नहीं हो ता	प्रांश्वति द्वारा जिसके न ही सकने पर स्वानास्त्ररण द्वारा या प्रतिनियुक्ति पर स्वानास्त्ररण द्वारा ।	लागू मही होता	टेलीफोन द्याप उच्च श्रेणी लिपिक, ग्रधी किसी एक या में मिलाकर प वर्ष नियमित	रस्म श्रेणी लिणिक/ रेटर तथा लिणिक, लिपिक, प्रधान अक, जिन्होंने उक्त ग्रिधिक श्रेणियों कम से कम छह सेना कर सी हैं ारा ली जानेबोला	2 बर्ग	कुछ नहीं

1014	THE GAZETTE OF INDI	A : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
8 9	10	11 विभागीय परीक्षा (दी भागों मे) उनीर्णकरली है। स्थानास्तरण या प्रतिनियृक्ति पर स्थानास्तरण —	12 . 13
		किसी भी संगठित लेखा विभाग से (प्रयति, भारतीय लेखा परीक्षा ग्रीर लेखा विभाग, भारतीय रेल लेखा विभाग, भारतीय डाक ग्रीर तार लेखा तथा विन विभाग ग्रीर भारतीय सिवल लेखा विभाग) या सहापत्तन स्यास से ग्रधीनस्थ लेखा सेथा के लेखाना गरिक के श्रधिकारी	
		(प्रतिनियुक्ति की स्रविधि साधा- रणतया तीन वर्ष में स्रधिक	
		नहीं होगी। 	
1 2 	3 4		
	4 (I- 1 2 ii (i) 有 s		 भारतीय चार्टर्ड एकाउटेर संस्थान की परिषद् द्वार रखे जाने बाले सदस्य-रजिस्टा में वर्ज किए जाने के लिए सारयताप्राप्त लेखा-कर्म ग्रहं ताए या इस्टीट्यूट प्राफ्कास एण्ड वर्क्स एकाउटेट, लंदर की घरिनस परीक्षा, या भारतीय लागन तथा संकर्म लेखापान सरथान, कलकत्ता की घरिनय परीक्षा।
			(2) लगभग 3 वर्ष का व्याप्तहा रिक श्रनुभव, लागत लेखा में ग्रनुभव को श्रधिमान दिया जाएगा । उक्त तीन वर्षी व
			सं वो अर्थ किसी दायित्बपूष हैिन्यत ^म सं कार्य करने काय संबंधित दृष्टि में कार्य करने का सनुभव होता चाहिए
			वास्तर्ग≀य ः
			(1) किसी मान्यताप्राप्त विण्व विद्यालय सेवाणिज्य में उपारि या समनुत्या।
			(2) किसी चार्टर्ड एकाउटेंट फर में या मुक्कियान कारबार्ट गृष्ट में या गुरुकार के प्रधीत किसी दायिरबपूर्ण हैसियन व कार्य करने का लगभग पां

वर्ष का प्रमुक्षय इसके प्रत्त-र्गत विक्षिय कार्य करने का प्रमुक्षय भी हैं।

उक्त श्रेणी से ठीक निचली श्रेणी के पद पर पांच वर्ष सेवा कर ती है (प्रतिनियुक्ति की भ्रवधि साधारणतमा तीन वर्ष से प्रधिक नहीं होगी)।

9

10

1.1

12

2 यर्ष

13

कुछ नहीरः

नहीं

प्रोक्षति द्वारा जिसके न हा सक्ते च पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-न्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा प्रोप्तनि :

तकभीकी सहायक (सिविल) (सीधी भर्ती द्वारा), जिसने उस श्रेणी में दो वर्ष सेवा कर ली है, कनिष्ट इंजीनियर (सिधिल) (उपाधि-धारक) जिसने उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा कर ली है, कनिष्ठ इंजीनियर (सिबिल) तका नक्यानवीस,श्रेणीः [(सिविल) (डिप्लोमाधारक) जिसने उस श्रेणी में पाच वर्ष सेवा कर ली है धीर प्रधान नक्यानबीस (सिबिल) (ऐसे डिप्लोमाधारक जो नक्शामबीस श्रेणी I (सिबिल) भौर प्रधान नक्शानकीस (सि-विल) पद पर कुल मिलाकर '(पौच वर्ष सेवा कर चुके है)। नक्ष्णानवीस श्रेणी I/प्रधान नक्शा-नकीस की कम में कम एक वर्ष का फील्ड भनुभव बोना चाहिए ।

टिप्पण

प्रोक्षत तकनीकी सहायकों के सामले में, तकनीकी सहायक भीर कतिष्ट इंजीनियर की श्रेणि,यों में की गई कुल सेवा तीन वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए;

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरणः

ऐसे उपयुक्त प्रश्निकारी जो महापक्तम न्यासों या केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों में समतुख्य पद धारण किए हुए है। (प्रति-नियुक्ति की स्रविध साधारणद्वया तीन वर्ष से स्रक्षिक नहीं होगी)।

1018	THE UAL	ETTE OF MAD		TORDITART	[PART II—GEC, 5(I)]
1 2	3	4	5	6	7
10. तकमीकी सहायः (सिविल))- 25- 750-द० रोज- 3)- 900 इ ०	वर्ग 11	30 वर्ष	भावस्थक :
11. द्रेय गोतासोर		1≻30-740-35-810- 35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 ह०	σή Ι Ι	3 ३ त र्ष	 शावण्यक : (i) किमी मान्यनाप्राप्त विण्व- विद्यालय में इजीनियरी की निर्माणात्रा में उपाधि या डिप्लोमाया समनुल्य। (ii) गहरे मनुद्र में गोला लगाने संबंधी उपस्कर के प्रयोग में पर्याप्त प्रशिक्षण ग्रीर श्रनुष्य।
8	 _ 9	10	 1 1		12 13
भ्रायु : सुरी भ्रष्टनाए : हां	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति (पर स्थान स्तरण द्वारा और दोनों के न सकते पर सीधी भर्ती द्वारा	t -	पत्तन में उस सेवा कर ती प्रतिनियुक्ति पर ऐसे व्यक्ति जिन के लिए विशि जो केन्द्रीय कार के वि त्यामों में स या उससे कार्य कर रहे	्रिसिवल), जिसने ते श्रेणी में वो वर्ष हैं। हें । स्थानान्तरण: के पास सीधी भर्ती हैंन श्रहेताएं हैं तथा सरकार/राज्य सर-भागों में या पश्चन मान या समतुष्य निचली श्रेणी में हैं (प्रतिसियुक्ति की ारणतया तीम वर्ष	2 वर्ष कुछ नहीं
भ्रायु : नहीं भ्रहेता√ : हां	प्रोज्जित हारा जिसके न हो सकते पर प्रितिनियुक्ति पर स्थानार तरण द्वारा ग्रीर दोनों के न सकने पर सीद्ये भर्ती हारा		वर्ष सेवा व डिप्लोमा धा में उस श्रेणी कर चुका हो समृद्र में में कार्य का हों। प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय/राज्य सक् श्रीर महापक्त पद धारण क मा ऐसे अमणः 550 425-700 कांन पदों द भाठ वर्ष सेव जिनके पास	र, उपाधि धारक में उस श्रेणी में तीन र चुका हो श्रीर रक होने की दणा में पांच बंद मेंबा श्रीर जिसे गहरे तिता लगाने संबंधी व्यावहारिक ज्ञान स्यानान्तरण: रकार के विभागों नों के प्रधीन सद्दण रके बलेनमान र प्रमण: तीन या ा कर ली है श्रीर उपर उस्लिखित । (प्रांतिनियुक्ति की । । वर्ष	2 वर्ष कुछ नहीं

1 2	3		4	5	6		7
12. समुद्री इंजीनियर	1	1200-5	0-1500-60-	वर्ग 1	45 वर्ष	श्रीचस्यक :	
•		18	300 €o ³			(<u>2</u>)	प्रथम श्रेणी इंजीनियर के रूप में, एम०ओं०टी० द्वारा जारी किया गया क्षमता प्रमाणपन्न (जिस पर बाप्प और द्वीजल मेनों के लिए पुर्धांकत है) प्लक्षमान यानों के अनुरक्षण और उनकी सरम्भत का चाहे वे जल पर हो या नट पर, अनुभव।
13. सह।यक इंजीनिः (समुद्री)	प्र		0-7·10-35-8៩0- የ»-40-960 ቸል	वग 2	६० वर्ष	(2)	•
ा कार्यपास्यक्षा डंजी (यांक्रिका)	मियः र	1 1100	50-1600 To	वर्ग।	40 वर्ष	ि उ (2) श (ख)(या (2) सर्म	••
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			1.0				
8 मायुः नही भहताणः हो	9 मीघ्री भर्ती द्वाराजि यर प्रतिनियुद्धि न्त्रण द्वारा		1 0 लाग् मही होता	कारी जो उससे के पदो पर प चुके हैं। (प्रति	- माःभग्ण :	12 2 वर्ष	13
श्राय्ः नहीं श्रष्टेंताएः हा	प्रीप्तानि द्वारा जिसके न हो सकने चयन पर सीधी भर्ती द्वारा		प्राप्ति : ठीक निचली श्रेणी के कर्मचारी जो प्लबधान यानों मे या समुद्री कर्म- शाला में कार्य करते है और जिनके, पास सीधी भर्ती के लिए विहित भर्तुनाएं है।		2 वर्ष	कुछ नहीं	
ष्मायुः नहीं षष्टेनाएं : हा	रण द्वारा और	केन हो सकते तपरस्थानान्त- त्योनों केन हो धीभर्लीक्वारा.	∶चयम	पांच वर्ष का ब प्रतिनियुक्ति पर र महापत्तन त्यासी य विभागों के ग्रध करने वाले अधि कारी जो उससे के पद पर कम रे कर चुके हैं।	व पर कार्य करने का प्रतुभव हैं। श्यानान्त्ररण . या केन्द्रीय सरकार के गिन मदुण पद धारण स्कारी या ऐसे ब्रधि- । ठीक निचली श्रेणी के कम पाच वर्ष सेवा	2 वर्ष	कुर्छ _् नही

1 2	3	4	5	~ е	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	7
15. सहायक इंजीसियः (योक्सिक)	3	650-30-740-35-810- শ্বৰ্ণাত-35-880-40- 1000-হ্ৰত্যাত-40- 1200 হ্ৰত	वर्ग 2	, 30 वर्ष		किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय में योजिक इंत्रीतिवरी में उपाधिया समतुत्य । किसी वड़ी योजिक या समृदी कर्मशाला या संगठन में दी वर्ष
						का धनुभव ।
- 8	9		11		12	13
	प्रोप्तित द्वारा जिसके न पर प्रतितियुक्ति पर रण द्वारा और दोने सकत पर सीवी भर्ती	स्थानान्त- । केन हो	दो वर्ष सेवा कर नियर (यांत्रिक जिसने उस श्रे कर ली है, (यांत्रिक) तथा (यांत्रिक) तथा (यांत्रिक) जी सक्शासवीस और प्रधान नव पद पर कुल सि कर चुके हैं)। प्रधान नक्शास्त्र एक वर्ष का प्रधान नक्शास्त्र एक वर्ष का प्रधान स्वाहिए। टिप्पण : प्रोक्तन सकसीकी सा कुल सेवा तीन कुल सेवा तीन चाहिए। प्रतिनियुक्त प्रधि न्यायो या केन्द्र विभागों में सम हुए है। (प्रति साधारणत्या र	मने उम थेशी में जी है, किल छ इंगी-) (उपिध धारक) शी में तीन वर्ष मेवा किल छ इंगीनियर वक्कानबीम, श्रेणी I बिप्लोमा धारक) में पंच वर्ष सेवा अधान नक्कानबीम (उप्लोमा धारक) श्रेणी I (यांत्रिक) शानबीस (यांत्रिक) शानबीस (यांत्रिक) शानबीस (यांत्रिक) शानबीस श्रेणी I शिम को कम में कम कील इंगा बील इंगा किल इन्युभव होना इंगा कील इंगा किल इंगा कील इंगा कील इंगा कील इंगा कील इंगा किल इंगा कील इंगा कील इंगा किल इंगा कि	2 जर्म	हुच्च नही
. •		.	नहीं होगी)। . —		.,	·
1 2	3	4	5	6		7
16. तकनीको सहायक (याम्रिक)	1	550-25-750-दे०रो०- 30-900 ठ०	बर्ग 2 •	30 वर्ष		रकः हे इंजीनियरी में बेचलर की गिधा
					वांकर क्लन	ाियः उपस्कार और यं त्र और उपकर ण
						उपस्तर अरियक जार उपकरण इ.सभिकलन का झाझोजना करने

-8 <u>4</u>	9	10	11		12	13		
ग्रायुः नही भहेँनाएं : हां	ायुः नहीं प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने चयन हैनाएं : हां पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्त- रण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा		पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्त- रण द्वारा और बोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा: ऐसे व्यक्ति जिनके पास सीधी भर्ती के लिए विहित प्रहेताएं है और जो केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार के विभागों या पत्तन न्यासों में समान या समतुत्य या ठीक निचली श्रेणी में कार्य कर रहे हैं।		पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्त- रण द्वारा और बोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा पनन में उस श्रेणी में वो वर्ष सेवा कर ली है । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा: ऐसे ध्वक्ति जिनके पास सीधी भर्ती के लिए विहित प्रहृंताएं हैं और ओ केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार के विभागों या पत्तन स्थासों में समान या सम्रतुल्य या ठीक निचली श्रेणी में कार्य कर रहे हैं। (प्रतिनियुक्ति की श्रवध साधारणतया			ক্লুন্ত নর্ৱা
1 2	3	4	4	5		7		
17. सहायक इंजीनि (विश्वृत)	गर 1 650-3 द०३ 1 <i>0</i>	0-740-35-810- रो०-35-880-40- 00-द०रो <i>०</i> -40-	वर्ग II	30 বর্থ	(1	प्यक:) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विश्वालय से वैद्युत इंजीनियरी में उपाक्षिया समतुल्य।) किसी बड़े वैद्युत स्वापन में कार्य करने का यो वर्ष का ग्रनुभव।		
1 2		· 			6	7		
नहीं	प्रोप्तित द्वारा जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थामान्त- रण द्वारा और दोनों के न हो सकते पर सीधी भर्सी द्वारा	चयन	श्रेणी 1 (वैद्युत) व नवीस (वैद्युत) की कर पांच वर्ष सेवा प्रधान नक्यानर्व (किप्लोमा धारक में पांच वर्ष सेवा मैन श्रेणी 1 प्रधा कम से कम एक वर्ष होता चाहिए । टिप्पण : प्रोन्नतों (तकनीकी सहा दंजीनियर दोनों श्रे कुल सेवा तीन वर्ष भाहिए । प्रतिनियुक्ति पर स्था महापत्तन न्यासों : मरकार के जिमा तुल्य पद धारण क	ते में दो वर्ष सेवा निष्ठ इंजीनियर धारक) जो उस सेवा कर चुके हैं, र (वैद्युत) और ते 1 (वैद्युत) जो मक्यानवीस और प्रधान नक्या- ते शिणमों में मिला- त कर चुके हैं और तेम (वैद्युत) ते जो उस श्रेणी कर चुके हैं। श्री न नक्यानवीस को भे का क्षेत्र भनुभव हित्यक) के मामले त्यक और कनिष्ठ लियों में मिलाकर से कम नहीं होंगी नान्तरण: या केन्द्रीय/राज्य गों के प्रधीन सम-	दो वर्ष	कुछ नहीं		

महापत्तन न्यासों, केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों तथा पब्लिक सेक्टर उप-कमों के भ्रधीन सवृश पद धारण करने वाले उपयुक्त भ्रधिकारी । (प्रतिनियुक्ति की भ्रविध साधारणतया सीन वर्ष से भ्रधिक नहीं क्षोगी) ।

" 1 1 " 2	3	4	5	6		7
20. सहायक सामग्री प्रबन्धक	द०र 100	0-740-35-810- ो०-35-880-40- 00-द०रो०-40- 00 द०	वर्ग2	30 वर्ष	से य उपारि 2. किसी वाधिर प्रबन्ध कांछनीय :	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय गिलका/बैद्युत इंजीनियरी में अ या समतुल्य । सुविक्यात संगठन में उत्तर- वपूर्ण हैसियस से सामग्री । का प्रनुधव ।
21. बन्दरगाह मस्टिर	1 1500-0	50-1800	चर्गे 1	45 वर्ष	मावश्यक (1) वि ² ह्मप् जो लय किं जिल हो। (2) सभी किं	: रेषगामी पोत के मास्टर के में सक्षमता का प्रमाणपक्ष नौबहुन और परिबहुन मंत्रा- या बोर्ड में ट्रेड, यूनाइटेड गडम या किसी कामनवैस्था त दारा विया गया हो भौर सके सक्षमता प्रमाणपुक्ष को मनवैस्थाने विधिमास्य माना
8	9	10	<u> </u>	11	12	13
म्रारक्षि तत्परचा न हो ए पर स्थ जिसके भर्ती द्वा		- चयन	में तीन वर्ष की से धारकों की वक्षा पांच वर्ष की सेवा प्रतिनियुक्ति पर स्था महापत्तन न्यासों, केन के विभागों या प कसों के घाधीन करने वाले उपयुक्त नियुक्ति की धर तीन वर्ष से घाधि	-1200 वं)। स्थक जो पत्तन में, विशा में उस श्रेणी वा भीर डिप्लीमा में उस श्रेणी में कर चुके हैं। नान्तरण: दीय/राज्य सरकार क्लिक सेक्टर उप- सवुण पव धारण त धिं धांशारणतया	2 वर्ष	कु ळ नहीं
पर प्र ति रण द्वार	ा जिसके न हो सकते नियुक्ति पर स्थानान्त- त झौर वोगों के न हो र सीधी भर्ती द्वारा	चयम	प्रोक्तति : पाइलेट, जो पत्तन में दें मित भाषार पर पिष्य वर्ष सेवा कर स्थानान्तरण या प्रति नान्तरण: महापत्तन न्यासों में करने वाले ग्रधिक कारी जो उससे ठें में पांच वर्ष सेवा (प्रतिनियुक्ति की तया तीन वर्ष से क्र	नेयुक्ति के पश्चात् चुके हैं। नेयुक्ति पर स्था- सदृश पद घारण ारी या ऐसे मधि- ोक निचली श्रेणी कर चुके हैं। मवधि साघारण-	2 বর্ष	कुष्ठ नही

1 2	3	4	5	6		7 +
22. पायस ट	2	1200-50-1500-60- 1800 ব ০	वर्ग 1	45 वर्ष	रू म य डा डा स वी (2) वि प्रम न	ः देणगामी पोत के मास्टर के प में सक्षमता प्रमाणपत जो तैवहन और परिवहन मैदालय ा बोर्ड ने ट्रेड, यूनाइटेड किंग- म या किसी कामनवैल्थ देश रिया गया हो और जिसके क्षमता प्रमाणपत्र को कामन- ल्य ने विधिमान्य माना हो। कसी विदेशगामी पोत प्रमुख्य किंकारों के रूप में या भारतीय क्य में तीन वर्ष का ग्रमुभव।
23. सम्द्री सर्वेक्षक	1	650-30-740-35-810- व०रो०-35-880-40- 1000-य०रो०-40- 1200 रु०	वर्ग 2.	35 वर्ष	श्रीवस्य म (1) कि स उ टी०एस ⁰ करने द्वितीय स्प स (2) भा नौ स	•
8	9	10	11		12	13
शायू नहीं होता	सीश्री भर्ती द्वारा जिसके व पर प्रतिनियुक्ति पर रण द्वारा	न हो सकने लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्य महापत्तन न्या सरकार/केन्द्रीय में सक्ष्म पद प्रधिकारी (प्रा	ानान्तरण : सों, समुद्रीय राज्य सरकार के विभागों घारण करने वासे तिनियुक्ति की धर्वाध तीन वर्ष से अधिक	2 কর্ম	कुछ नहीं
नहीं है	प्रोक्षति द्वारा जिसके क पर प्रतिनियुक्ति पर स्थ रण द्वारा ग्रीर दोकों के पर सीघी भर्ती द्वारा	ानान्त-	प्रोन्नति : सहायक समुद्री सर्वे श्रेणी में नियमि के पश्चात् पांच है । प्रतिनियुक्ति पर र महापत्तन न्यासों, के विभागों या कमों के प्रधी करने वाले (प्रतिनियुक्ति	र्में के के परान में उस त भाषार पर नियुक्ति त वर्ष सेवा कर चुका स्थानान्सरण । केन्द्रीय/राज्य सरकार । पश्लिक सेक्टर उप- ।म सदृश पर भारण उपयुक्त भाषाकारी की भवधि साधारण- से भाषाक नहीं होगी)	2 वर्ष	बुख नहीं

मी०, भार: 50 कि.ग्रा., सीना सा-घारण 81 सें० मी० फुलाकर 86 सें० मी०, वृष्टि: दोनों भाषों में प्रसामान्य वर्ण वर्शन हो भीर 40 वर्ष की घायु से भ्रीक्षक के कर्मचारि-यों को छोड़कर चस्मा पहुनना भनु-

क्रोय नहीं है।

8	9	10	11			12	
भायु : नहीं भर्देताएं : हां	प्रोन्नित द्वारा जिसके न पर प्रतिनियुक्ति पर स्तरण द्वारा ग्रौर दोन हो सकने पर सीधी भर	स्थाना- ोंकेन	प्रोक्ति: सुरक्षा निरीक्षक जो पत्तन में उस श्रेणी में 8 वर्ष सेवा कर चूके हैं भौर उप- श्रिक्षकारी जो पत्तन में उस श्रेणी में 13 वर्ष सेवा कर चुके हैं। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: महापत्तन न्यासों, केन्द्रीय/राज्य सर- कार के विभागों, पब्लिक सेक्टर उपक्रमों में सदृष पद धारण करने वाले ध्रिकारी जिनके पास स्तम्भ 7 के प्रधीन सीधी भर्ती के जिए विहित शहुंता धौर श्रनुभव है। (प्रतिनियुक्ति की प्रविध साधारणत्या तीन वर्ष से श्रिधक नहीं होगी।)			2 वर्ष कुछ नहीं	
1	2 3	4	5	6		7	
26. ड्रेजर मास्टर	1	900-40-1100-व०रो०- 40-1400 व०	वर्ग 1	40 वर्ष		धावस्यकः: एम० घो० टी० मास्टर (गृह च्या पार) प्रमाणपत्न या विदेश गामी मेट प्रमाणपत्न ।	
27. मेट (ब्रेजर)	1	650-30-740-35-810- ब॰रो०-35-880-40 1000-ब॰रो०-40- 1200 च०	वर्ग 2	4.0 বৰ্জ		भावश्यक : एम० भो० टी० मास्टर प्रमाणः पक्ष या प्रथम मेट (गृह व्यापार) प्रमाणपत्र या द्वितीय मेट (विदेश- गमी) प्रमाणपत्र ।	
28. ट्रेजिंग इंजीनियर	1	900-40-1100-व॰रो॰— •50-1400 व॰	वर्ग 1	40 বৰ্ষ		म्रावस्यक: प्रथम या द्वितीय वर्ग एम० मो० टी० धंजीनियर प्रमाणपत्न (वाष्य या वाष्य मौर बीजल)	
8	9	10	11		1 2	13	
भायुः नहीं महेताएं : हां	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो पर सीधी भर्ती द्वारा श	ासकने चयन		उस श्रेणी में नियमित पुक्ति के पश्चात पांच चुका है।	2 वर्ष	कुछ महीं	
भायुः नहीं प्रहेंसाएं : हां	प्रोग्सति द्वारा जिसके न हो पर सीधी भर्ती द्वारा	सकने चयन	के कर्मचारी जो में कार्य कर रहे	सन के समुद्री विभाग प्लवमान जलयानो हे हैं भौर जिनके पास लए जिहित झहंनाएँ	2 বর্ষ	कु ळ न ही	
मायु ः नहीं प्रहेताएं ः हां	प्रोत्ति द्वारा जिसके न हो पर सोधी भर्ती द्वारा	'सकने चयम	में नियमित ग्रा	ीनियर जो उस श्रेणी ।धार पर नियुक्ति के वर्षंसेवा कर भुका	2 वर्ष	कुछ नहीं ृ	

[भाग IIखण्ड :	B(i)]			भारत्क	ा राजपन्न ः ग्र स	ा धा रण		1027
1 2		3 4	<u> </u>	4	5	6	7	
29. सहायक ब्रेजिंग	। इंजीनियर	1		/40-35-880- 40-960 ₹°	वर्ग 2	40 मर्प	इंजीनिय	तीय वर्गएम० ग्रो० टी० र प्रमाणपत्र (बाष्प य रडीजल)
30. समुद्री फोरमैन		1 550-25-750- र ०रो०30- 900 ६०		वर्ग 2 18 से 35 वर्ष		प्रावश्यक : (i) मैद्रिकुलेशन उत्तीर्ण या समतुल्य (ii) द्वितीय मेट विवेशगामी सक्षमता प्रमाणपत्र जो एम० ग्री० टी० द्वारा धनुदत्त किया गया है या किसी गृह व्यापार पीत के मास्टर धाफ् मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र जो एम० ग्री० टी० द्वारा श्रमुदत्त किया गया है या डैक साइड पर मुख्य पेटी ग्रधि- कारी की पंक्ति से प्रस्पून पंक्ति में नौसेना में सेवा या प्रथम वर्ग मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र जो बन्दरगाह जलयान नियमों के ग्रधीन जारी किया गया है तथा किसी महा- पत्तन में किसी जलयान मैं प्रथम या द्वितीय वर्ग के रूप में पांच वर्ष का भनुभव (ऐसे ग्रभ्यथियों के मामले में साधारण शैक्षिक ग्रहेताएं शिथिल की आ सकेंगी जो वृक्तिक वृद्धि से सुग्राहित भीर श्रमुभवी हैं)।		
31. घाट ग्रधीक्षक		3		40-35-850— 00-द०रो०-40- ६०	बर्ग 2	30 वर्ष	से कला व या समनुर वौष्ठनीय : व	महापत्तन न्यास/लघुपत्तन यातुक्कृत विभाग का
8	 9	_		10		11	12	13
मायुः महीं महंताएं : हा	प्रोन्नति द्वारा जिस परसीधी मर्ती	के न हो हारा		यन	श्रोन्नति : ठीक निचली श्रेणी में पत्तन के समुद्री विभाग के कर्मजारी जो प्लवमान जलयानों में कार्य कर रहे हैं भौर जिनके पास सीधी भर्ती के लिए विहित भद्दैताएँ हैं।		2 वर्ष	कुछ न हीं
नागू नहीं होता सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो लागू नहीं होता सकने पर स्थानान्तरण या प्रतिनियृक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा		ागू नहीं हीता	स्थानान्तरण या प्रातिनयुक्ति पर स्थान नान्तरण : महापत्तन न्यासों, समुद्रीय राज्य सर- कार, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों में सब्ग पद धारण करने वाले श्रीधकारी ।		2 वर्षे	ছুন্ত নহী		

(प्रतिनियुक्ति की भविष्ठ साम्रारणतया तीन वर्ष से भिषक नहीं होगी)

बाट ग्रधीक्षक (श्रेणी 2) (बेतनमान

650-960 र०) जो पत्तन में उस

श्रेणी में नियमित बाधार पर नियु-

कित के पश्चात सीन वर्ष सेवा कर

2 वर्ष

कुछ नहीं

प्रोन्नति :

नुका है।

प्रोत्नति द्वारा जिसके न हो सकने चयन

पर स्थानान्तरण द्वारा या

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

द्वारा और दोनों के न हो सकने

परसोधी भर्ती द्वारा

8 9 10 स्थानाम्नरण या प्रतिनियुक्ति पर स्या-भाग्नरण : भारत में अधु पत्तन/ महापत्तन न्यास में सद्ग पद धारक मधिकारी दिप्पण: यदि प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए सदृष पव बारण करने वाले कोई उपगुक्त अधिकारी उपलब्स नहीं हैं जो शेष मास्टर या समनुख्य पव बारण करने वाले अधिकारियों को (बेतनमान 425-700 रू० या समतुल्य) जिन्होंने किसी भन्य महापत्तम न्यास में उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा कर ली है, प्रतिनि-युक्ति पर नियुक्त किया जा सकता ŧι (प्रतिनियुक्ति की धविध साधारणतया तीन वर्ष से श्रधिक नहीं होंगी) 3 1 5 6 7 32. बाट प्रधीक्षक श्रेणी 2 1 650-30-740-35-880-- वर्ग 2 30 वर्षे प्रावश्यकः ब०रो०-40-960 ६० किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कला/वाणिज्य/विज्ञान में उपाधि वाछमीय : महापत्तम न्यास या लघु पत्तम न्यास के यातायात विभाग का अनुभव। 38. श्रषीक्षक 2 550-20-650-25-750 वर्ग 3 लागू महीं होता लागू महीं होता ₹० 34 प्रधान लिपिक 426-15-500-व०रो०-15 वर्ग 3 लागू नहीं होता लागू महीं होता -560-20-700 To 10 8 12 13 11 प्रोन्नति : नहीं प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने 2 वर्ष कुछ नही पर सीधी भर्ती द्वारा यातायात विभाग में पर्यवेक्क (बेतन-मान 380-560 ह०) जो पत्तन में उस श्रेणी में नियमित श्राक्षार पर नियुक्ति के पश्चात पांच वर्ष सेवा कर भूके हैं। प्रोग्मति द्वारा चयन प्रोम्मति : 2 वर्ष सागु नहीं होता कुछ नहीं प्रधान सिपिक जो पत्तम में उस श्रेणी में नियमित बाधार पर नियुक्ति के पश्चात पाच वर्षे सेवाकर चुके हैं। प्रोग्नति : शागु नहीं होता प्रोग्नसि द्वारा चयन 2 वर्षे कुछ नहीं उच्च श्रेणी लिपिक जो पत्तम में उस श्रेणी में नियमित प्राधार पर नियुक्ति के पश्चास पांच धर्म सेवा

कर चुके हैं।

भारतकाराजयकः भसाक्षारण

1 5 6 7 35. उच्च क्षेणी लिपिक 330-10-380-व ० रो०-12- वर्ग 3 लागू नहीं हाँता लागू नहीं होता 500-द०रो०-15-560 **र**० , 9 10 11 12 13 मागू नहीं होता (i) 50 प्रतिमत ज्येष्टता के प्रोन्नति : 2 वर्ष कुछ नहीं पत्तन के निम्न श्रेणी लिपिक/टेलीफोन श्राधार पर प्रोस्तति द्वारा किल्तु अनुपयुक्त होने की दशा प्रचालक समा लिपिक जो पत्तन में में उन्हें नामंजूर किया जा उस श्रेणी में नियमित द्याधार पर सकता है। नियुक्ति के पश्चात पांच वर्ष सेवा (ii) 50 प्रतिगत प्रतियोगिता कर चुके हैं, यदि मामला ज्येष्ठता तथा योग्यता के भाषार पर प्रोत्मति परीक्षा द्वारा जो पत्तन के निम्न श्रेणी लिपिकों/टेलीफोन का है भीर तीन वर्ष सेवा कर चुके हैं, यदि मामला प्रतियोगिता परीका प्रचालक तथा लिपिकों के लिए सीमित होगी तथा जो ∎ारा प्रोम्नति का है।**ं** उस श्रेणी में नियमित भाषार पर नियुक्ति के पश्चात कम से कम तीन वर्ष सेवाकर चुके ₹1 1 3 2 5 36. निम्न श्रेणी लिपिक/ वर्ग 3 18 से 25 वर्ष प्रावश्यक : 120 260-6-290-₹०१ो०-6-(1) कम से कम मैद्रिकुलेशन या टेलीफोन प्रचालक तथा 326-8-390-10-400 सिपिक समतुल्य प्रहेता । (2) टंकण में गति कम से कम 30 शब्द प्रति मिनदः परन्तु यह किः (क) यदि किसी व्यक्ति के पास टॅकण में जक्त प्रह्ता नहीं है तो उसे इस शर्त के धंधीन नियुक्त किया जा सकता है कि वह अपने वेतनमान में वेतनवृद्धियां प्राप्त करने के लिए या स्थामीबत् होने के लिएं उस समय तक पाल नहीं होगा जब तक कि वह टंकण में गति 30 शस्व प्रति मिनट की प्राप्त नहीं कर लेता है; भौर (बा) किसी विकलांग व्यक्ति को, जो भन्यया कोई लिपिकीय पद धारण करने के लिए महित है किस्तु जिसमें टंकण की बाबत उक्त प्रहेता मही है, इस शर्त के प्रधीन नियुक्त किया जा सकता है कि विकलांगों के लिए विक्रेव रोज-गार कार्यालय से सम्बद्ध चिकित्सक बोर्ड भीर बंदि ऐसा कोई बोर्ड नहीं है तो पत्तन चिकित्सक मिक्रिकारी यह प्रमाणित करे कि उक्त विकलांग व्यक्ति टेकण कार्यं करने के लिए **उपगुक्त** व्यक्ति नहीं है। बांछमीय : (1) पी० बी० एक्स बोर्ड के प्रचानन में प्रक्रिक्षण/अनुभव (2) कला/विज्ञान/वाणिज्य में उपाधि

8	. 9	10	11	12	13
	(i) 90 प्रतिमत सीधी द्वारा (ii) 10प्रतिमत्त प्रोम्मति जिसके न हो सकने भर्ती द्वारा	बा रा	प्रोक्तति : निम्न श्रेणी लिपिक/टेलीफोन प्र तथा लिपिक की श्रेणी में 10 शत रिक्तिया वर्ग 4 कम् द्वारा भरी जाने के लिए क् रहेंगी किन्तु इसके लिए निम्न शतें होंगी, अर्थात :— (क) जयन ऐसी विभागीय प्र माध्यम से किया जाएगा ज के ऐसे कर्मचारियों सीमित होगी जो न्यूनतम्) प्रति- बिचारियों गरिकात लिखित रीका के गे वर्ग IV के लिए ग गैक्षिक हैं भ्रथांत	कु छ न हीं
			जो मैद्रिकुलेशन या भाईतारखते हैं।	सम तु ल्य	
			(आ) इस परीक्षा के लिए प्र धामु सीमा 40 वर्षे : (भनुभूचित जातियों क्र सूचित जनजातियों के भ के लिए 45 वर्षे) ;	होगी गैर मनु-	
			(ग) निग्रमित भाषार पर के पश्चात वर्ग IV सेव से कम तीन वर्गकी से मावस्थक ;	। में कम	
			(घ) किसी वर्ष में निस्त श्रेणी टेलीफोन प्रचालक तथा के कांधर में होने वा रिक्तियों में से 10 रिक्तियों की इस पद्ध भरा जाएगा। यकि इस रिक्तियों भरी नहीं जा स् तो उन्हें बग्नणीत नहीं जाएगा।	ेलिपिक ली कुल प्रतिमत तिबारा प्रकार सकती हैं	
1 2	3	4	5	6	7
37. ज्येष्ठ झाशुलिपि	क ्री	425-15-500-ব৹বা৹- 15-560-20-700-ব৹	वर्ग III 18	से 25 वर्ष	प्रावश्यक : (1) मैट्रिकुलेशन या समसुल्य प्राहंता (2) टंकण में गित-कम से कम 40 शब्द प्रति मिनट ; भीर
					(3) बाशुलिपि में गति—कम से कुर 120 शब्द प्रति मिनट।
					वांछभीय : किसी मान्यतामाण विश्व विद्यालय से उपाधि।
8	9	10	11	12	13
षायुः नहीं भहेताएं : हां	प्रोम्मति द्वारा जिसके न ह	सकने चयन	प्रोन्नितः भिनष्ट भागुलिपिक जो पत्तन श्रेणी में नियमित भाषारः क्षित के पश्चात पांच वर्ष	पर नियु-	कुछ नहीं

चुके हैं।

1 1 2	3	4	5		6	7
38. कनिष्ठ ग्राशुंकिपिक	1	2 330-10-380-द॰रो०-12 500-द॰रो०-15-560 द०	वर्ष III		18 से 25 पर्ष	शावण्यकः (1) मैद्रिकुलेशन या समतुल्य ग्रर्हता, (2) टंकण में गित-कम से कम 40 शान्य प्रति मिनट, शौर (3) शाशुलिपि में गित-कम से कम 80 शन्य प्रति मिनट। बांछनीयः (1) ग्राशुलिपि में गिति-100/120 शान्य प्रति मिनट। (2) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्या- लय से उपाधि।
39. परिचारिका	4	425-15-300-य०रो०-20- 640 य ०	वर्ग III		18 से 30 धर्ष तक	भाषस्यकः किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से परि- वर्षा में डिप्लोमा था प्रमाणपत्त । वांछनीयः किसी भ्रम्पताल या भौषधालय में परिचारिका के रूप में कार्य करने का भनुभथ।
40. भेषजवा	2	330-10-380-व ० रो ०-12- 500-व ० रो ०-15-560 व	वर्ग III		18 से 30 वर्ष सक	धानवपक: (1) मैदिकुनेशन यासमनुख्य। (2) पूर्णन: घहित भेवजज होना चाहिए तथा जिसके पास भेवज मधिनियम, 1948 की धारा 31(ग) या धारा 31 के धारी उर्धान रिजस्ट्रीकरण के लिए हकवार बनाने वाली भर्दताएं हैं। वालनीय: भण्डारी या नामान्य प्रकृतिका लेखा रखने जैसे कायाँ का भन्नुभव।
41. कानिष्ठ सम्राज्य्य निरीक्षक	. 5	330-10-380-व॰रो०-12: 500-व॰रो०-15-580६०		वर्गे ∏	20 से 30 वर्ष तक	मावश्यक: (1) मैट्रिकुलेशन या समतुस्य (2) किसी मान्यसामाप्त संस्था से स्वास्थ्य निरीक्षक पाठ्यकम में महेता प्राप्त । बाखनीय: केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार या स्थानीय निकाय के मधीन स्वास्थ्य। निरीक्षक के क्य में पूर्व मन्धव।

8	9	10	11	12	13
भागू नहीं होता सागू नहीं होता	सीबी भर्ती ढारा सोधी भर्ती ढारा	लागू महीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	2 বৰ্ণ 2 বৰ্ণ	कुछ नहीं कुछ नहीं
लागू नहीं होता लागू नहीं होता	मीधी भर्ती द्वारा। सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण या प्रति- नियुक्ति परस्थानान्तरण द्वारा	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नही होता स्यानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण: केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार के विभागों या स्थानीय निकायों में समान पर धारण करने वाले उप- युक्त स्थिकित। (प्रतिनियुक्ति की भ्रवधि साधारण- तथा तीन वर्ष से भ्रधिक नहीं होगी)	2 वर्ष 2 वर्ष	कुछ नहीं कुछ महीं

1032	THE	AZELIE OF INDIA	: EXTRAO.	RDINARY	[PART I	1—3EC, 3(1))
1 2	3	4	5	6	7	
 प्रयोगशाला सकतीक 	क 1	260-8-300-बर्गर-8- 340-10-380-बर्गर- 10-430 बर	कर्ग III	18 से 25 वर्ष तक	में डिप्लोमा वांछनीयः (1) किसी मान्यस	ताप्राप्त संस्था से श्रमनीकक्ष प्रशिक्षण होणा गीह्ए। गा प्राप्त संस्था से तकनीकक्ष प्रशिक्षण
43. प्रसूति सहायक	1	26-06-326-द्यं • गो०—8- 350 व •	वर्गं III	20 से 40 वर्ष तक	चारक दायी का प्रमाणप	से सहायक परि- क्य में प्रशिवनण व तथा उस क्षेत्र कम दो वर्ष का
44. पुस्तकालयाध्यकं	Ĭ	330-10-380-४० रो०-12- 500-४० रो०-15-560६०	वर्ग III	30 বৰ্ণ	(2) किसी मान विद्यालय र प्राप्त संस् विज्ञान में बांछनीय: (1) किसी मान लय से पु	यताप्राध्त विश्वविद्या स्तकालय विक्रान ने । समपुरुष ।
4.5. क्षेप्यरदेकर	I	260-6-290- य ०रो०-6- 326-8-366-य०रो०- 8-390-10-400 य ०	नर्ग III	30 वर्ष	या उसके (2) सरकार व प्रतिभिगृह होटल या के प्रतिभि कार्य करने बाइजीय: (1) तमिल, अं धारा प्रव	ा पब्लिक सेक्टर वे में या किसी ब किसी बड़े स्थाप गृधु में उस कीश का सनुभय। ग्रेजी, और हिन्दी हिंबातिलाप करने व
8	9			11	12	
सागू नहीं होता	ं' सीबी भर्ती द्वारा	्रागू न हीं होता	STATE STATE	्नहींहोता	2 वर्ष	13
लागूनहाहाता लागूनहीं होता	सीधी भर्ती द्वारा	लागू न हीं हो सा		्न हीं हो ता	2 जर्ष 2 वर्ष	कुछ नहीं कुछ नहीं
लागू नहीं होता	सीधी मर्सी द्वारा	लागू नहीं होता		्रनहीं होता	2 वर्ष	कु क महीं
सायू नहीं होता	सोधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता		ूनहीं होता	2 वर्ष	कुछ नहीं

भारतका राजपतः असाधारण

1 2	3		4	5	6		7
46. रसोषया तथा वै	रा 1		-260-6-290- रो०-6-308 च ०	वर्ग III	35 वर्ष	तथा भा वंग का हारी भो	हे रूप में कार्य करने रतीय और पापवास्य बाकाहारी और मांसा- वन प्रस्नुत करने का कम पांच वर्ष का मनु-
47 गेस्टेटनर प्रचार श्रेणी 1	गक ं 1		1-250-ब॰ रो॰-5 ० र ॰	वर्ग III	लागू नहीं होता	लागू म	हीं हीता
48. प्रधान संस्थानव	ोस सिविस 1	_	0-650-25-750 र०	वर्ग III	लागू नहीं होता	लाग् नः	र्धा होत₁
49. प्रधान नक्यानर्व			0-650-25-700 ব৹	वर्ग III	21 से 35 वर्ष	त्रावश्यकः	
(बास्तुख्डिक्पीय 		V		\\ - 2	तक	किसी मान्यताः प्रौद्योगिक वि में डिप्लोमा बाछनीय: वास्तुशिल्पीय न	बालय से बास्तुशिल्प । क्यानबीस के रूप में का कम से कम तोन
50. किनष्ट इंजीनि (सिविल/पाहि जिसके प्रकार्गत निक्स भी है)	क/वैद्युत 'दश्र ^{दे} क्ट्रा-		1 5-500-ব০ হা ০- 60-20-700 ব০	वर्ग 111	19 से 30 वर्ष तक	मावश्यक : सिविल/योजिक इंजीनियरी मयवा सि इंजैक्ट्रानिक	वैषुत् या दलैक्ट्रानिव में उपाधि यासमतुरूय विल/यांक्रिक/वैषुत् य दंजीनियरी में डिप्लोम वैका ग्रमुभव ।
8	<u></u>	9	10		11	12	. 13
लागू नहीं होता	सीधी भर्ती द्वार	प	लागू नहीं होता	लागू व	ाहीं होता	2 वर्ष	कुछ नहीं
				प्रोप्नति :			
लागूनहीं होता	प्रोन्नति हारा		प्रच यन -	उस श्रेणी में	जिसने पत्तन में नियमित ग्राधारपर नात्वो वर्ष सेवा '	2 वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं हो ता	प्रोन्निति द्वारा	1	• चयन	प्रोक्तिः तक्शामकीस अरे में उस श्रेणी पर नियुक्ति	गी I जिसने पत्तन में नियमित प्राधार के पण्चांत् कम से सेवाकर सी है।	2 वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं होता	सीधी भर्ती द्वा	रा	लागृनहीं होता	लागू नहीं होता		2 वर्ष	कुछ नहीं
भाय ः नहीं भ्रष्टुंताएं : हां	सकने पर स	तंशत राजिसके ना। विद्यो भर्तीयार्था रस्थानांतरणद्वा	ते-	जो किन्द्वीं नि मौर जिनकेया	ा के ऐसे कर्मधारी स्मतर पदों पर हैं स वे प्रहुंसाएं हैं के लिए विहिस की	2 वर्ष	कुछ नहीं
	द्वारा जिस	तिशत सीधी भ केन ही स⊅में त पर स्थानति	ार	धौर महापत्त पदों पर या कार्य करने व (प्रतिपियुक्ति	ज्यसरकारकेविभागों न न्यासौँ में सदृश समतुल्य श्रेणी में		

1 2		3		4	5		<u> </u>	7 -
त्तवस्यकः 51. नवशानवीसः श्रेप (सिबिल/बांक्रि		12		500-वं•रो•-15- 20-700 वं•	वर्ग III	18 से 30 वर्ष तक	नियरी (2) सरका निकाय संगठन में कार्य	यात्रिक वैद्युत् इंजी- में डिप्लोमा ति या धर्ज-सरकारी या किसी क्यालिप्राप्त में नक्दानबीस के रूप करने का कम से कम वैका धमुभव।
52. नक्कामनीसंश्रेषे (सिविल/योक्ति		2		380-द०रो०-15- oरो०-15-560 र	वर्गे III	18 से 30 वर्ष तक	नियरी बांछतीय: किसी सकक मिकाय प्राप्त प्रा के कप	/पांक्षिक/वैद्युत् दंशी- में लाइसेन्सिएट गरी या मर्ज्य-सरकारी मयला किसी ख्याति- इवेट संस्था में नक्यानबीस में कार्य करने का कम दो दर्व का मनुभव ।
53. नक्शामबीस श्रे (सिविस/योहि		1	340-	00-व०रो०-8- 10-380-व०रो०- 30 व०	वर्गे III	18 से 25 वर्ष तक		बिक/वैद्युत् ः इंजीनियरी स्वेष्क्रिएड
5 4. द्रैसर		1	340	300-व॰रो॰-८- -10-380-व॰रो॰- 130 र॰	वर्षे III	25 নৰ্ব	बो कुरक्षंग	या समतुल्य महैता तथा वर्षे का धनुभव और कार्यालय या सिविल/ र/वैद्युत्/नक्जानवीस से प्रणा
8 5. कैरो मुद्रक		3	225-5-20 द०रो०-6-	30-6-290- 308 ₹ ∘	वर्ग III. 	18 से 25 वर्ष सक	भाषस्यकः : मैट्रिक्नुलेशनः या तथाः	उतके समतुल्य घहुंता हरो मुद्रण का घनुभव ।
8		9			 _	11 •	12	13
महों		 द्वारा जिसके गिधी भर्ती द्वा		चयम		गि ∐ जिसने पत्तन में ७स कम से कम तीन धर्व ली है।	2 अर्घ	कुछ नहीं
नहीं.		द्वा <u>रा</u> जिसके गिधी भर्ती द्वा		चयन		णी III जिसने पत्तन में सीन वर्षसेवाकर ली	2 वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं होता	सीधी भ	तीं द्वारा	•	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		2 नर्ष	कुछ नहीं
प्रायुः नहीं धर्हताएं : हो		द्वाराजिसके गिषी भर्तीदा		भ्रज्ञयन		ापत्तन में उस श्रेणी में कम वर्षसेवाकर लीहै।	2 वर्ष	कुछ न श्री
लागू महीं होता	सीक्षीभ	र्ती द्वारा		लागू नहीं होता	लाग्	ून हीं हो सा	2 वर्ष	कुछ नहीं

2	3	4	5	. 6	7
56. ओवरसियर (सिविल)	31	330-8-370-व०रो०-10- 400-व०रो०-10-480 ६ ०	वर्ग III	18 से 25 वर्ष तक	म्रावस्यक : लाइसेन्शिएट सिविल इंजीनियरी या उसके समतुख्य । वांछनीय : सिविल संन्तिर्मीण कार्य में दो वर्ष का पूर्व मनुभव ।
57. मिस्त्री (सिबिल)	12	260 - 6-3 26-व∘रो∘- 8- 350 र ०	धर्गे III	18 से 30 वर्ष तक	प्रावश्यक: (1) मैट्रिकुलेशन या उसके समगुरुय (2) प्रीधीगिक विषयों में प्रश्वंता (प्रमाणपत्न पाठ्यकम मैं उत्तीषों) (3) संबंधित क्षेत्र में तीन वर्ष का
58. कमिष्ठे मिस्स्री (सिविल)	26	22 5-5- 260-6-290- व॰रो॰-6-308 व॰	कर्ग III	13 से 30 वर्ष नक	मानव्यक: (1) मैट्रिकुलेकन या उसके समतुक्य (2) प्रौद्योगिक विवयों में भ्रष्टता (प्रमाणपत पाट्यकम में उत्तीर्ण)।
					गो ड नीय :
					संबंधित क्षेत्र में पूर्व प्रमुखव (प्रत्यका सुप्रहित प्रध्यक्षिमों के मामले में साधारण गैक्षिक प्रमुंता विधिल की जासकती है)।

8	9	10	11	12	13
लाभू नहीं होता	स्थानाभ्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	स्थानान्तरण: पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में निर्माण निरीक्षक, श्रेणी I (वैतनमान 330-480 द०)	2 वर्ष	. कुछ महीं
घायुः न ्री क्हें ताएं हो	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रोन्तित द्वारा भीर वोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	ग्रच यं न	स्थानान्तरणः पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में मिस्त्री (श्रेणी I) (वेननमान 2'60-350 रु०)	2 वर्ष	कुछ नहीं
			प्रोन्नितः कनिष्ठ मिस्त्री (सिविल) (वैतनसान 225-308 द०) जिसने पत्तम में उत्त श्रेणी में नियमित झाधार पर निष्कित के पश्चात् तीन वर्ष सेवा कर ली हैं।		
लागू मंहीं होता	स्थानान्सरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	लागू न हीं हो ता	स्वामान्तरणः यत्तन के वर्कचार्जस्थापन में मिस्त्री श्रेणी II (बेतनमान 225-308 ६०)	2 वर्ष	ক্ষুক্ত শ র্ ট

1 2	3	4	5	6	6	f
59. শতৃষ্	8	260-6-326 -य •रो०8-3 5 0	व्य ं II I	18 से 30 वर्ष तक	गिक्ती संस्थान उस वृत्ति का भवा। किसी ख्यातिप्राप् के रूप में दस	में भारतीय प्रतेको से प्रमाणपत तथ छह औस का धमु या त संगठन में धक्षे वर्ष का धनुभव । संचालित व्यावसाय
8 0. संहाय क बढ़र्र	2	210-4-226-व०रो०-4-25 व०रो०-5-290 र ०	50 वर्ग 1111	18 से 30 वर्ष तक	सस्थान से प्रभा का तीन वर्ष या किसी क्याति	भारतीय प्रौद्योगिक णपद्म तथा उस वृत्ति का धनुभव। प्राप्त संगठन से सेंसात वर्ष क
61. र्रगसाज	3	260-6-326- খ∘ ₹1 ০- 8- 350 ৼ ৹	वर्ग III	18 से 30 वर्ष तक		क्ष्मः, तिप्राप्तः सगठन में प्रग्नाठ वर्षका समृ । समाजितः व्यवः
8	9	10			12	13
	स्थानान्तरण द्वारा जिसके सकने पर प्रोज्ञति द्वारा ह केन हो सकने पर सीर्ध	न हो भवयम गैरदोनों ोभर्ती	350 द०) प्रोमति : सहायक नद्गई (वेतन द०) जिसने र मित स्रोधार !	(बैतनमान 260- मान 210290 इस श्रेणी में निय- पर नियुक्ति के	2 वर्ष	কৃত गहीं
				वर्ष सेवा कर ली		
भ्रायुः नहीं भहंता एं ः हो	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो । पर सीधी मर्ती द्वारा	सकते भ्रचयन	है। प्रोक्ततिः मददगार (पत्तम में उस	(बक्रईगिरी) जिसने श्रेणी में नियमित नेयफ्ति के पक्ष्यात	2 वर्षे	ছুড নহী

1037

	3		4	5 5		6	
62. पाईप लाईन पि	त्रहर ∙ 2	260-6-; 350 ₹	326- व ०रो०-8- o	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष त	(1 (2 (5 8 8	प्रावस्यकः 1) 8वीं कक्षा उत्तीर्णं; 2) श्रव्छा स्वास्थ्यः 3) फिटर व्यावसाय में भारतीय रोधौर्गिकी संस्थान से प्रमाणपत्र स्था वृत्ति में छह वर्षं का प्रनृभवः या किसी ख्यासिप्राप्त संगठन में पाइप लाईन फिटर के रूप में दस वर्षं का ग्रनुभव; (4) विभाग द्वारा सचालित स्थय- साय परीक्षा उत्तीर्णः;
63. वाल्य प्रचालक	10	250-	.8-ক্ত্বীত- 4- 5-290 হৃত	दर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	धा (2) स्	वश्यकः (1)म्राठवीं कक्षा उसीर्णः; गिठित गरीर सद्या भ्रन्छा स्वास्थ्यः (3) किसी भी यांत्रिक व्यावसाय में भारतीय प्रौद्योगिकी सस्यान से प्रमाणपत्रः।
64. प्लम्बर 	2	260-6-3 350 ³	26-व०रो०-8- ६ o	वर्ग 3	18 मे 30 वर्ष लक	(वश्यक: 1) अत्रीं कक्षा उत्तीर्ण; (2) फिटर के व्यावसाय में भारतीय प्रौद्योगि की सस्थान से प्रमाण- पन्न तथा वृत्ति में चार वर्ष कर प्रमुभव। टेप्पण: भ्रन्यथा सुम्रहित भ्रभ्यथियों के मामले मे साम्रारण ग्रीक्षिक ग्रहेता शिथिल की जा सकती है।
8	9		10		11	11	13
ष्मायु ः नहीं ष्रार्हेनाएं : हो	स्थानान्तरण द्वारा जिसके सकने पर प्रोन्नति द्वा वोंनों के न ही सकरें भर्ती द्वारा	रा ग्रौर	ग्रबयन	(वेतनमान 20 प्रोन्नितः पाईपलाइन रि (वेतनमान 2 पत्तन में उस	पाईपलाईन फिटर 60−350 रू०) फेटर का मददगार 100→250 रू०) जिसने ेश्रेंणी में नियमिन तंयुक्ति के पश्चात्	2 কৰ্ম	फुछ नहीं
लागूनहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा जिस्हे रक्तने पर सीधी भर्ती	-	नागू नहीं होता	स्थानाल्तरणः पत्तन के निर्माण पन में ऐसा प्र	कार्य प्रभावित स्था- धान मजदूर जो के रूप में नियोजित	2 वर्षे	कुछ नहीं
भायुः नहीं भ्रष्ट्रेताएंःहां	स्यानास्तरण द्वारा जिसके सकने पर प्रोप्तति द्वा बोनों के हो सकने भर्ती द्वारा	ारा ग्रौ र	प्रं व यन	स्थानान्तरणः पत्तन के निर्माण पन में प्लम्बर रु०) प्रोप्ततिः प्लम्बर का मददगा 250 रु०) जि	कार्य प्रभारित स्था- र (वेतनमान 260-350 र (वेतनमान 200→ सने उस श्रेणी में र पर नियुक्ति के गच वर्ष मेवा कर	2 वर्ष	कुछ नही

	THE	GAZETTE OF IND	DIA : EXTRA	ORDINARY	[PART I	I—-SEC. 3(i)
1 2	3	4	5	. 6	7	
65. राज	3	260-6-326-वर्गे०-8- 350 र	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	प्रोधौगिकी संस् तथा वृत्ति में भव।	ास्थ्य; वसाय में भारतीः थान से प्रमाणपम्न चार वर्षका प्रन् या वर्षका धनुभव सचालित ष्यावनार
66. बिस्फोटनकर्ता	1	260-6-326-वर्गे०-8- 350 वर	वर्गे 3	18 से 30 वर्षे तक	ग्रावश्यक : (1) मैदिकुलेशन सुत्य; (2) दृत्ति में ती (3) पत्तन द्वारा साय परीक्षा बांछनीय : एम० एम० ग्रार	या उसके सम न वर्षकाग्रनुभव । संचालित ब्याब
67. एक्यालंग गोत 	खोर 2	260-6-326-द०रो० 8- 350 र०	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	भ्रावस्थक: (1) 8वीं कंक्षा (2) संबंधित क्षेत्र भ्रतुभय; (3) तैरने भौर पा का विणेष ज्ञान (4) पत्तन द्वारा साथ परीक्षा र	में तीन वर्ष क नी में गोतालगाने तः संवालित व्याव
			<u>·</u>		:	
	9	10		11	12	13
श्रायु —नहीं श्र ह ताएं—हा	स्थानान्तरण द्वारा । पर प्रोज्ञति द्वारा घं सकने पर सीधी भर्ती द्वारा		पन में राज ४०) प्रोप्तनिः [*] राजकाम श्रेणीमें नि	नेर्माण कार्य प्रभारित स्था- ं (वेतनमान 260-350 देदगार जिसके उस प्रमित भ्राधार पर पण्चात् पांच वर्ष सेवा	2 वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा ि सकने पर सीधी		ता स्थानान्तरणः पत्तन केनिर्माण	कार्य प्रभारित स्थापन र्ता (वेसनमान 260-	2 वर्षे	कुछ नहीं
श्रायु'—नही श्रहेंनाएं —हां	स्थानान्सरण द्वार सकने पर प्राप्त दोनों केन हो सक भर्ती द्वारा	ति ब्रारा श्रौर	ा स्थानात्तरण पत्तन के निर्माण में एक्वालंग 260-350 प्रोन्नि : नाविक जिसने उस भेणी	ा कार्य प्रभारित स्थापन ा गोताखोर (वेतनसान ६०) तियमित भाधार पर में नियुक्ति के पश्चात् क्षेत्रा कर ली हैं।	2 वर्ष	कुछ नहीं

पक्ष्चात् तीन वर्ष मेवाकर ली है।

PART	II-SEC.	3(i)1
1		

1040 	THE GAZETTE OF INI		_ ====			
1 2	3	4	5 +	6		7
71. उद्यान पर्यवेक्षक	2	260-6-326-व०रो०-8-36: दंशे०-8-390-10 -400 ६०	6 वर्ग III	18 से 30 वर्ष तक	(1) मैद्रिकुले तुल्य। (2) वागव प्रमाणपत वाक्यनीयः	णन या उसके सम- ानी संगंधी विषयों मे पाठ्यक्रम पार्की प्राद्धि के प्रमुरक्षण
					भावस्यकः	
72. चौष्ठरी 73. ज्येष्ठ माली		225-5-260-6-290- . ४०रो०-6-308४०	वर्ग III	18 से 30 वर्ष 18 से 30 वर्ष	 मैट्रिकुलेशन था उसके समतुख्य बागवानी सम्बंधी विषयों में प्रमाणपत्न पाठ्यकम या उस लाइन में पांच वर्ष का धनुभव वांछनीय: ∭ उद्यानी, पाकौ धावि के धनुरक्षण का धनुभव। लागू नहीं होता 	
	9	210-4-226-व ०रो ०-4- 250-5-290 व०	वर्गे III			
	9	10			12	13
ठ म्रायुः नहीं म्रहेताएंः हा	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो अवयन सक्ते पर प्रोक्षति द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीघी भर्ती द्वारा		स्थानान्तरण: पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्था- पन में उद्यान परेबेक्षक और उद्यान प्रधीक्षक (बेतनमान 260-400 क०) प्रोक्षति: धौरी(बेतनमान 270-350 क०) नान 270-350 क०) जिसने उस श्रेणी में नियमित ग्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् तीन वर्ष की सेवा कर ली है।		2 वर्ष	•ुछ नही
ब्रायु: नहीं प्रार्ह्ताएं: हां	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो अध्यन सकने पर प्रोप्नति द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा		स्थानान्तरण: पक्षन के निर्माण कार्य प्रभादित स्थापन में मिस्ती श्रेणी II (बेतनमान 225-308 रु०) प्रोक्षति: ज्येष्ठ माली (बेतनमान 210- 290 रु०) जिसने उस श्रेणी में नियमित माधार पर नियुक्ति के पश्चान् सीन बर्ध सेवा कर ली है।		2 वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं हंग्ता	स्यानान्तरण द्वारा जिसके न हो चयन सकने पर प्रोन्नति द्वारा		स्थामान्तरण: पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में प्रधान मजबूर (वेतनमान 210-290 कः) प्रोन्नति: माली (बेतनमान 200-250 कः) जिसने पत्तन में उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा कर ली है।		2 বর্ষ	कुछ नहीं

α	4
1 L/L	

[भाग II—खण्ड 3(1) 	/] 		·		गराजपक्षः म्रस ──── ───			
1- 2		3		4	5	6		7
74. फोटोग्राफर श्रेणी-	I	1		-500-द्र०रो०-15- :0-700 घ०	वर्गं ∏ र	21 से 35 व	र्षं सक	भावश्यकः (1) मैद्रिकुलेशन या उसके र तुस्य।
								(2) जलिका और स्थिर प्राप्ती में तीन वर्षका प्रमुख
75. चालक (मारी य	ास)	23	320-6- 400 ፍ	326-8-390-10- 5	वर्गं III	30 वर्ष		प्रावश्यक: (1) प्राठवीं क्ला उत्तीर्ण। (2) चालू भागी मोटर यान वा प्रानुक्राप्ति। (3) (भारी यान) चलाने में तं वर्षका प्रनुभव।
76. चालक (हस्के या	न)	22	260-6	6-326-द०रो०-8-) ६०	वर्ग III —————	18 से 40) বর্জ	भावस्थक: (1) मिडिल स्तर उत्तोणं (2) इत्के मोटर यानों के जालक रूप में नियुक्ति के लिए ह मोटरयान चुनाने की प्रनुक्ता बांछनीय: (i) चालक कार्य का दो वर्ष , सनुभव। (ii) भारी यान चालन प्रनुक्त दि
8		9		10	1:	 I	12	13
सागू नहीं होता	सकने	िद्वारा जिस् पर प्रतिनि सरणद्वारा		 लागू नहीं होता	(केन्द्रीय सर सरकार या सकृ करने र नियुक्ति	र स्थानान्तरण: कार या किसी राज्य के विभागों में समान श श्रेणियों में कार्य बाले व्यक्ति (प्रति- की ग्रवधि साधारण- ोन वर्षे से ग्रधिक	2 वर्ष	कुछ न हीं
षायुः नहीं भ्रष्टुंसाएंः नहीं किन्तु स्तम्भ 11 में यथा वर्षित	सकने प दोनों	गद्वारा जि रिप्रोक्तिह केन हो तिद्वारा	ग़रा श्रीर	-	स्थापन	द्वारा: ार्माण कार्य प्रभारित में भारी यान चालक ान 320-400 ४०)	2 वर्ष	कुछ नहीं
					प्रोप्नति द्वार	r:		
					260—3 चालूमा क्रप्ति है उस श्रे श्राधार	ल्के यान) (बेतनमान 350 इ०) जिनके पास री यान चालन धनु- धौर जो पत्तन में जि में नियमित पर नियुक्ति के पांच वर्ष सेवा कर		
सागू नहीं होता	स्थानान्तरण हो सकने प			लागू नहीं होता	स्थापन	: णि कार्य प्रमारित में चालक (हल्के तनमान 260350	2 वर्ष	कुछ न हीं

1042		ZETTE OF IND			[PART II—SEC. 50
1 2	3	- 4	5		7
7 <i>7.</i> चा जँमै न (यांद्भिक	ก็() 3 4	25-15-560-র৹র্থাত-20- 640 ন ্ত	वर्गसा	18 से 30 वर्ष	भ्रावश्यक : (i) मैद्रिकुलेशन उत्तीर्ण। (ii) यांत्रिक इजीनियरी के किलोमा तथा उस क्षेत्र में कर से कम तीन वर्ष का अनुभव या भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था उत्तीर्ण तथा वस वर्ष का अनुभ जिसमें से कम में कम गांच या का अनुभव पर्यवेक्षक की हैसिया में होना चाहिए।
78. सहायक चार्जमैन (यांत्रिकी)		0-8-370-10-400- रो०-10-480 ह०	वर्ग III	18 से 30 वर्ष	ग्रावण्यक : (i) मैट्रिकुलेशन उत्तीर्ण या उसके समदुल्य (ii) यांत्रिक इंजीनिरी में डिप्लोमा
					या भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान प्रमाण पत्र तथा सात वर्ष का श्रनुभव जिसमें से कम से कम दो वर्ष का श्रनुभव किसी उनरदायिक पूर्ण हैसियन में हो।
8	9	10			13
म्रायुः नहीं प्रहेताएं: हो	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न सकने पर प्रांप्तित द्वारा दोनों के न हो सकने पर सं भर्ती द्वारा	ग्रौर	(वेतनमान 4 प्रोफ्ति: सहायक चार्जेंग (वेतनमान 3 या ज्येंग्रट: 480 रु०) रि श्रेणी में निय	मेन (यांत्रिकी) 125—640 हुं) मैन (यांत्रिकी) 330—480 हुं०) यांत्रिक (330~ जसने पत्तन में उस मित भ्राधार पर पश्चात पांच वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न ह सकने पर सीधी भर्ती द्वार		स्थानान्तरणः पत्तन के निर्माप स्थापन में	2 वर्ष	कुछ नहीं
				· 	
1 2		4	5	- - - -	· <u>7</u>
7.9. ज्येश्ठ यांक्रिक	8 . 3	30-8-370-10-400- द ०रो०-10-480 ६०	वर्ग III	18 से 30 वर्ष सक	श्रावण्यकः. (i) भ्राटकी कक्षा उत्तीर्ण (ii) भारतीय प्रौद्योगिक संस्था प्रमाणपत्र तथा उस केच में वर्ष का श्रनुभव। (iii) पत्तन द्वारा संचालित व्यवसा परीक्षा उत्तीर्ण।

[भाग II—खण्ड 3(1)] : ::		भारत का राजपन्न : ग्र 	साधारण	<u></u>	
-	9	10		11	12	13
धायुः नहीं मर्हसाएः हा	स्थानान्तरण द्वारा जिसके सकने पर प्रोक्तित द्वा दोनों के न हो सकने प भर्ती द्वारा	रा श्रौर	(बेतनमान 3: प्रोन्नित : (1) यांत्रिक (वे 480) रू० वं उस श्रेणी में वि पर नियुक्ति वे वर्ष सेवा कर ल (2) पक्तन द्वार	ज्येष्ठ यांत्रिक 30-480 ष्पये) तिनमान 330- जिसने पत्तन में नयमित भाघार के पश्चात् पांच ती है। त विहित भौर वसाय परीक्षा	वो वर्ष	कु छ नहीं
1 2	3	4	<u></u>	6	7	
80. यान्निक	22	260-6-326-द०रो०-८- 350 द०	वर्ग III	18 से 30 वर्ष	(ii) भारती प्रमाणपत्रा वर्षकास्र	कक्षा उत्तीर्ण य प्रौद्यानिक संस्थान तथा उस क्षेत्र में तुभव। तरासंचारित व्यवसाय
81. भहासक यांत्रिक	6	210-4-226-द०रो० 4- 250-द०रो०-6-290 ६०	वर्ग III 	18 से 30 वर्ष	(ii) भारती प्रमाणपत्न वर्षे का ग्र किसी यांतिक कम पाच (iii) पत्तन	ं कक्षा उक्तीर्ण य प्रौद्धोगिक संस्थाः तथा उस क्षेत्र का एव नुभव या क कर्मेणाला में कमः वर्षका धनुभवः द्वारा संचालित ब्यट शिक्षण उत्तीर्ण करन
		- 		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-	
मायु : नहीं श्रर्हताएं : हां	स्थानान्तरण द्वारा जिसक सकने पर प्रोन्नति द्वार दोनों के न हो सकने पर भर्ती द्वारा	त प्रोर	के पण्चात् श्रनुभव है।	लिक (वेतन- 50 रुपए) और चालक (वेतन- 50 रुपए) त (वेतनमान 50 रुपए) स श्रेणी में गर पर नियुक्ति पाच वर्षे का पत्तन क्वारा गंचालित परीक्षा	ซึ่	कुछ नहीं
भायुः नहीं भ्रहेबाएंः हां	स्थानान्तरण द्वारा जिसके सकने पर सीधी भर्ती	न हो भ्र च यन द्वारा	स्थानान्तरण: पत्तन के निर्माण सहायक यांकि - 210-290 क	क (वेतनमान	Ť	कु छ न हीं

प्रोन्ननि :

क्लीनर (बेतनमान 200-250 १पए) जिसने उस श्रेणी में दो वर्ष सेवा कर ली है।

1044		THE C	AZELIE C	T INDIA . E	EATRAORDINAR	. 1	[PATR II—SEC. 5(I
1 2	2 3		4	5	6		7
82. प्रचालक (वि (विद्युत ग्रीर तथा आर्फ प्र श्रन्तगंत विक हैं, के श्रग्नान्त	यात्रिक केनों केनों, जिनके युत केन भी		-500-द०रो०- 60 ४ ०	वर्ग उ	18 से 30 वर्ष त	(1)	मम्बद्ध व्यवसाय में भाई टें प्राई पाठ्यक्रम उत्तीण तथा मशीनरी के प्रशालन भी अनुरक्षण का नौ वर्ष के अनुभव, या मिट्टीहटाने वाली भारी मशीनरी के प्रवालन और धनुरक्षण का बारह वर्ष का अनुभव (उपरोक्त बोनों विकल्पों के लिए भारी यान वालक अनु कृष्टि प्रावश्यक है)। पत्तन द्वारा विहित और ली
83. ম ভালক (গ্ৰ	ोणी 1) नेर	夏 330-8 -3	370-10-400-	वर्ग 3	18 मौ र 30 वर्ष ह	क प्रावश	ं उत्तीर्ण होना श्रावश्यक है । यक :
(फार्क लिंफ श्रग्राम्त लोड ग्रौर यांन्निव	ट, ट्रक्न या इर या वैद्युत ह केन धीर	-	- o-10-480 ঘ o				सम्बद्ध व्यवसाय में प्राई टी प्राई पाठ्यकम उत्तीणं और वृत्ति में छह वर्ष का प्रनुसव।
वार्फ केन, जि फ्लोटिंग केन या गावेल भी	। बुल कोचर्स						या वृत्ति या मिट्टी हटाने वाली भारी मशीनरी का नौ वर्ष का सनुभव (उपरोक्त वोनों विकल्पों के लिए भारी यान वालक सनुक्रादित सावश्यक है)
						(3)	पक्षन द्वारा ली जाने वाली क्यवसाय परीक्षा में उसीर्ण होना प्राथम्यक है।
8		9	10		11	12	13
धायुः नहीं प्रहेताएं: हां		।ति द्वारा श्रीर हो सकते पर	भ्रचयन	में केन प्रचाल (वेनसमान रो०-15-560 प्रोप्तनि: (1) प्रचालक पत्तन में प्र पद पर नियुक्ति वे का ध्रनुभव (2) विभाग द्वा	(श्रेणी 1), जिसे प्रपती श्रेणी में उस नयमिन प्राधार पर 5 पश्चात् तीन वर्षे हिं। रा विह्ति ग्रीर ली	दो वर्ष	मुख नही
श्रायुः नहीं झर्तृनाएं: हां	स्थानान्तरण द्वारा सकने पर प्रोप्त दोनों के न सीधी भती द्वार	प्ति द्वारा श्रीर हो सकने पर	प्रचयन	स्थानात्तरणः पत्तन के निर्माष स्थापन में क्रेन (वेतनमाप 3: प्रोन्नतिः (1) प्रचालक पत्तन में पद पर नि नियुक्ति वे का श्रैनुभव (2) विभाग द्वा	ग कार्य प्रभारित प्रवालक, श्रेणी 1 30-480 रु०) । (श्रेणी 2) जिसे प्रपत्ती श्रेणी में उस नेयमित माघार पर प्रवात् तीन वर्ष रा विहित भौर सी परीक्षा उत्तीर्णं करना	दो सर्प	फुछ नेश्ची

'[भाग∏—खण्ड 3(i)	1		भारतका राजपताः असा	बारण	1044/1
1 2	3	4	5	б	7
84. प्रचालक (श्रेणी मिश्रण मशीन य लिफ्ट ट्रक या लोइर या वैद्यु यात्रिक केन स केन बुलड़ोजर या	र्गफोर्क मग्रान्त त भीर गैर सर्फ	2 6 0-6-326- य ०रो०-8- 350 य ०	वर्गे 3	18 से 30 वर्ष तक	श्रावश्यक: (1) किसी सम्बद्ध व्यवसाय में आई टी आई पाठ्यकम उत्तीणं, तथा तीन वर्ष का बृत्तिक अनुभव। वा वृत्ति का था मिट्टी हटाने वाली भारी मर्भानरी के प्रवालन और अनुस्त्रण का पांच वर्ष का अनुभव (उपरोक्त दोनों विकल्पों के लिए भारी यान चालक अनुकृत्ति आवश्यक है)। (2) पत्तन द्वारा ली जाने वाली व्यवसाय परीक्षा उत्तीणं होना भावश्यक है।
85. लोको ड्राइवर	12	260-6-326-द०रो०-8- 350 र ०	वर्गं 3	18 से 30 वर्ष तक	भावश्यक: (1) भाठवीं उत्तीर्ण । (2) बीजल इंजन से सम्बद्ध व्यवसाय में आई टी भाई का प्रमाणपत्न । (3) बीजल इंजनों का तीन वर्ष का भनुभव । (4) पत्तन द्वारा ली जाने वाली व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण होना भावश्यक है । टिप्पण: (साधारण शैक्षिक भनुताएं भन्यथा सुअहित भ्रभ्यांथयों के मामले में शिधिल की जा सकती है।
8	9	10	11	12	13
भागुः नहीं भहें ताएं: हां	स्थानान्तरण द्वारा, सकने पर प्रोन्नति	-	स्थानान्तरण : पत्तन के निर्माण कार्य	वी वर्ष प्रभारित स्थापन	कुछ नहीं

8	9	10	11	12	13
भागुः नहीं भहुँ ताएं : हां	स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रोप्तित द्वारा धौर दोनों के न हो सकने पर सीधी धर्ती द्वारा ।	ध्रचयन	स्थानान्तरण : पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में केन प्रचालक श्रेणी 2 (वेतनमान 260350 र ०)	वो वर्ष	षुछ नहीं
			प्रोन्नति :		
			क्लीनर (200—250 द०) जिन्होंने पत्तन में भ्रपनी श्रेणी में उस पद पर नियमित भाषार पर नियुक्ति केपण्चात्तीन वर्षसेवाकरली है।		
भायुः नहीं भर्दुताएं: हा	स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न ह्वो सकने पर प्रोफ्तति द्वारा भीर घोनों के न हो सकने पर सीघो भर्ती द्वारा ।	भचयन	स्थानान्तरण: पत्तुत के निर्माण-कार्य प्रभारित स्थापन में चालक या प्रचालक (वेतनमान 200350 ठ०) ।	दो वर्ष	•हुछ नहीं
			प्रोन्नति :		
			क्लीनर (200—250 कः) ग्रीर सहायक मेकेनिक (210—290 कः) जिन्हें भ्रपनी श्रेणी में उस पद पर नियमित भाषार पर नियुक्ति के पश्चात् पांच वर्ष का ग्रनुभव है।		

श्रेणी में उस पद पर नियमित प्राप्तार पर नियुक्ति के पश्चात् पाच वर्ष सेवा कर सी है।

पत्तन के निर्माण-कार्य प्रमारित स्थापन में मंगीनिस्ट (बेंसनमान 260--- दो वर्ष

कुछ नहीं

स्थानान्तरण :

350 ৰ ০) ।

स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो लागुनहीं होता

सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ।

शागु नहीं होता

[भाग 11—खण्डा 3(1)]		भार	त का राजपन्न: ग्रास	'धारण	1044/3
1 2	3	4	5	6	7
88. फिटर		≻6-326-द०रो०-8- 350 द०	वर्ग उ	18 से 30 वर्ष तक	श्रावश्यक : (1) भ्राठवीं कक्षा उत्तीणं (2) फिटर व्यवसाय में भाई टी श्राई पाठ्यक्रम उत्तीणं तथा छह वर्ष का वृत्तिक श्रनुभव । या किसी स्थातिप्राप्त संगटन भें फिटर के रूप में यस वर्ष का श्रनुभव । (3) पत्तम द्वारा ली जाने भाली व्यवसाय परीक्षा में उत्तीणं होना श्रावश्यक है ।
89. दर्गेर)- 6-326-द०रो०- 8- 150 द०	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	भावश्यकः (1) भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण । (2) टर्नर व्यवनाय में भाई टी भ्राष्ट्रं प्रमाणपत्न तथा तीन वर्षे का वृक्तिक भ्रनुभव । या किसी क्यातिप्राप्त संगठन में टर्मर में रूप में सात वर्ष का भ्रमुभव । (3) विभाग द्वारा भी जाने वाली स्थवसाय परीक्षा में उतीर्ण होना भावक्ष्यक है ।
90. सहायक टर्टर		10-4-226- व ०रो०-4- 250-5-290 व०	वर्गे 3	18 से 30 वर्ष तक	धावश्यकः (1) घाठवीं कक्षा उत्तीणं (2) टर्नर व्यवसाय में धाई टी घाई प्रमाणपद्ध तथा तीन वर्षे का धनुभव या किसी मान्यताप्राप्त संगठन में सात वर्षे का वृत्तिक धनुभव। (3) पक्षम द्वारा ली जाने वाली ध्यवसाय परीक्षा में उत्तीणं हीना धावश्यक है।

8	9	10	11	12	13
षायु : नहीं प्रहिताएं : हां	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने परसीधी भर्ती द्वारा ।	लागू नहीं होता	स्थानान्तरण : पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में फिटर (वेतनमान 260-350क०	दो वर्ष	बुछ नहीं
मायुः नहीं भईताएं : हाँ	स्थानाभ्तरण द्वारा जिसके न हो हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा भौर दीमों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	सामू नहीं होता	स्थानान्तरण : पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में टर्नर (वेतनमान 260-350व० प्रोचित :	दो वर्ष	कुछ नहीं
			सहायक टर्नर, जिसने पक्तन में भपनी श्रेणी में उस प्रव पर नियमित भाषार पर नियुक्ति के पल्चात्, पांच वर्ष सेवा कर ली है।		
लागू नहीं होता	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	दो वर्ण	फुछ नहीं

		_	_	
PATR	11	CEC	- 74	ω
ILVIK	11-	-3EC.		1111

1	2	3	4 .	5	6	7
1.	टिकर	3	260- ल-326- ४०रो०- 8- 350 ४ ०	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	स्राव्यपक्षः : (1) धाठवीं कक्षा उत्तीर्णः। (2) व्यवसायका धाई ० टी० धाई ० प्रमाणपत्र तथा छह वर्षका वृत्तिक ध्रनुभव।
						या
						किसी क्यातिप्राप्त संगठन में टिकर के रूप में दस वर्षका
						श्रनुभव । (3) विभागीय व्यवसाय परीक्षा में उक्षीणें होना श्रावश्यक है ।
92.	सचित्गार	1	260-6-326-द०रो०-8- 350 द०	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	ध्रावश्यकः :
						(1) भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण । (2) व्यवसाय में श्राई० टी० भाई० प्रमाणभन्न तथा छह वर्ष का वृत्तिक भनुभव । या
						किसी ख्यातिप्राप्त संगठन में साचागार के रूप में 10 वर्ष का श्रमुभव।
93.	सङ्घयक वैल्खर		210-4-226-द०ऐ०-4- 250-5-290 र०	वर्गे 3	18 से 30 वर्ष तक	सावस्थक : (1) भाठवीं कक्षा उतीर्ण । (2) वैल्डिंग व्यवसाय में भाई० टी० भाई० पाठ्यक्रम उत्तीर्णे तथा तीन वर्ष का वृत्तिक भनुभव
						मा
						किसी ख्यातिप्राप्त संगठन में वैरडर के रूप में सात वर्ष का धनुभव ।
						(3) विभाग द्वारा ली जाने वाली व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्ण करे।

8	9	10	11	1 2	13
नागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने परसीधी मती द्वारा	लागूनहीं होता	स्वानाप्तरेसः : पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में टिकर (वेतनमान 260-350 द्	दो वर्ष	দু ন্ত ন ह ीं
क्षांगू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा जिसके म हो सकले पर सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	स्थानान्तरण ः पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में सांचागार(वेतनमान 260-350	. ब्रो कर्ष रु०)	कुछ महीं
नागू नहीं श्लोता	स्थामान्तरण द्वारा जिसके न हो भक्तने पर सीधी भर्ती द्वारा	धचयम	स्थानाग्तरसा : पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में सहायक वेल्डर (वेतनमान) 210-290 ४०)	दो वर्ष	कुछ महीं

1	04	1	4	1	4
	v	т	7	1	٠

1 ~2	3	4	5	6	7
94. लोहार	8 260-6-326 360 ₹		वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	प्रावध्यक: (1) प्राठवी कक्षा उत्तीणं। (2) लोहार के व्यवसाय का प्राई० टी०धाई० से प्रमाणपन्न तथा छह वर्ष का कृत्तिक प्रनुभव। या किसी ब्यातिप्राप्त संगठन में लोहार के रूप में वस वर्ष का प्रनुभव। (3) पत्तव द्वारा ली आने वाली व्यवसाय परीक्षा में उत्तीर्ण होना प्रावध्यक है।
95. पोणिशसाज	1 260-6-32 350 ব ০	6-दे ं री०- 8-	वर्ग 3	18 से 30 वर्ष तक	आवध्यक: (1) आठवीं कक्षा उत्तीर्ण । (2) व्यवसाय में आई०टी०आई० प्रमाणपत्न या समनुख्य सथा छह वर्ष का वृत्तिक अनुभव या किसी ख्याति प्राप्त संगठन में पोणिश साज के रूप मे दस वर्ष का प्रनुभव । (3) पत्तन द्वारा शी जाने वाले व्यवसाय परीक्षा में उत्तीर्ण होता भावश्यक है।
8	9	10		11 12	13
मायुः नहीं महेताएं : हां	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो । सकने पर प्रोन्नति द्वारा घ्रोर दोनों केन हो सकने पर पर सीधी भर्ती द्वारा	 प्रचयन	में लोहार (वे प्रोजनिः— सहायक लोहार 290 रू०) वि उस पद पर	दो वर्षं कार्यं प्रभारित स्थापन तनमान 260-350रू०) (वेतनमान) 210- जेसने भ्रपनी भेणी में नियमित माधार पर पण्चासुपांच वर्षं सेवा	দ্র ন্থ নম্থ
लागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो । सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	लागू नहीं होता	स्थानान्तरणः पत्तन के निर्म स्थापन में मान 260-3	दी व ांज कार्य प्रभारित पोशिशमाज (वेसन- 50 रु०)	p
1 2	3	4	5	6	7
96. बैल्डर	৪ 260-6-32 350 ব	6-ৰ ০ হা ০- ৪- - -	वर्गे 3	18 से 30 वर्ष तक	प्रावस्थक : (1) प्राठवीं कक्षा उत्तीणं। (2) व्यवसाय का प्राई०टी०प्राई। प्रमाणपत्न सथा छह वर्षका कृतिक प्रमुख्य। या किसी व्यातिप्राप्त संगठन वेल्डर केल्प में दस वर्ष क प्रमुख्य। (3) विभाग द्वारा ली जाने वार्स व्यवसाय परीका में उत्तीष्

1044	/6	THE GAZ	ETTE	OF INDIA	: EXTR	AORDINARY	_		[PART II—SEC. 3(1)
8		9		10		11		12	13
ायु : गर्हुताएं		स्थानान्तरण द्वारा जिसके सकने पर प्रोन्नति भ्रौर वोनों के न हो पर सीधी भर्ती द्वारा	द्वारा	नागू नहीं होता		ार्माण कार्य प्रभारित में वैरुडर (वेसनमान ६०)	दो वर्ष		কু ন্ত দ র্ ট
					प्रोप्ततिः				
					290 ६०) श्रेणी में श्राधार प	र (बेतनमान 210- जिसे पत्तन में उस उस पद पर नियमित र नियुक्ति के पश्चान का अनुभव हो गया	200		
			<u>.</u>		<u></u>				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1	2	3				5	6		<u>7</u>
97.	सहायक लोहा	र 3		226-ष ० रो ०- 4- इ० रो ०-6-290 क्०	वर्ग 3	30 ঘর্ष			यक: भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण । लोहार के व्यवसाय में भाई टी भाई से प्रमाणपर नथा 3 वर्ष का सनुभव या
									वृत्ति करने का 7 वर्ष व प्रनुभव। पत्तन द्वारा ली जानेबाक व्यवसाय परीक्षा में उली होना मावस्यक है।
98.	ग्रीजार कंका प (कीपर)	ালক 18	22 5- 5-2 रो०-6-	60-6•29 0-₹• 308	वर्गे 3	30 गर्प			प्रकः मैट्रिकुलेशन या समतुल्य कर्मशाला या भण्डार व लगभग 2 वर्ष का श्रनुभव
	8	9 .	··	10	11		12	•	13
	हीं होता	स्थानाल्तरण द्वारा जि हो सकने पर सीक्षी भ		लागूनहीं होता	स्थापन	नेर्माण कार्य प्रमारित में सहायक लोहार	2 वर्ष		कुछ सही
धायु : मह्ताए		स्थानान्तरण द्वारा जिल् हो सकने परप्रोक्षति स्पीर योगों के नही परसीधी भर्ती द्वारा	बारा	सच् यन	स्थापन में कुशल मज प्रोन्नति : उस भोगी ने नियुक्ति	नेर्माण कार्य प्रभारित ' मिस्त्री श्रेणी 2 घौर दूर (225-308) पं नियमित घाधार पर के पश्चात 3 वर्ष के तसे स्टोरमैंन (वेतममान			कुछ न हीं

षायुःनहीं धर्हसाएं—हो स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो लागू महीं होता सकने पर प्रोक्तति द्वारा और बोनों केन हो सकने पर सीधी

भर्ती द्वारा

स्थानास्तरणः पशन के निर्माण कार्यं प्रभारित स्थापन में इलेक्ट्रोशियन श्रेणी 1 (वेसनमान 330-480)

1

2 वर्ष

लागू महीं होता

प्रोग्नति

इलेक्ट्रेसियन श्रेणी II (260-350) श्रीर लाइन भैन (260-350) जिसे पत्तन भें भपनी श्रेणी में नियमित भाषार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्षका भनुभय है।

1 2		3		4	5	6			7	
101. व नै स्ट्रेडिस्यन	,श्रेगी 1	2		•370-10•400- •-10-480₹∘	वर्ग3	18 से 30 व	र्षे तंक	(ii) माई संबंधि पत्र धनुष् (iii) पत्त	शेंकक्षाउत्तीर्ण ०टी० घाई ० प्रमाणप घंतक्षेत्रकाकामताः के साथ साल वर्ष	मंगाण का वाली
102. इलै स्ट्रेशियन		18		-326-ৰ ০ হী ০- 50 হ ০	वर्गे 3	18 से 30 व	र्षेतक	मावस्थक:- (i) माठव (ii) मा६ मीर प्रमाप भन्द	— ों कक्षा उत्तीणं ०टी० भ्राई० प्रमा संबंधित क्षेत्र में क गपन्न सथा 4 क्ष	ाणपल प्रमता दंका वाली
103. लाइनमैन		11		326-व० दो ०- 50 व ०	वर्ग3	18 से 30 वर्ष		भावश्यकः— (i) प्राठवं (ii) साइन् में भ पत न्यून भीर काम भनुज	- गैन या जायरमैन व्य गिर्दाटी पाई प्रिंत तथा संबंधित १ तमा 1 वर्षे का अ उल्लाधिम साइन करते की विधि	त्वसाम माण- झेल में नुभव गिंपर मान्य
		9		10		11	1:	2	13	
धायु—नहीं घाइंताएं—हो	स्थानान्तरण न क्षे सकने भौर दोनों व सीघी भर्ती	द्वारा पर प्रोर्भा		घचयन	स्यापन में ' (330-48 प्रोप्नित: इलेक्ट्रीशियम भौर लाइ जिन्हें पक्तन	र्माण कार्य प्रभारित इलैक्ट्रेशियन श्रेणी 1 0) श्रेणी II(260-350) नमैन (260-350) में ग्रंपनी श्रेणी में नि नियुक्ति के पश्चात् 5	2		कुछ नहीं	_
जानू नहीं होता	स्यानान्तरण द्वा सकने पर सी			लागू नहीं होता		कार्य प्रभारित स्थापन ।यन श्रेणी II (वेतनमान) रुपये)	2 वर्ष		कुछ नहीं	
नहीं	स्थानान्तरण द्वा सकने पर प्र दोनों के न १ भर्ती द्वारा	ोन्नति दार	त ग्रीर	प्रचयन	स्यामान्तरणः— पत्तन के निर्माण मैन (260 प्रोज्ञतिः— खलासी (विद्यु प्रपमी श्रेणी	- कार्यं प्रभारित में साइन- -350) देपये) त) जिन्होंने पक्तन में में नियमित द्याधार पर पक्तात् पांच वर्षं सेवा	2 वर्ष		कुछ महीं	

-1 -1 - 1	2	3	4	5	6		7
104. त्रे चरानका (वैथान प्र ^{श्} र याक्रिक)	11	26049-326-इंग्लें- 8-350 ह्यमे	वन 3	ाश्चिमे उठवर्षन	(i)	प्पकः— प्राठंबीं कक्षा उत्तीर्ण वैश्वन या सांत्रिकी व्यक्षमाय प्रार्ड० टी० श्राप्तंत्र पमाणपत्न या
						स श्रो	त्र प्रकार के फ्रन्टबर्ट्स इंजनों र वैजुन मोटरों के प्रचलिन र प्रतुरक्षण का कम से कम पात वर्ष का शनुभव। पक्तन द्वारा जी जाने वाली
105. मिस्त्री (वैद्यु पाचिकी)	त घोष.	5 2	260+6-32 ल-क ण्ड्री०- 8-350 द ०	धर्म 3	1९ से 30 वर्षत	(i) : (ii) (iii)	व्यवसाय परीक्षा उसीर्ण यकः मैट्रीकुलेशन या समसुत्य इंडो हर्गगानाओं ता विश्वत विभाग में तीन वर्ष का श्रतुभव पत्तन द्वारा भी जाने वाली व्यवसाय परीक्षा उसीर्ण
106. फ्रॉनिब्ड सामर	ग्री ज र्वेधक	6 4	2 5- 1 5- 5 0 0- ব স্থা জ- 1 5- 5 6 0- 2 0- 7 0 0 জ জ	त्रगं <u>।</u>	36 (4	थावण कि ते। यां जिल यां जिल में संस् निष् श्रम् थां छ वी	ायः— मान्यताराप्त विश्वविद्यालय यात्रिक या वैद्युत इजीनियरी उपाधि या समगुरूष या हो या वैद्युत इजीनियरी इस्लोमा तथा मामग्री प्रवंश किसी तथा ज्यात्तिप्राप्ति हारी/पट्तिक सेलटर या सिसंगठन में तीन वर्ष का
8		9	10		11	· ———— 2	13
आयु नहीं महेनाएं—हा	स्थानान्तरण द्वारा, सकने पर प्रोप्त दोनों के न हो भर्मी द्वारा	प्रतिद्वारा	' श्र ौ र	स्थापन में प्रचालफ (2 प्रचालफ (2 प्रचालफ (26 प्रोप्ततिः वाल्य, प्रचालक, खलामी (ति जिन्हें ग्रपनी	2 व णि कार्य प्रभारित विद्युत भीर योत्रिक 60-350) भीर पंप 60-350) खलासी (योत्रिक) व्यूल) (200-250) । श्रेणी में नियमितं नियुक्ति के पण्चात्	 ग	कुछ नही
भायुनहीं ध हे ताएंहां	स्थानीन्तरण द्वारा, सकने पर प्रोक्ष दोनों के न । सीधी भर्ती द्वार	ति द्वारा हो सकने	भ्रीर	स्थानान्तरणः पत्तन के निम स्थापन में वि (येतनमान 2 प्रोन्नति —— श्रीजार कक्ष कर्मी 308 रु०) वि श्रेणी में नि	2 fiण कार्य प्रभारित fमस्त्री (श्रेणी 1) 60-350 रुपये) (बेतनमान 225- जिसने पत्तन में उस यमित श्राधार पर पश्चास् तीन वर्ष	वर्ष	कुछ नही
भागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा में भ्रारम्भिक शौर उसके ब द्वारा	भर्ती के				2 वर्ष	कुछ म ही

1 2	3	4	5	ß	7 1
07. भग्डारी	3	330-10-380-द॰रो०- 12-500-द॰रो०-15- 580 म०	वर्ग 3	18 से 2.5 वर्ष तक	भावप्यक : किसी मान्यनाप्राप्त विश्वविद्यालय से उपाधि । वास्त्रनीय (i) सरकारी या प्रत्य क्यानिप्राप्त संगठन में भण्डारण का तीन वयं प्रतुभवः (ii) सामग्री प्रयन्त्र में डिप्लामा ।
08. सहायक भण् डारी	3	260-6-290-दन्तरो०-६- 326-8-366-द०रो०- 8-390-10-400 र०	व गं 3	1 ४ से 35 वर्ष त∗	प्रावदयक : मैट्रिकुलेशन या समतुस्य । वाद्यनीय : (i) किसी सान्यताप्राप्त विषव विद्यालय सेउपाधिया समतुस्य; (ii) भण्डारण का सतुभव (iii) लेखा कर्म, बही खाता ग्रीर टंकण का ज्ञान ।
109 भ ण्डारकर्मी 		210-4-226-दंश्रो०-4- 250-5-290 द्	वर्ग 3	1 9 से 30 वर्ष सक	न्नावध्यकः (i) भाउनी कक्षा उत्तीर्णः (ii) भंग्छा गरीर गठनः (iii) किसी यद्गे भण्डार में लगभगः वो वर्षका भनुभवः।
8	9	10		11 12	13
नहीं श्रायु⊶नहीं ब्रह्ताऐह्रौ	श्रोस्तति द्वारा जिसके न पर सीधी मतीं द्वारा श्रीकृति द्वारा जिसके न पर सीधी मतीं द्वार	हो सकने ग्राचयन	जस श्रेणी में नियुक्ति के सेवा कर ली प्रोप्ति : सामग्री प्रबंध ! कर्मी । प्रचालक, जि श्रेणी में	प्रमाग में ऐसे भण्डार- 2: भण्डारकर्मी-एवं-पम्प, व्होंने पत्तन में भपनी नियमित भाषार पर पश्चात् पांच वर्ष	कुछ नहीं वर्षे कुछ नहीं
महीं	स्थानान्तरण द्वारा जि सकने पर प्रोन्नति दोनों के न हो भीधी मर्ती द्वारा	द्वारा ग्रौर सकते पर	में प्रधान म 290 द०) प्रोन्तिः ख लामी (भा 200 ~ 250	धो वर्षे ण कार्य प्रभारित स्थापन जदूर (वेतनमान 2 1 0 − ण्डार) (वेतनमान) रु०) जिन्होंने ग्रपनी त वर्षे सेवा कर सी है।	ूर्⊬ कुछ नही
					·
1 2		3 4		6	7
110. किनिष्ठसमुद्री	सर्वे श फ 2	८ 425-15-500-द०रो० 15-560-20-700 र	वर्ग उ	18 से 30 वर्ष तक	श्रावश्यकः— सिवित्त इंजीनियरी में डिप्लोमा व समतुष्ट्य प्रहुता। बाछनीयः समुद्री सर्वेक्षण में एक वर्ष का बनुभव।

[414 II—444 3(I	/] ===::-:-====::-=:::=::::::::::::::::::			काराजपन्नः अक्षाधार ~——	(VI 		
	9	= 1	0	11		12	13
घायु—नर्ही श्रर्देताऐहा	प्रोच्निति द्वारा, जिसके न पर सीधी भर्ती द्वा बोनों के न हो स प्रतिनियुक्ति पर स्था द्वारा	रा, भौर कने पर	य न	प्रोप्ततिः ऐसे क्षेत्र सहायक जिन्हें पत्तन में नियमित प्राधार परकात् चार वर्ष क प्रतिनियुक्ति पर स् ऐसे व्यक्ति जो या महापत्तन व्य सेक्टर उपक्रमों समतुख्य श्रेणियों हैं (प्रतिनियु साधारणतया तीन महीं होगी)	अपनी श्रेणी में पर नियुक्ति के जम्मुभव है। यानास्तरण: केन्द्रीय सरकार ास या पब्लिक में समान या में कार्य कर रहे क्ति की ग्रवधि	दो व	पँ कुछ नही
1 2	3		4	5	6		7
111. क्षेत्र महायक (सर्वेक्षण)	समद्री 4		380-द०रा०-12- ०रो०-15-560 द		18 社 30		ग्रावश्यकः सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा या समतुह्य । योखनीयः
112. सिंगनल बोध		380-12-: 15-56	500-হড়েই ত- 9 হত	र्वनं 3	35 वर्ष		संबंधित लाइन का पूर्व धनुभव प्रावश्यकः (i) पैद्धिकुलेशन या समसुख्यखतीर्ण (ii) प्रथम श्रेणी सिगमत्तर परीक्षा उत्तीर्ण; (iii) वृष्टि: दोनों श्रोस्त्रों में सामान्य वर्ण दर्शन श्रीनवार्य है ग्रीन
113. ण्येष्ठ सिगनल	कर्मी 5	280-8-21	90-व• रो ०- 6-	वर्ग 3	35 वय		40 वर्ष से अधिक के कर्मचारियं की छोड़ कर, जश्मा पहनन भनुत्रीय नहीं है। भावश्यकः
		326-8	- 360-द∘रॉ०- + 10-400 द०		33 14		 (i) मैट्टिकुलेशन या समनुस्य उत्तीण (ii) प्रयम घेणी सिगनलर परीक्ष उत्तीण; (iii) दृष्टि:दोनें श्रिमोद्धां में सामाय वर्ण वर्णन धनिवार्य है जीर 4 वर्ष में अधिक के कर्मचारिय को छोड़कर चण्ना पहनना धनुके नहीं है।
8	9		10	11		12	13
 सागू नहीं होता			ागू नहीं होता	लागूनहीं होता	<u> </u>	12 दो दर्ष	
नहीं -	सावा मता द्वारा जिसके न हो सकने चयन पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानाक्तरण द्वारा और दोनों के म हो सकने पर सीधी मतीं द्वारा			प्रोक्षति : ऐसा सिगमलकर्मी जिसने पत्तन में उस श्रेणी में नियमित प्राधार पर मियुमित के पण्चात् पांच वर्ष सेवा कर ली है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : महापत्तन न्यासों, समुद्रीय राज्य सरकार। विभागों या पश्चिक सेक्टर उपकमों में सबुल या समतुस्य पर धारणा करने वाल प्रक्रिकार।			कुछ≁ नहीं
सागू नहीं होता	प्रोन्नति द्वारा जिसके न पर सीधी भर्ती द्वार	•	प्रश्वयन	प्रोन्नति : ऐसा कनिष्ठ सिय उस श्रेणी में वि	धिक नहीं होगी) मलकर्मी जिसने नेयमिस माधारपर श्वात् तीन वर्ष	दो वर्ष	कुछ नहीं

1044/12	THE	GAZETTE OF INDIA	A : EXTRAOR	DINARY	PART I	I—Sec. 3 (i)]
1 2	3	4		6	7	<u>+</u>
114. फनिष्ठ सिगन	ल'रुमीि ् ∔	22 5- 5- 2 6 0- 6- 3 2 त-द ० रोज- 8- 3 50 र ०	वर्गे 3	30 वर्ष	(ii) मोर्स स र्राष्ट्रीय	भान या समतुष्य केतन ग्रीर भन्त- कोड संकेतन में होना चाहिए। सिगनसर परीक्षा
115. যাতি দ্বাত ক্সা	এ ন'ৰা ংগক 5	380-12-500- स ०रो०- 15-560 र ०	वर्ग 3	35 वर्ष	किया ग (िर्दिध सेवा में प्र पस्न या जारी 1 टेलीकोन	ल या समप्रुष्ट सरकार द्वरा जारी या रेडियो टेलिफोन त) समुद्रीय चल विणता का प्रभाण भारत सरकार द्वार कया गया रेडिये (अन्तर्देणीय समुद्रीय णता का प्रमाण
8	9	10	1	1	1 2	13
ु नागुनहीं होता	सीधी मती द्वारा	सागू नहीं होता सागू नहीं होता	लागृ नहीं होता	<u>-</u>	<u>12</u> . 2 वर्ष	 कुछ मही
प्रायुनहीं महैंसाएंहा	साधा भता द्वारा जि सकते पर स्थानान् या प्रतिनियुक्ति पर रण द्वारा		स्थानान्तरण या प्रतिनि नान्तरण: सो उपयुक्त व्यक्ति, सोधी धर्ती के प्रकृताएं हैं ध्रीप प भारों के विभागों धारण किए तुए नियुक्ति की ध्रयध्य तीन वर्ष से प्रधिक्ष टेप्पण: 1 यवि सीधा विहित धर्हता रख सद्गा पथ धारण व्यक्ति उपकव्ध नियुक्ति के लिए को विचार में लि है जिनके पास स् लिए विहित धर्हें। ये प्रस्ते ठीक निचर पद धारण किए हैं टिप्पण थः सीधी विहित धर्हेंनाएं, ध्र प्रतिनियुक्तियों के होंगी। प्रोक्तिः	जिनके पास लिए विहित जो अन्य महा- रेर राज्य सर- में सबुश पव हैं। (प्रति- प्र साधारणस्या क नहीं होगी)। भर्ती के लिए जो याने वासे महीं हैं सो ऐसे व्यक्तियों या जा सकता निधी भर्ती के लाएं हैं किन्तु ं, केन्द्रीय भीर के विभागों मैं ली श्रृणी का पुर है। भर्ती के लिए ल्सरिसियों भीर	2 वर्षे	कुछ नहीं

1 3 2	3	4		5	Ğ	7	
116. भुरक्षा मिरीक्षक	7 1	425-15-50(-2)-द०रॉ०- १.८-७०) स्०	ंबर्ग 3	u 5 वर्ष	म्डेणन अधि या केन्द्रीय पाड्यक्रम के (iii) किसी मान्य स्रोद्योगिक के स्रेनुश्य स्ट्रम के स्रेनुश्य (iv) जारीरिक के 168 सेंमी किल्पाल सी 81 सेंमी सेंग्मील प्रण वर्णन श्रोर 40 के कर्मनारि	, नागपुर से कारी पाठ्यक्रम परित निवारण उनीर्ण । ता प्राप्त डॉक प्रिन्त लेका से सा समन् पांच वर्ष का समन् पांच कर्ष का समन् पांच कर्ष का समन् पांच कर्म कर्म 80
8	9	. 10		11		12	13
व्यायु : नहीं अहंताएं : हो	य प्रोफ्तित द्वारा, जिसके न पर प्रतिनियुक्ति नान्तरण द्वारा ग्री न हो सकने परसीर्ध	 गहो सकने चयन पर⊹स्था- रवोनोंके	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	प्रोन्नति: ऐसे उप-स्रधिकारी में उस श्रेणी में पर नियुक्ति के वर्ष सेवा कर ली है प्रतिनियुक्ति पर स्थान महापत्तम स्थासीं, के कार के विभाग सेवटर उपक्रमीं धारण करने वार	नियमित म्राधार : पप्रश्वास पांच है । गित्तरण : ज्द्रीय/राज्य सर्क में प्रौर पब्लिक में मदृश पद से उपयुक्त मधि- प्रिक्त की मबधि	2 सर्प	কুত নহী
1 2	3	_ .	4	5	6	7	
117. उप-मिधिकारी	8	330-8-37 0 दक्षोठ-16		ं वर्ग 3	23 से 30 वर्ष तक	सफलतापूर्वक (iii) किसी मा णसन केन्द्र हैसियत में	प्रिनेशसम् सेवा य, नागपुर का कारी पाठ्यत्रम पूराकिया हो । त्यताप्राध्त प्रक्रिय में पर्यवेशकीय कम से कम सेवा कर की

1044/14 THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(i')] 3 6 50 कि ॰ प्रा॰ सीना : नीमान्य : 81 में ० मी०, फुलाकर 86 सें मी० (∨) दृष्टिः दोनों भांखों में मामान्य । वर्णदर्शन श्रनिदार्थ है श्रीर 4′0 वर्ष से श्रधिक के कर्ममारियों की छोड़कर जश्मा पहनना बन्जेय महीं है । 10 11 12 13 प्रो**सति द्वारा,जिसके नद्वी** सकने अयन वो वर्ष कुछ नहीं धायुः नही प्रोन्नति : भईताएं : हां पर स्थानान्सरण या प्रति-प्रमुख फायरमीन जिसने पत्तन में नियुक्ति पर स्थानाम्तरण द्वारा उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा कर ली है। चयन विभागीय भीर इन सब के न हो व्यवसाय परीक्षा द्वारा किया मक्तने पर सीधी भर्ती द्वारा जाना चाहिए। स्थानान्तरण: पत्तन में कार्य करने वाले ऐसे व्यक्ति जिनके पास सीधी भर्ती के सिए विहित अपेक्षित अईताएं **हें ग्रौ**र जिन्**हें** विभागीय ज्ञयन समिति योग्य पाए । अन्तरितियों के लिए ग्रायु स्तम्भ 6 में विहित प्रधिकतम से प्रधिक नहीं होनी चाहिए किन्तु इस ग्रधिक-तम भायुर्ने, पत्तन में की गई सेवा के बर्षी की जोड़ा जा सकता है। यदि ऐसे उपयुक्त व्यक्ति, जिन्हींने राष्ट्रीय भ्रमिन-शमल सेवा महाविद्यालय से उप-भ्रधिकारी का पाठयकम पूरा किया है और जिन्हें पर्यवेक्षकीय हैसियत में किसी मान्यताप्राप्त माग्निमानन केन्द्र में कार्य करने का तीन वर्ष का घनुभव है जैसा कि सीधी भर्ती की जाने के लिए घपेक्षित है, भर्ती की किसी पद्धति द्वारा उपलब्ध नहीं है तो पत्तम में ऐसे उपयुक्त व्यक्तियों की स्थानाम्तरण पर नियुक्ति के सिए विचार किया जा सकता है जिनके पास केवल गैक्सणिक महंताएं हैं। ऐसे व्यक्तियों की चयन के पश्चात पत्तन के खर्च पर राष्ट्रीय ग्रानिशमन सेवा महाविद्यासय, नागपुर में उप-प्रधिकारी के पाठयंकम के लिए भेजा जाएगा । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : महापत्तन न्यासीं, केन्द्रीय सरकार/ राज्य सरकारों के विभागीं,

> पब्लिक सेक्टर उपकमों में सदुश पद धारण करने वाले धिकारी/ पत्तन धरिनशमन सेवा के कार्मिक

[भाग II—— खण्ड 3 (i)]	मारसकारा	जपन्नः भसाधारण			1044/15
8 9	10	11		12		13
			भर्ती के लिए पूरी करते हैं, यिचार में लिय उसके चयन की	ाभ्भ 7 में सीधी विहित प्रहेताएं नियुक्ति के लिए या जाएगा भीर ो यशा में, वह । द्वारा भरा गया		
1 2	3	4	5	G	7	
118 चालक मैं स्ति	Б 1	320-6-326-8-390-10- 400 %	वर्ग 3	35 वर्ष	रक्षण श्रीर विभागीय ध उत्तीर्ण करे । के बारे में (V) मैं केनिक के ग (Vi) पारीरिक 168 सें में कि० गा० । 81 सें मी० (Vii) दृष्टि : मामान्य । व वार्य है घी ऊपर के ग	यान अनुक्रिक्त स्वय में तीन तुभव । प्रें और प्रक्लि तेदिन के धनु मरम्मत मे शवसाय परीक्षा स्वयालितयाने भनुभव । स्तर : लम्बार्ध श्रम्भाव । स्तर : लम्बार्ध श्रम्भाव । स्तर : लम्बार्ध श्रम्भाव । स्तर : लम्बार्ध श्रम्भाव । स्तर : लम्बार्ध स्तर : लम्बार्ध श्रम्भाव । स्तर : लम्बार्ध स्तर : लम्बार्ध स्तर : लम्बार्ध स्तर : लम्बार्ध स्तर : लम्बार्ध स्तर : लम्बार्ध स्तर : स्तर्भाव । स्तर : स्वार्ध स्तर : स्वार्य स्तर : स्वार्ध स्तर : स्वार्य स्तर : स्वार्ध स्तर : स्वा
8	9	10	11		12	13
ु मायुः महीं म र्ह ताएं: सृ	प्रोम्नसि द्वारा जिसके न । पर स्थानान्तरण द्वा थोनों के न ही सकने भर्ती द्वारा	हो सकने चयन रा श्री र ·	प्रोन्नितिः मुख्य फायरमैन जि श्रीणी में निया नियुक्ति के पश्य पत्तन में उस नियुक्ति के पश्य पत्तन में उस नियुक्ति के पश्य पत्तुभव है। स्थानास्तरणः ऐसे फायरमैन चाला यान) भीर खाइ जो स्सम्भ 2 वे	मित धाधार पर वात तीन वर्षं का र फायरमैन जिसे श्रेणी में ऐसी तात पांच वर्ष का क, जालक (भारी नक (हल्के यान) में सीधी धर्ती के हेताएं पूरी करते	2 वर्ष	कुछ नही

[PART I]	-Sec.	3 (i)]
----------	-------	------	----

1044/16			THE C		F INDIA : EXTR			
	2	 _	···· -	-1	5	6	<u>7</u>	
119ः फायरमैत व	ा न क	15	320-6-326- 400 য ়	8-390-10-	् चर्ग ऽ	3 5 व र्ष	आ व ण्यकः (i) शाठवीं कथ सम तु ल्य ।	ा उक्तीर्णया
							(ii) भारी यान हो ।	चालक ग्रन्जणि
							(ìii) चालक के का ग्रनुभव ा	म्दा में वीत वर्ष
							रक्षण श्रीर	केदैनिक अनु : मरस्मन से स्पत्रसाप परिक्र
							(v) प्रारीतिक । -163 में०। कि० ग्रा० 81 में०	तर: लम्बाई रि० भार: क मीना:सामाच मी०, फुलाक
							९६ सें० (vi) बृष्टि : : सामास्य । र	
							वार्य है श्र	रि 40 वर्ष
								कर्मकारियों क मा पहनना अन्
							श्रेय नही	•
·					······································			
8	·	9		10			12	1 3
म्रायु : महीं म हं ताएं : हरं	पर दोस	द्वारा जिसके स्थानास्तरण में केन हो सक तेंद्वारा		ान	प्रोक्ततिः मुख्य विभागीय व्यव उत्तीर्ण करने के हुए, ऐसा फ्लायरमे श्रेणी में नियमित मियुक्ति के पश्चात यमुभव है ग्रीर ऐस मैन जिसे पक्ता में के पश्चाम दो वा है। स्थानाश्चरणः	भ्रधीन रहते ल जिसे उस भ्राद्धार पर तीन वर्षका स मुख्य फायर- ऐसी नियुक्ति	दो वर्ष	কু ন্ত পদ্ধ [†]
					पसन के ऐसे कर्मचारि करने पर भी विचा जो स्तम्भ 7 में लिए विहित महित हैं और उनके चय यह पद स्थानास्तर	र किया जाएगा सीझी मसीं के गएंपूरी करते म की दशा में		

माग II——खण्ड ३ (: =	i)] 	भार त का	राजपत्न : श्रमाधा	रण		
1 2	3	4	5	6		7
120. र्सुष्य फायर सै	T 15	260-8-326-व ० से ०- 8- 350 र ०	वर्गं उ	30 বৰ্ণ	(i) (ii) (iii) (iv (v)	प्रांक : प्राठवीं कक्षा उत्तीर्ण य गमतुल्य । फायर निर्माण के निद्धालं प्रीर ब्यौहार में भ्रव्यु कामवलाक ज्ञान ।) स्कवाङ प्रम्य लोडर ज़िल चल गकते की योग्यता ।) किसी मान्यताप्राप्त अगिनः गमन सेवा में कम से कम् पांच वर्ष की सेवा । गारीरिक स्मर : लम्बा 168 सें० मी० भार : 50 कि० ग्रा० सीना गामान्य 81 सें० मी० प्रुजाकर 86 सें० मी० प्रुजाकर 86 सें० मी० प्रुजाकर विं सें० मी० प्रांच है प्रीर 40 वर्ष व्यार्थ होय नहीं है । नीय:
121. संकेत लेखक	1	260-6-326-व० रो०-8-	वर्गे 3	18 से 25 वर्ष	तक ग्रावा	श्रनुक्रस्ति । स्पकः ग्राटवींकक्षा उत्तीर्णः।
		350 ₹0			(2)	काठना कता उताना किए गए काम के किसिका को ग्रंगेओं में रख सकने व योग्यता वाणिज्यिक कला में डिप्लोम या रूपरेखा या मुक्तहर ग्रारेखण में उच्चतर श्रेण सरकारी सकनीकी परीक्ष उत्तीर्ण या समतुरम ।
8	- - · · · 9	10				13
प्रायुः नहीं प्रहुताएं : हां	प्रोन्नति द्वारा जिसके पर प्रतिनियुक्ति बोनों के न हो सक भती द्वारा	द्वारा, श्रीर	में पांच व प्रतिनियुक्तिः महापत्तन न्य कारों के सरकार क में सद्ग	सिने पत्तन में उस श्रेणी वर्ष सेवा कर ली है। सों, केन्द्रीय/राज्य सर- विभागों, समुद्रीय राज्य गैर मौद्योगिक उपक्रमों पद धारण करने वाले क्र अधिकारी जिनके	दो वर्ष	कु छ न हीं
			पास स्तम् लिए विशि भव है । (प्रसिनियुक्ति	त 7 में सीधी भर्ती के इत महुंताएं भीर मनु- की भवधि साधारणतया से भ्रधिक नहीं होगी)		

1044/16 				ZEIIE (- INDI	A : EXTRAOR	(DINAK)	[PATR 11—SEC. 3(1
1 2		3		4		5	6	7
122. वैज्ञानिक र	तहायक	1	425-15-5 15-560-2	00-द०रो०- 0-700 र ०	वर्ग 3	21 से	2.5 वर्ष तक	धावश्यक : भौतिक विज्ञान में द्वितीय श्रेणं में एम०एस०सी० य भौतिक विज्ञान और गणित या रसायन विज्ञान विषयों मे बी०एस०सी० (धानसी) जिसले श्रंक योग कम से कम 55% ह वांछनीय : वैज्ञानिक सहायक के रूप में पूर्व
123. ज्येष्ठ प्रेक्ष	5	1		80 -द ०रो०-12 ज्रो०-15-560		21 से :	2.5 वर्ष तक	भावश्यकः भौतिक विज्ञान भौर गणित/ सांक्रियकी विषयों में कम से कम द्वितीय श्रेणी विज्ञान स्नातकः।
124 डग मास्टर	श्रेणी II	8		30-इ०रो०- -20-600 ६०	वर्ग 3	30 বর্ণ		मावश्यक: (1) भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण। (2) भन्तर्वेशीय वाष्प जलयान प्रधिनियम, 1917 (1917 का 1) के भ्रधीन मास्टर- प्रमाणपक्ष यान समतुल्य या महापत्तन बन्वरमाह यान नियम या नव तूतीकोरिन पत्तन बन्वरमाह यान नियमों के भ्रधीन ग्रितीय श्रेणी का
. 8		9	~-~	10		11		12 13
मायुः नहीं अहँताएंः हो	प्रोन्नति द्वारा पर सी	जिसके न हो घी मर्तीद्वारा		न	श्रेणी	प्रेक्षक जिसे पत्तन में में नियमित माधार कि पश्चात पांच वर्षे है।	पर	कुछ नहीं
चागू नही होता	सीधी भर्ती सकने प स्थानान्तः	र प्रतिनियुवि	-		केन्द्रीय र जिनके भी हैं, पद धा व्यक्ति	'पर स्थानान्तरण: तरकार के विभागों बन्तर्गत महापत्तन न्य अधीन समतुख्य या सं रण करने वाले उपय् । (प्रतिनियुक्ति की बव तया सीन वर्ष से भी	गस गान क्त थि	कुछ नहीं
मायुः नहीं महेँताएं : हो		पर प्रोक्तति ों केन हो	द्वारा	यत	स्थापन व (बेतनमा प्रोन्नति : सेरांग (बेर जिसने प नियमित	ाः निर्माण कार्य प्रभारि में टग मास्टर (श्रेणी 2 ान 425-600 रु०) जनमान 330-480 रु पत्तन में उस श्रेणी माधार पर नियुवि त् पांच वर्ष सेवा क	2) ०) में त	कुछ नहीं

13 12 10 11 यवि प्रोन्नति और सीधी भर्ती के लिए भ्रवेकित महंताएं रखने बाले अयक्ति उपलब्ध न हों तो बन्दरगाह यान नियमों के भघीन सेरांग प्रमाणपत्र धारण करने वाले और नव सूतीकोरिन पत्तन के उप संरक्षक द्वारा ली जाने वाली व्यवसाय परीक्षा उसीर्ण सेरांग को इस शर्त के ग्रधीन रहते हुए प्रोन्नत किया ज। मकता है । ऐसे व्यक्ति दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसके दौरान वे द्वितीय श्रेणी मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्न परीक्षा उत्तीर्ण करके प्रमाणपत्न प्राप्त कर लें, जिसके न हो सकते पर वे उन पदों पर वापस भेज दिए जायेंगे जिनसे वे प्रोन्नति हुए होंगे 5 6 प्रावश्यक : 30 वर्ष वर्ग 3 125. सेरांग 330-8-370-10-400-(1) भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण। **द**०रो०-10-480 **६**० (2) प्रन्तर्वेशीय बाष्प जलयान **मधि**नियम, 1917 👫 917 का 1) के प्रधीन मास्टर-प्रमाणपत्र या समतुल्य या किसी महापलन बन्दरगाह यान नियम या नव तूती-कोरिन पत्तन बन्बरगाह मान नियम के भ्रधीन भ्रमुदस्त, सैरांग के रूप में सक्षमता प्रमाणपन्न (साधारण शैक्तिक मईताएं मन्यया सुमहित प्रभ्यार्थियों की दशा में शिथिल की जा सकती हैं)। 12 13 11 स्थामान्तरण द्वारा, जिसके न अनयन 2 वर्षे कुछ नहीं स्थानान्तरण : मायुः नहीं पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा षर्दुताएं : हो स्थापन में सेरांग (बेतनमान और बोनों के न हो सकने पर सीधी मतीं द्वारा 330-400 ₹0) प्रोप्नतिः सुकनी (वेतनमान 210-270 र०) नाविक (बेतनमान 200-250 (क), जिन्होंने भ्रपनी श्रेणी में नियमित द्वाधार पर नियुक्ति के पश्चात् क्रमशः 5 वर्षे और 7 वर्ष सेवा कर ली है, जिनके पास पी०एम०टी० बन्बरगाह यान नियम के प्रधीन सेरांग मास्टर के रूप में सक्षमता

ाग 1 I—-ख ण्ड ३ (i)]	भारत का रा	जपसः श्रसाधारण		1044/21	
8 9	10	11	12	13	
		पास दिनीय श्रेणी चालक प्रमाण- पत्न है और जो उप-संरक्षक, नव सूतीकोरिन पत्तन द्वारा ली जाने वाली व्यवसाय परीक्षा उत्तीणं करते हैं, इस मार्त के अधीन रहते हुए प्रोन्नत किया जा सकता है कि ऐसे व्यक्ति को दो वर्ष परिजीक्षा पर रहना होगा जिसके दौरान उसे प्रथम श्रेणी चालक के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्न परीक्षा उत्तीणं करके प्रमाणपत्न प्राप्त करना होगा जिसके न हो सकने पर उसे उसी पद पर वापस भेज दिया जाएगा जिसके वह प्रोन्नत हुमा			
		होगा। 			
27. चालक (श्रेणी 2)	20 330-8-370-10-400- द०रो०-10-480 ६०	वर्ग 3 30 वर्ष	टप्प (2	प्यक: प्राठवीं कक्षा उत्तीर्ण । प्रान्देंशीय वाष्म जलयान प्रधिनियम, 1917 (1917 का 1) के प्रधीन प्रनुवन्न एंजन चालक प्रमाणपत्न या समतुल्य। या महापत्तन बन्दरगाह यान नियम या तूतीकोरिन पत्तन बन्दरगाह यान नियम के प्रधीन प्रनुवत्त द्वितीय श्रेणी मोटर चालक के रूप में मक्षमता प्रमाणपत्न । थाः (साधारण प्रैक्षिक प्रहृंताएं प्रन्यथा सुप्रहित प्रभ्यवियों के मामले में शिषिल की जा सकती हैं)।) यदि उपरोक्त प्रहृंताएं रचने वाले व्यक्ति उपलब्ध न हो लो यांज्ञिक एंजीनियरी में प्रिप्तोमा धारकों को नियुक्त किया जा सकता है। श्रितीय: स्रि मैकेनिक के व्यवसाय के	
			ग्राज		
8	9 10			ाल मकानक के व्यवसाय क	

भायुः नहीं भार्ह्ताएं : हां कुछ नहीं स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न अवयन स्थानान्तरण : दो वर्ष हो सकने पर प्रोक्षति द्वारा पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में चालक (श्रेणी 2) और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। (बेसनमान 330-480 व०) प्रोन्नतिः ग्रीजर (260-350 रु॰) और चालक (श्रेणी 3) (225-350 रु०) जिन्होंने पत्तन में उस श्रेणी में नियमित पाधार पर

1044/22		THE GAZETTE (OF INDIA:	EXTRAORDI	NARY	[PATR II—Sec. 3(i)
9	10		11		12	2 13
				पक्ष्वात् पांच वर्ष		
				है। यदि प्रोन्नति		
				र्तीके लिए अपने-		
			•	रखने वाले व्यक्ति		
				हैतो ग्रीजर और 3), को, उप-		
				त्रुतीकोरिन पत्त न		
				पूराकारण पराप में वाली व्यवसाय		
				करने पर इस		
				न प्रोन्नति किया		
			जा सकता है	कि एँसे व्यक्ति वी		
			वर्ष परिवक्षित	पर रहेंगे जिसके		
				।ताय श्रेणी मोटर		
				सक्षमता प्रमाणपत्र		
				करके प्रमाणपद्ध		
				ोगा जिसके न हो		
				् उन्हीं पदों पर जिद्या जाएगा		
			जिनसे वे प्रोध			
,	———					
1 2	3	4		6		7
128. चालक (श्रेणी 3)	15	225-5-260-6-326-	वर्ग3	2.5 वर्ष		मावश्यकः:
		व०रो०-८-350 ६०				मिस्त्री या फिटर के व्यवसाय का
						द्याई टी भाई प्रमाणपत्न । वांछनीय:
						वाश्वनायः इसीक्षेत्रकापूर्वमनुभव ।
				_		•
129. ग्रीजर	10	260-6-326-व०रो०-8-	वर्ग3	25 वर्ष		भावण्यकः
		350 ₹∘				(i) भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण ।
						(ii) तैरने का शान । (iii) पोत के फलक पर बीजर
						भायलमैन, कोल द्रिमर के रूप
						में या कर्मशाला में फिटर के
						रूप में घनुभव ।
						बोधनीय :
						.(i) डीखस मिस्की के व्यवसाय मैं
						चाई टी भाई प्रमाणपता।
						(ii) मोटर जलयान मैं दीवर के
						रूप में भनुभव ।
8	9	10	·	11	1 2 	13
नागूनहीं होता सीधी थ	भतीं द्वारा ।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		वो वर्ष	कु छ न हीं
						0:

स्थानान्तरण :

350 ₹0) 1

पत्तम के निर्माण-कार्य प्रभारित स्थापन में ग्रीजर (बेतनमान 260---

स्यानान्तरण द्वारा, जिसके न हो जागू नहीं होता

⁻ सकने पर सीबी भर्ती द्वारा।

में बरीयता पत्तन के एन एम धार कर्मकारों को वी जाएगी जिन्हें धारम्भ में रोजगार कार्यालयों की मार्फत भर्ती

टिप्पण: सीधी भर्ती के मामले

किया गया है ।

लामू नहीं होता

दो वर्ष

कुछ नहीं

कुछ नहीं

दो वर्ष

चालक श्रेणी 3 (वाष्प), जिसने पत्तन में उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा कर

ली है।

मायुः नहीं महुताएं: हो प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने प्रचयन

पर सीधी भर्ती द्वारा ।

	<u>`</u>								
1	. 2		3		4	5	6		7
	प्रतिघ्वनिध्वनि एवं बेलार प्रच		2		· 370-10-400- [o-10-480 বৃত	वर्ग उ	35 বর্ষ		भावप्यक: (i) भाठकी कक्षा उत्तीर्ण । (ii) भारतीय नौसेना में मुख्य वैद् मैकेनिक (रेडियो) । वांछनीय: किसी निकर्षण या सर्वेक्षण संगठन सहायक प्रतिध्वनि ध्वनिक्स मैकेनि के रूप में पांच वर्ष का प्रनुभव ।
131. '	चालकश्रेणीः	(बाध्प)	1	425-1	5-530-द०रो०-	वर्ग 3	30 वर्ष		प्रा धस्यकः
				15-56	20-600 ₹ ∘				(i) म्राठवीं कक्षा उत्तीण । (ii) भ्रन्तर्वेशीय वाष्य जलयान मिर्मित्रयम, 1917 (191 का 1) के मधील मनुबा बालक (बाध्य) के क्ष्य सक्षमता प्रमाणपत्र या महापत्त भ्रन्वरगाह यान नियम के मधी मनुबत्त समनुस्य प्रमाणपत्र । टिप्पण : साधारण शैक्षिक महंता भ्रन्यया सुमहित मध्यश्रियों मामले में शियिश की वा सकर हैं।
132.	चासक श्रेणी 2	ः (याष्प)	1		-370-10-400- o-10-480 ₹ o	बर्गे 3	30 ঘর্ষ		धावस्यक: (i) घाठवी कथा उत्तीणं। (ii) धन्तवेंशीय वाष्प जलवाः धिवियम, 1917 (191 का 1) के घघीन धनुदर्भ मोटर जलयान (वाष्प) वे खालक के रूप में सक्षमत प्रमाणपत्र या महापत्तन धन्वर्थ गाह यान नियम के घघी। धनुवत्त समतुक्ष्य प्रमाणपत्र। टिप्पण: साधारण गैक्षिक प्रहेता। ग्रन्थणा सुप्रहित धम्पर्यियों के मामवे
	-								में शिथिल की जा सकती हैं।
8			9		10		11	12	13
लागूनह	हीं होता	स्थानान्तरण सकने पर		— ः गसकेन हो तर्वीद्वारा।	लागू न हीं हो ता	में प्रतिष्व	ण-कार्य प्रभारित स्थापन ने स्वनित्र मैकेनिक-एवं- सक (वेतनमान 330) ।	दो वर्ष	স্থুন্ত ন ছ ি
धायुः । प्र हं ताएं		प्रोन्नति हारा पर सीघी			प्रचयन		2 (क्षाष्प) जिसमे पसन णी में पांच वर्ष सेवा ।	दो वर्ष	कुछ नहीं

नहीं होता	प्रोक्षसि द्वार	τ	भ्रयन	उस श्रेणी नियुक्ति	वायलर), जिसे पत्तन में नियमित भाषार के पश्चात् तीन वर्ष ो किन्तु यह सब जब	पर का	ষ্কুন্ত ন	Ęï
8	9		10		11	12	13	
137. घूंजन कका	হি র্ গল	6	225-5-260-6-326- द ०रो०-8-350 र ०	वर्ग3	25 वर्ष		भावस्थकः मैकेनिक (डीजर) द्याईंटी भाईंक समतुस्य प्रमाणपत्न	ा प्रमाणपता को
136. फाय रमै न	(बॉयलर)	10	225-5-260-6-326- व०रो०-8-350 इ ०	वर्ग 3	25 वर्ष		भावभ्यकः (i) भाठवीं कक्षा र (ii) स्वस्य शरीर (iii) लोवों/क्यातिप्र में तीन वर्षे का वोडनीयः भादें टी भादें (फिटर	। प्त कर्मेशालाचे : कार्य धनुभव ।
135. विचमैन (तलमार्जक)	3	260-6-290-व०रो०-6- 326-8-366-व०रो०- 8-390-10-400 व ०	वर्ग 3	लागूनही	ं होता	सागू नहीं होता	
134. लैङ्कर मैन	(तलमार्जक)	1	260-6-290-व०रो०-6- 326-8-366-व०रो०- 8-390-10-400 व०	वर्ग3	लागूनही	ा होता	लागूनहीं होता	
133. इंजन-कक्ष (तलमार्जे		1	260-6-290-द०रो०-6- 326-8-366-द०रो०- 8-390-10-400 द ०	वर्ग 3	लागू नहीं	े होता	लागू नहीं होता	
1 2		3	4	5	6		7	
1044/24	<u> </u>	-	THE GAZETTE O	FINDIA	: EXTRAORI	DINARY	[PATR II	Sec3(i

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	प्रोक्षित द्वारा	धयन	प्रोम्नति: फायरमैन (बायलर), जिसे पत्तन में उस श्रेणी में नियमित झाझार पर नियुक्ति के पश्चात् तीन वर्ष का अनुभव हो किन्तु यह तब जब वह विभागीय व्यवसाय परीका उत्तीर्ण कर लें।	वो वर्ष	कुछ नहीं
झागू महीं होता	. प्रोम्नति द्वारा	ष्ययन्	प्रोक्सतिः फायरमैन (कॉयलर), जिसने यक्तन में उस श्रेणी में नियमित झाझार पर नियुक्ति के पण्चात् पांच वर्ष सेवा कर ली है किन्तु यह तव जब वह विभागीय व्यवसाय परीक्षा उक्तीणं कर ले।	ो वर्ष	कुछ न ्
सागू नहीं होता	प्रोचनि द्वारा	षयन	प्रोक्षति: फायरमैन (बॉयलर), जिसने पत्तन में उस श्रेणी में नियमित ग्राधार पर नियुक्ति के पत्रचात् पांच वर्षे सेवा कर ली है किन्सु यह तब जब विभागीय व्यवसाय परीक्षा उत्तीर्णं	दो वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं होता	सीधी भतीं द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	षो वर्ष	कुछ नहीं
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू महीं होता	लागू नहीं होता	दो अर्प	कुछ नहीं

1 \ 2	. 3	4	5	6		7
138. पर्यवेशक	8	380-12-440-वर्गे०- 15-560-वर्गे०-20- 640 वर	वर्ग 3	21 से 25 वर्ष तक	प्रथम या चाछनीयः	थताप्राप्त विश्वविद्यालय है द्वितीय श्रेणी में उपाद्यि ।
139. बाह्य लिपिक	17	260-6-290-दै०री०-6- 326-8-366-द०रो०- 8-390-10-400 ६०	वर्ग 3	18 से 25 वर्ष तक	मावश्यकः मैट्रिकुलेण शांछनीयः वरीयताः जिन्हें	ार्थं का भ्रमुभव । न वा समकुत्व । उन नोगों को दी जाएंगी किसी पत्तन के यातायात । का भ्रमुभव हो ।
.8	9	10	1	1	12	13
म ही	50% प्रोन्नति द्वारा, जि हो सकने पर स्थानान्त प्रतिनियुक्ति पर स्थान द्वारा श्रीर 50% सीध द्वारा जिसके न ही सब प्रोन्नति द्वारा भीर वीन हो सकने पर स्थानन्त प्रतिनियुक्ति पर स्थान द्वारा ।	रण या उन्सरण ि भर्ती हने पर ो के न रण या	नियुक्ति के पश्चा कर जी हैं। स्थानान्तरण: पत्तन में उच्च श्रेणी जि 330—560 के में उस श्रेणी में वर्ष सेवा कर संकर्मी में ग्रनुभव वरीयता दी जाए प्रतिनियुक्ति पर स्था 330—560 के व मान में पब श्रार व्यक्ति जिन्हें ह	मेन भाधार पर स् पांच वर्ष सेवा लेपिक (बेतनमान ०), जिसने पत्तम कम से कम तीन ली है। नौबहन । रखने वालों को गी। नान्तरण: प्रा समतुल्य बेतन- प्र करने वाले ऐसे नूतीकोरिन पत्तन प्र महापत्तनों में	दो वर्ष	কু ন্ত ন ্
लागू महीं होता	 60% स्थानास्तरण जिसके न हो सकते सीधी मर्ती द्वारा। 30% सीधी मर्ती जिसके न हो सकते स्थानान्तरण द्वारा कोरिन लघु पत्तन पहुए ऐसे टेली लिपिए जो सीधी भर्ती के विहित झहुँताएं पूरी के भी बाहर के सम्ययिये विचार में लिया जाए? 10% विभागीय द्वारा जो पत्तन के सरकर्मचारियो के लिए हे होणी, जिसके न हो पर सीधी भर्ती द्वारा। 	ते पर द्वारा, ते पर (तूती- र लगे कों को, लिए करते हैं, i के साथ परीक्षा पूर्ह 'म' शृंखुली	खारी (वेतनमान 260-350 द० द०), जिनके प्रकेष जाने वालों महिताएं हैं। 2. विभागीय परीका बाह्य लिपिकों की श्रे कारा भरी जाने में से 10 प्रतिमार पंत्री जिन्हें कि मधीन रहते (क) चयन विभाग प्रारक्षण बार जो कि वर्ग चारियों के खुली होगी कि तम गैं कि क ब	क्रुने वाले कर्म- (260-400 द०, धौर 225-308 ।सि सीधी भर्ती ं के लिए विहित रः सेणी में सीधी भर्ती ते वाली, रिक्तियों त रिक्तियां समूह के लिए धारकित नम्मलिखित कर्ती हुए भरा जाएगा:	दो वर्ष	कुछ म ही

8	<u> </u>	9		10		11			12 13
					लिए होगे ग्राम् (ग) समू वर्षे (घ) इस से ? वाल में नि सी	ए श्रधिकतम ो (भनुसूचित सूचित जन प्रथियों के लि इ'ग' में कम की सेवा। पद्मति द्वाराथ प्रक्रित द्वाराथ प्रक्रित सख्या, ो बाह्य लिप् फ्लियों के 1 मेत रहेगी, औ	परीक्षण के आयु 40 वर्ष जातियों भी र जातियों के ए 45 वर्ष)। से कम तीन जिल्ला के लेक कर र म भरी जाने हो भ्रगले वर्ष गा।		
1 2		3		4	5		6		7
40. स्थोरा छंटाईक	₹	7	210-4-2 290 ₹	5 ()-वं० रो०- 5- 'o	 वर्गे 3		18 से 25 वर्ष	 শব্দ	आवश्यकः भाठवीं कक्षा उत्तीर्णं या समतुस्य बाछनीयः (1) मैद्रिकुलेशन या समतुख्य । (2) इस क्षेत्र का पूर्व अनुमव।
41. गेस्टेटनर प्रशास	त्रक	1	210-4-2 270	5 0- व ०रो०- 5- ६०	वर्ग 4		ला गू नहीं हो ना		लागु नहीं होता
42: ग्राभिलेख छंटाई (दफ्तरी)	कार	3		06-4-234- -4-250 र०	वर्ग 4		25 वर्ष कू		श्रावश्यकः (1) भाठवीं कक्षा उत्तीर्ण (2) फाइलों के मनुरक्षण था जिल्दबन्धी का श्रनुभव।
.43. भपरासी		40	196-3-2 232 স্	2 0-वं ० रो ०- 3- >	वर्ग4		18 से 21 वर्ष त	क	मानश्यकः (1) मंग्रेजी भौर तमिल के ज्ञान सहित, माठवीं कक्षा उत्तीर्ण। -(2) स्वस्य गरीर (3) साइकिल चलाना ग्राता हो।
144 ड्रेसर (जिस महिला ड्रेसर		5	210-4-; 5-270	250-व०रो०-) स्o	वर्गे 4		18 से 25 वर्ष	ते ना	भावस्थक: (1) भाठवी कक्षा उमीर्ण। (2) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से प्राथमिक उपवार परीक्षा उसीर्थ या प्राथमिक उपवार, धावों भावि की पट्टी, मरहम पट्टी करने भावि का पर्याप्त ज्ञान तथा किसी भस्यताल में तीन
8	9			10		11	<u> </u>	12	13
लागू नहीं होता लागू नहीं होता	सीघी भर प्रोप्तति इ			लागू नहीं होता श्रचयन	श्रेणी जिन्हें निया	<i>छंटा</i> ईकार से ऐसे व्यक् पत्तन में	(दफ्तरी) की त्तयों की प्रोक्षति, उस श्रेणी में उर नियुक्ति के ग्रम्नुभव है।	2 वर्ष श्री वर्ष	कुछ नहीं कुछ नहीं
भायुः नहीं भर्तुतार्षः हो		द्वारा जिस् ।परसीधीम		भ्रजयन	प्रोन्नतिः चपरासी में ि	् जिन्हे पत्तन नेयमित द्याध	ा में उस श्रेणी ार पर नियुक्ति का सनुभव हैं।	दो जर्ज	कुछ नही
लागु नहीं होता		र्ती द्वारा		लागू नहीं होता	लागू नही			दो वर्ष	कुछ नहीं,
लागू महीं होता	-A-A-	र्ती द्वारा		लागू नहीं होता	मागू नही	¥		दो वर्ष	

भारत का राजपन्न : प्रमाधारण

1.7	2		3		4	5	6		7
145.	सहायक (श्रकुशर (महिला)	न)	1		-2 20-व ०रो०- 32 म०	वर्ग 4	21 से 35 वर्ष तक		रूप में प्रशिक्षण तथा कक्षा उत्तीर्ण।
146-	सहायक (बढ़ईरि	ारी)	7		-20,6-4-234- रेज-4-250 मु	वर्ग4	18 से 30 वर्ष सक	(1) भ्राठव (2) सुगिट (3) इस १ भव। (4) ज्यवस वांछनीयः	ो कक्षा उत्तीर्ण। त गरीर नेत्र का तीन वर्ष का भनु- गय परीक्षा उत्तीर्ण। ग्राईटी ग्राई प्रमाणपत।
147.	पाइपलाइन फिट सहायक	र का	2		-206-4-234- to-4-250 ৼ ৹	वर्ग4	18 से 25 वर्ष सक	(i) माठवं (ii) सुगी (iii) इस मनुभ (iv) पत्त व्यवस् वांछनीयः	न द्वारा ली जाने वाली गय परीक्षा उत्तीर्ण करे । यवसाय में भाई टी भाष
148.	प्लम्झार का सहा	पक	1	-	· 206- 4- 234- 4-) ५०	वर्ग 4	18 से 25 वर्ष त	(i) प्राठवं (ii) सुगरि (iii) इस भतुः (iv) पत्त स्पादः वाछनीयः	न द्वारा ली जाने वार्ल झाम परीक्षा उत्तीर्ण करे यवसाम में ग्राई टी ग्रा
	8		· 9		 10	 -		12	13
	— — - — — ाहीं होता	— सीधी भर्ती 8 स्थानास्तरण सकने पर	 रा		नागू नहीं होता लागू नहीं होता	स्थापन में	णि कार्य प्रभारित मजदूर (200-250 इद्वरों के सहायकों के	दो वर्ष दो वर्ष	कुछ महीं कुछ नहीं
सागू न	न्हीं हो ^त ा			सकेन हो तींद्वारा।	मागूनहीं हो ^त ा	स्थानान्तरणः पत्तमकेनिर्माणः में मञ्जदूर जोकिपा	कार्य प्रधारित स्थापन (200250 रु०) इपलाइन फिटरों के स्पर्में कार्यकर रहे हैं।	दो वर्ष	कुछ नहीं
लागू न	प्हीं होता -	स्यानाम्तरण सकने प		सम्बेन हो तींद्वारा ।	लागूनहीं होता	में मजादूर	कार्यं प्रभारित स्थापन (200250 ४०) हे सहायकों के रूप में हैं।	दो वर्ष	मुख नहीं

	3	4	5 	6	<u> </u>
49. सहायक (राष	गिरी) 2	200-3-206-4-234- ष०रो०-4-250 र०	बर्ग 4	18 से 30 वर्ष तक	मावश्यक: (i) माठवीं कक्षा उत्तीर्ण। (ii) सुगठित शरीर। (iii) ध्यवधाय में तीन वर्ष क मनुभव। (iv) पत्तन द्वारा ली जाने वाली परीक्षा उत्तीर्ण करे। बांछनीय: सम्बद्ध व्यवसाय में भाई टी भाई प्रमाण-पत्न।
150. माली	35	200-3-206-4-234- व॰रो॰-4-250 ६०	वर्गे 4	18 से 30 वर्ष तक	मानस्यक: (i) कम से कम पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण। (ii) सुगठित शरीर। (iii) भागवामी का लगभग दो वर्ष का धनुभव।
151. झाकूकस	29	200-3-206-4-234- द•रो०-4-250 र०	वर्गे उ	18 से 30 वर्ष तक	सावस्थक: (i) तिमल लिख-पढ़ सकता हो । (ii) सामान्य सफाई कार्म का पर्याप्त प्रनुभव । वाछनीय: इस क्षेत्र में झाड़ कश के रूप में कार्य कर चुके व्यक्तियों की वरीयता
152. चलासी (सि	विल) 36	200-3-206-4-234- ष०रो०-4-250 र ०	वर्ग4.	18 से 30 वर्ष तक	मावस्यक :
					(i) पांचवीं कक्षा उसीर्ण । (ii) सुगठित ग्रारीर । (iii) साइकिल चलाना जानता हो
8	9	10	11	12	(ii) सुगठित गरीर ।
8		10 सकेन हो लागूनहीं होता	11 स्थानास्तरण: पत्तन के निर्माण-कार्य में मजदूर (20 जो राजों के सह कार्य कर रहे हैं।	दो वर्ष प्रभारित स्थापन 10250 ्द०) हायक के रूप में	(ii) सुगठित ग्रारीर । (iii) साइकिल चलाना जानता हो
	स्यामान्तरण द्वारा, जिस	10 तके न हो लागू नहीं होता किंदारा । सके न हो लागू नहीं होता विद्यारा । मामले में एन एम	स्थानाम्तरण: पत्तन के निर्माण-कार्य में मजदूर (20 जो राजों के सह कार्य कर रहे हैं। स्थानास्तरण: पत्तन के निर्माण-कार्य	दो वर्ष प्रभारित स्थापन 10250 ्द०) हायक के रूप में । दो वर्ष	(ii) सुगठित शारीर । (iii) साइकिल चलाना जानता हो
8 सागूमहीं होता	स्थामान्तरण द्वारा, जिस् सकने पर सीधी भर्त स्थामान्तरण द्वारा, जिस् सकने पर सीधी भर्त टिप्पण: सीधी भर्ती के अरीयसा पत्तन के कर्मकारों को दी ज	10 तके न हो लागू नहीं होता सके न हो लागू नहीं होता तिदारा । मामले में एल एम गएगी । सके न हो लागू नहीं होता	स्थानास्तरण: पत्तन के निर्माण-कार्य में मजदूर (20 जो राजों के सह कार्य कर रहे हैं स्थानास्तरण: पत्तन के निर्माण-कार्य में मखदूर (बेर 250 ह०)। स्थानास्तरण:	वो वर्षे प्रभारित स्थापन (०250 कः) हायक के रूप में वो वर्षे प्रभारित स्थापन तनमान 200 वो वर्षे प्रभारित स्थापन समारित स्थापन	(ii) सुगठित ग्रारीर । (iii) साइकिल चलाना जानता हो 13 कुछ नहीं

माग 11—-आवण्ड 3 (i	/J	71 XX 71	ाराजपत्रः असाधारण ,====			1044/29
1 2	3	4	5	6	7	
53. खलासी (यांबि	কে) 9	200-3-206-4-234- वर्गा०-4-250 वर्	वर्गे 4	18 से 30 वर्ष तक	•) बाठवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रौर सुगठित शरीर ।
						सी यांत्रिकी व्यवसाय दी साई प्रमाण-पत्न ।
।54. च लासी (विध्	(त) 3	200-3-206-4-234- य०रो०-4-250 व०	वर्ग 4	18 से 30 मर्च सक	धावस्थकः (कस्राउ	i) कम से कम बाठक तीर्णा
				1	(ii) स्वस् ष	मीर सुगठित गरीर ।
						त वैश्वृत अ्थवसाय प्रार्के प्रमाण-यज्ञ ।
. 55. व लासी (भण्य	गर) 10	200-3-206-4-234- ष०रो०-4-250 ४०	वर्ग 4	18 से 30 वर्ष तक	द्यावश्यकः (उद्दीर्ण	Ú
					(ii) सुगठित (iii) सा द कि	शरीर । लचलामा जामता हो
156. कंडक्टर	2	220-3-208-4-234- ष०रो०-4-250 ष०	वर्ग 4	18 से 30 वर्षे तक	(2) सक्षम) घाठनीं कक्का उत्तीर्ण प्राधिकारी द्वारा जारी
					(३) पसन व्यवसा	ाया कॅडक्टर प्रमाणपत्त द्वारा ली जाने वार्स य परीक्षा उत्तीर्णं करे ट्रेकुलेशन या समतुल्य।
187ः क्लीनर	31	200-3-206-4-234- य०रो०-4-250 र०	वर्गे 4	18 से 30 वर्ष तक	भावश्यकः (: (2) डीजन मैकेनिय	र अपनियास क्षेत्र करियाँ मैकेनिक या घाट क या फिटर या घाट शियन में घाई टी घा
158 प्रेक्षणशाला धं भाटा प्रभामिः		200-3-20 0 -4-234- व०रो०-4-250 रु०	वर्ग 4	18से 30 वर्ष तक		खः। ठवीं कक्षा उत्तीर्णे लेजिका क्रानः ।
			11		12	13
8 भागू महीं होता	9	10 जिसके नहीं लागुनहीं होता			ाँ वर्षे भो वर्षे	कुछ नहीं
	सकने पर सीधी		पत्तम के निर्माण-व में ऐसे मखदूर 250 रु०)	हार्यं प्रभारित स्थापन (वेधनमान 200— जो वेद्युत उपखण्ड संक्षिक खण्ड में कार्य		
सागू नहीं होता	स्थानान्सरण द्वारा, सकने पर सीधी	जिसकेन हों सागूनहीं होता भर्ती द्वारा।	स्थानास्तरणः पत्तनकेनिर्माण-।	कार्यं प्रभारित स्थापम	नो वर्ष	कुछ नहीं
			• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	(बेसनमान 200 गे वैद्युत स्पष्तव्य में हैं।		
नागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा, सक्ते पर सीधी	जिसके व दो नागृनदी होत भर्ती द्वारा ।	पत्तन के निर्माण-	कार्यं प्रभारित स्थापन (वेतनमान 200 ।	दो वर्ष	হুত নহী
बालू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा, सकने पर सीधी	जिसके व हो। जागूनहीं होता । भर्ती द्वारा ।	स्थानांतरण : पत्त	ान के निर्माण कार्य एन में कंडक्टर (वेतन	वो वर्ष	ক্লুন্ত নহী
मानु महीं होता	स्थानांतरण द्वारा, सकने पर सीधी		स्थानांतरणः पर प्रभारित स	तन के निर्माण कार्य बापन के क्लीकर 200-280 क•)।	वो वर्ष	कुछ गरी
नागू नहीं होता	स्थानांसरण द्वारा, सनमें पर सीर्घ		' .		नो वर्ष	কুত নহী

[PATR	II-Sec.	3(i)1
Trwir	11—200°	2(1)]

1044/30	1 	HE GAZETTE C	OF INDIA	EXTRAORDINARY	([PAT	R II—Sec. 3(i)
1 2	3	4	5	6		7
159. फायर मैन		200-3-206-4-234- व०-रो०-4-250 ६०		18 से 25 वर्ष तक	(2) खड़ी मी श्रौर घ	प्राठवीं कभा उतीर्ण। ग्रीपर चक्क सकता हो धंक ऊषा इयों पर क्रिल करसकता हो। खिल भारीरिक मान
					र्सेमी; पु 50 कि में सामा	हेए: 168 में मी; सीना. 81 इलाकर 86 में मी भारः ज्या०, दृष्टि दोनों घांखें त्या। वर्णदर्शन घनिवार्य 40 वर्ष से ऊपर के
					कर्मचारि पहनना वांछनीयः (१) की भन्	यों को छोड़कर चश्मा भनुजेय नहीं है। भारी वाहनों के चलाने
160. सकनी	J-4	∠1∪-4-250-द०रो०-5- 270 ব৹	वर्गे 4	30 বর্ষ	ब्रावययकः (1 (2) वन्वरहरू मेराज ^ह पत्न प्राप् टिप्पणः⊶सा) घाठवीं कक्षां उत्तीर्णे । गह् यान नियम के घधीन के रूप में सक्षमता प्रमाण- त घभ्यर्थी । धारण शैक्षिक घहुंताएं
						सुम्रहित मध्यर्थियों के में शिथिल की जा है।
161ः माविक	185	200-3-206-4-234- द०-री०-4-250 ह०	वर्गे4	18 से 35 वर्ष तक	भाषश्यक : सुगठित शरीर भौर मस्लाहगाविक के रूप में धनुभव हो भौर गहरे समुद्र में तैरना भासाहो।	
162. टोपैज	. होपैष 1 <u>200-3-206-4-234-</u> न०रो०-4-250 रु०		बर्ग 4 2.5 वर्ष		भावभ्यक : (1) तिमल पढ़ लिख सकता हो । (2) सामान्य सफाई कार्य में पर्याप्त भनुभव । वांछनीय : इस क्षेत्र का पूर्व भनुभव ।	
				· 		44 44 44 44
8	9	10		11	12	13
लागू नहीं होता धायु : नहीं	सीधी भर्ती द्वारा स्थानांतरण द्वारा, जिसके सकते पर श्रोष्ठति द्वारा व		लागू नहीं होता स्थानास्तरण : पत्तन के निर्माण कार्य प्रभारित स्थापन में सकनी या		वो वर्ष दो वर्ष	कुछ नहीं कुछ नहीं
महें _त ाएं : हां	वोनों केन हो सकने पर सीधी भर्सी द्वारा।		टिडल (बेतनमान 210-270 ह०) प्रोक्रिन : नाविक (बेतनमान 200- 250 ह०) जिसे पत्तन में उस श्रेणी में नियमित माधार पर नियुक्ति के पश्चात् वो वर्षे का धनुभव है किन्तु यह तक जब वह विभागीय स्थवसाय परीक्षा			
7 ₂ .			पास कर ग्रधिमान पास वक्ष ग्रधीन से प्रमाण-पर	ले (उन व्यक्तियों को दिया जाएगा जिमके दरगाह यान नियम के रांग के रूप में सक्षमता है)।	ند خ	and south
नागू नहीं होता	स्थानांतरण द्वारा जिसके सकने पर सीखी भर्ती		त्रभारितः मान 20	स्थापन में नाविक (वेतन- 0-250 रु०)।	হাৰ্ ষ	कुछ महीं
वागु नहीं होता	सीधी भर्ती द्वारा	नागू नहीं होता	लागू नहीं होत	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	दो वर्ष ————————	ক্ষুন্ত দন্ধী

(MIN II) <u> </u>	भारत ——-	काराजयन्नः असामारा	미 ——- · ·		1044/31
1 - 2	3	4	5	6		7
163. मंडारी		200-3-206-4-234- व०रो०-4-250 ग०	वर्ग 4	3 () বর্জ	(2) भारती पकाने टिप्पण : (1) मान पि पर या के रू' (2) सधार मस्यप	। सुम्राहित प्रभ्यायियों के में शिविश की जा
164 कांटेश्राला	7	200-3-206-4-234- व०-रो०-4-250 क०	वर्ग 1	1 ८ मे 2 5 वर्षलक	समकुर	ı) भाठवीं कर्षा या इसके य भवस्य उत्तीर्ण हो । ग होना पाहि ए।
165. मुख्य चौकीवार	2	200-3-206-4-234- व०रो०-4-250 ह०	वर्ग 🔞	लागू महीं होता	लागू नहीं होता ।	
166 चौकीदार	24	196-3-220-वर्गे०-3- 232 ६०	षर्गे 4	25 वर्ष	न्नावस्यकः प्राटवीं कक्षा या समतुल्य उत्तीर्णः। बांछनीयः सगस्य बसों या किसी कारी या ख्यातिप्राप्त संगठन लाइन में मनुभवः।	
	9	10	11		12	13
 लागू महीं होता	। सीधी भर्ती द्वारा		लागू नहीं होता		वो वर्ज	कुछ नहीं
लागू नही होता	ागू नही होता स्थानांतरण द्वारा जिसके न को लागू नह सकने पर सीधी मर्ती द्वारा ।		रु०) ग्रौर मुख	जदूर (200-250 व्यमजदूर (210- नके पास सीघी भर्ती	दो वर्ष	कुछ नहीं
नहीं	प्रोन्नति द्वारा	वयन		, जिसे पत्तन में उस ार्थ का मनुभव है।	दो वर्ष	कुछ महीं
लागू नहीं होता	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		दावर्ष	कुछ नहीं

[पी०ई०टी०-64/78] राम टिलक पांडेय, धवर संचित्र